www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, गुरूवार
28 मई 2026
वर्षः 49
अंकः 35 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

मुंबई की एक और सोसायटी में बकरों को लेकर विवाद

मुंबई (एजेंसी)। मीरा रोड इलाके की सोसायटी में बकरे की कुबार्नी के लिए बनाए शेड को लेकर हुए विवाद के बाद बुधवार को घाटकोपर इलाके में भी इसी मुद्दे पर विवाद हो गया। घाटकोपर की सागर पार्क हाउसिंग सोसाइटी में बकरे बाहर निकालने के लिए पुलिस पहुंची। यहां के रहवासियों ने बताया कि इस सोसायटी में करीब 25 बकरे हैं, जो बिना महानगर पालिका (इटउ) की इजाजत के बिना कुबार्नी के लिए लाए गए हैं। यहां अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया है। घाटकोपर की सोसाइटी में बीजेपी नेता किरीट सौमैया भी पहुंचे हैं। इटउ की दो गाड़ियां सोसायटी के अंदर पहुंची हैं। बकरों को निकालने की कोशिश हो रही है। फिलहाल, यहां से एक ही बकरा निकाला गया है। वहीं, दूसरा पक्ष बकरों को निकालने के लिए राजी नहीं है। ऐसे में तनाव बना हुआ है। इस बीच महाराष्ट्र की राज्यमंत्री माधुरी मिसाल ने पुलिस महानिदेशक, पुलिस आयुक्त और पुणे महानगरपालिका आयुक्त को पत्र लिखकर कहा कि ऐसी घटनाओं का असर राज्य की कानून व्यवस्था और सामाजिक माहौल पर पड़ रहा है।

सुप्रीम कोर्ट की दोटूकः अवैध नहीं एसआईआर

चुनाव आयोग शर्तों के साथ नागरिकता जांच सकता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) को वैध और संवैधानिक करार दिया है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की बेंच ने बुधवार को कहा कि SIR मनमाना नहीं है और चुनाव आयोग को यह प्रक्रिया चलाने का अधिकार है। कोर्ट ने कहा, चुनाव आयोग वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने या हटाने के लिए नागरिकता की जांच कर सकता है, लेकिन यह फैसला सिर्फ चुनावी उद्देश्यों तक सीमित रहेगा। किसी व्यक्ति को अंतिम रूप से गैर-नागरिक घोषित करने का अधिकार आयोग के पास नहीं होगा। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि संदिग्ध नागरिकता के आधार पर जिन लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए हैं, उनके नाम 4 हफ्ते में केंद्र सरकार को भेजा जाए। जून 2025 में बिहार से शुरू हुई SIR प्रक्रिया अब तक 10 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में पूरी हो चुकी है। इस दौरान 7.41 करोड़ वोटर्स के नाम हटाए गए, जिनमें सबसे ज्यादा 2.89 करोड़ नाम उत्तर प्रदेश से कटे। बिहार के बाद पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में भी रक्फ़ कराया गया, जबकि असम में स्पेशल रिवीजन (SR) हुआ। बिहार SIR के खिलाफ दायर याचिकाओं से ही मामला सबसे पहले सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। कुल कितनी याचिकाएं थीं इसकी जानकारी नहीं है। सुप्रीम कोर्ट में इस मामले में अलग-अलग याचिकाओं पर 10 महीने तक लगातार सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि दलीलें सुनने के बाद 5 सवाल सामने आए, जिन पर आदेश दिया जा रहा है। आदेशः यह नहीं कहा जा सकता कि चुनाव आयोग ने SIR कराकर अपने अधिकारों से बाहर जाकर काम नहीं किया है। सिर्फ इसलिए इसे गैरकानूनी नहीं कहा जा सकता क्योंकि यह सामान्य प्रक्रिया से अलग था। SIR का मकसद चुनाव प्रक्रिया को कमजोर करना नहीं, बल्कि निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करना है। आदेशः कोर्ट ने कहा कि SIR की प्रक्रिया संतुलित और सही है, इसमें कोई मनमानी नहीं हुई। इसका मकसद वोटर लिस्ट को सही और साफ रखना है ताकि निष्पक्ष चुनाव हो सकें। कोर्ट के मुताबिक चुनाव आयोग ने जो कदम उठाए हैं, वे जरूरत से ज्यादा सख्त या गलत नहीं हैं। आदेशः चूंकि SIR कानूनी रूप से मान्य और उचित है इसलिए यह 'जन प्रतिनिधित्व अधिनियम' (RP Act) का उल्लंघन नहीं करता है। यह कानून तय करता है कि चुनाव कैसे होंगे, कौन वोट दे सकता है, कौन चुनाव लड़ सकता है और वोटर लिस्ट कैसे बनेगी। आदेशः चुनाव आयोग ने जिन दस्तावेजों की मांग की है, उन्हें मनमाना नहीं कहा जा सकता। आधार कार्ड समेत 11 तरह के दस्तावेजों को मान्य माना गया है। कोर्ट के मुताबिक बिना किसी नियम या दिशा-निर्देश के दस्तावेजों की जांच करना भी सही नहीं होगा।

गर्मी से राहत के आसार, आज से बारिश का अलर्ट

कई जनपदों के लिए जारी किया गया आरेंज अलर्ट

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : उत्तराखण्ड में भीषण गर्मी से राहत मिलने के आसार हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग, देहरादून द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार राज्य के विभिन्न जनपदों में आगामी दिनों में वर्षा, गर्जन, आकाशीय बिजली चमकने, ओलावृष्टि तथा तेज झोंकेदार हवाएं चलने की संभावना व्यक्त की गई है। सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचें, सुरक्षित स्थानों पर रहें तथा आकाशीय बिजली एवं तेज हवाओं के दौरान पेड़ों, बिजली के खंभों एवं कमजोर संरचनाओं से दूर रहें। मौसम संबंधी नवीनतम जानकारी एवं प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। भारत मौसम विज्ञान विभाग, देहरादून द्वारा बुधवार को जारी पूर्वानुमान के अनुसार दिनांक 28 मई को जनपद उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर एवं पिथौरागढ़ में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इन जनपदों में कहीं-कहीं गर्जन के साथ आकाशीय बिजली चमकने, ओलावृष्टि तथा 40-50 कि.मी. प्रति घंटा से बढ़कर 60 कि.मी. प्रति घंटा तक की गति से झोंकेदार हवाएं चलने की संभावना व्यक्त की गई है। इसके अतिरिक्त राज्य के शेष जनपदों में भी कहीं-कहीं गर्जन के साथ आकाशीय बिजली चमकने तथा 40-50 कि.मी. प्रति घंटा की गति से झोंकेदार हवाएं चलने की संभावना व्यक्त की गई है। 29 मई, 2026 को राज्य के उत्तरकाशी, देहरादून, टिहरी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर एवं पिथौरागढ़ जनपदों में कहीं-कहीं गर्जन के साथ आकाशीय बिजली चमकने, ओलावृष्टि तथा 40-50 कि.मी. प्रति घंटा से बढ़कर 60 कि.मी. प्रति घंटा तक की गति से तेज हवाएं चलने की संभावना के साथ आरेंज अलर्ट जारी किया गया है। साथ ही उत्तरकाशी, देहरादून, टिहरी, रुद्रप्रयाग एवं चमोली जनपदों में कहीं-कहीं भारी वर्षा होने की भी संभावना व्यक्त की गई है। 30 और 31 मई के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र द्वारा संबंधित जनपदों को सतर्क रहने तथा आवश्यक एहतियाती व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया है। संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने, आपदा प्रबंधन से जुड़े विभागों को अलर्ट मोड में रखने तथा त्वरित कार्रवाई हेतु सभी आवश्यक संसाधनों को तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश जिस हॉस्टल पर हुआ था, वह फिर बनेगा

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के अहमदाबाद में पिछले साल जून में जिस हॉस्टल पर गिरकर प्लेन क्रैश हुआ था, उसकी जगह अब नया आधुनिक सुपर स्पेशियलिटी हॉस्टल बनाया जाएगा। गुजरात सरकार ने सिविल अस्पताल के पास असरवा स्थित न्यू मेंटल कैंपस में ₹105 करोड़ की लागत से 9 मंजिला हॉस्टल और कैंटीन ब्लॉक बनाने का फैसला लिया है। स्वास्थ्य राज्यमंत्री प्रफुल पानसेरिया ने बताया कि प्लेन क्रैश में क्षतिग्रस्त अतुल्यम 1 से 4 ब्लॉक, कैंटीन और सब-स्टेशन बिल्डिंग के मुआवजे के तौर पर टाटा एयरलाइंस स्वास्थ्य विभाग को 53.12 करोड़ रुपये देगी। इसमें 236 डॉक्टरों के रहने की व्यवस्था होगी। 12 जून 2025 को हुए हादसे के समय हॉस्टल में कुल 92 छात्र मौजूद थे। दुर्घटना के बाद हुए स्ट्रक्चरल ऑडिट में बिल्डिंग को असुरक्षित घोषित किया गया, जिसके बाद इसे तोड़ने का निर्णय लिया गया। छात्रों की रहने की सुविधा प्रभावित न हो, इसके लिए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के निर्देश पर नई हॉस्टल बनाने की मंजूरी दी गई। नया हॉस्टल मेघाणीनगर के आईजीपी कंपाउंड स्थित न्यू मेंटल कैंपस में बनाई जाएगा।

विजयन समर्थकों का ईडी टीम पर हमला

लाठी-पत्थर बरसाए, गाड़ी तोड़ी, पूर्व केरलम सीएम की बेटी पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप, घर पर रेड

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरलम के पूर्व मुख्यमंत्री पिनारई विजयन के समर्थकों ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम पर हमला किया। ईडी की 12 सदस्यीय टीम बुधवार सुबह 7 बजे तिरुवनंतपुरम के बेकरी जंक्शन स्थित विजयन के घर समेत 10 ठिकानों पर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रेड करने पहुंची थी। यह विजयन का किराए वाला घर है। रेड के दौरान विजयन और उनका परिवार घर में मौजूद था। जैसे ही यह खबर फैली तो विजनय के समर्थक उनके घर के बाहर जुटने लगे। दोपहर करीब 2 बजे टीम बाहर निकली तो सीपीआई कार्यकताओं को विजयन के समर्थकों ने उन्हें घेर लिया। भीड़ ने अधिकारियों की गाड़ियों पर पत्थर और बोतलें फेंकी। कारों के शीशे तोड़ दिए गए और लाठी से भी हमला किया। वहीं, इस रेड को लेकर विजयन ने कहा- काफी समय से एऊ मेरे घर की तलाशी लेना चाहती थी। मुझे लगता है कि इस तलाशी से कुछ लोगों को खासकर राहुल गांधी जैसे किसी व्यक्ति को बहुत संतुष्टि मिलेगी। एऊ ने यह रेड विजयन की बेटी टी वीना की कंपनी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में की है। वीणा की एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस को कोचिन मिनरल्स एंड रुटाइल लिमिटेड (CMRL) ने साल 2018-19 में 1.72 करोड़ रुपये मंथली पेमेंट के तौर पर दिए, लेकिन इसके बदले एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस ने कोई सर्विस नहीं दी। ईडी का मानना है कि यह लेन-देन संदिग्ध है। CMRL और एक्सालॉजिक के बीच हुए इस भुगतान को लेकर पहले इनकम टैक्स विभाग ने भी सवाल उठाए थे। बाद में इसी आधार पर ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की है। एक दिन पहले ही मंगलवार को इसी मामले में केरल हाईकोर्ट ने CMRL की याचिका खारिज की, जिसमें CMRL ने ईडी की जांच रद्द कराने की मांग की थी। ED ने 2024 में आरोपों की जांच के लिए PMLA केस फाइल किया था। यह मुद्दा विजयन सरकार के सामने सबसे राजनीतिक रूप से संवेदनशील विवादों में से एक रहा है। ईडी जांच के अलावा, इस मामले की जांच सीरियस फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन ऑफिस (SFIO) भी कर रहा है। ईडी की रेड पर पिनाराई विजयन का बयान सामने आया। उन्होंने कहा- काफी समय से ईडी मेरे घर की तलाशी लेना चाहती थी। मुझे लगता है कि इस तलाशी से कुछ लोगों को खासकर राहुल गांधी जैसे किसी व्यक्ति को बहुत संतुष्टि मिलेगी। राहुल गांधी ने यही सवाल पूछा था कि मेरे घर छापा क्यों नहीं मारा जा रहा है, गिरफ्तार क्यों नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार देश में विपक्षी नेताओं पर हमेशा से जान-बूझकर हमले करती रही है। इसके खिलाफ पूरे देश में जोरदार विरोध प्रदर्शन हुए हैं। कांग्रेस का रुख यह है कि उनके अपने दल के अलावा अन्य दलों के खिलाफ ईडी की दखलंदाजी जारी रहनी चाहिए।

ममता बनर्जी के खिलाफ सिलीगुड़ी में एफआईआर दर्जः सनातन को गंदा धर्म कहने का आरोप

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ सिलीगुड़ी साइबर थाने में FIR दर्ज की गई है। ममता पर आरोप है कि उन्होंने 2025 में कोलकाता में आयोजित ईद कार्यक्रम के दौरान सनातन और हिंदू धर्म को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। विवाद उस बयान को लेकर है, जिसमें गंदा धर्म जैसे शब्द इस्तेमाल करने का आरोप लगाया गया है। हालांकि, इस मामले पर ममता की ओर से अब तक कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। यह शिकायत वकील रिंकी चटर्जी सिंह ने की है। उनका कहना है कि बयान से लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। रिंकी ने पुलिस से मामले में कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में कहा गया है कि तृणमूल कांग्रेस के कुछ नेता पहले भी हिंदू धर्म को लेकर विवादित बयान देते रहे हैं। रिंकी के मुताबिक उन्होंने 2025 में भी शिकायत करने की कोशिश की थी लेकिन तब उनकी नहीं सुनी गई और उन्हें प्रताड़ित भी किया गया था। तृणमूल कांग्रेस (TMC) के दार्जिलिंग यूनिट के महासचिव और वकील अत्री शर्मा ने भी इस बयान को गलत बताया है। उनका कहना है कि पार्टी के अंदर भी कई लोग इस टिप्पणी से सहमत नहीं थे और किसी को भी शिकायत दर्ज कराने का अधिकार है। ममता के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) के कई नियमों के तहत FIR दर्ज की है। आरोपों में क्रिमिनल धमकी के लिए सेक्शन 351(1) और शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर बेइज्जती करने के लिए सेक्शन 352 शामिल हैं। अधिकारियों ने सेक्शन 353(2) भी लगाया, जो अलग-अलग धार्मिक ग्रुप के बीच नफरत या दुश्मनी को बढ़ावा देने के इरादे से जानकारी फैलाने पर सजा देता है।

हाईकोर्ट का फैसला-आसाराम को करना होगा सरेंडर

जोधपुर (एजेंसी)। राजस्थान हाईकोर्ट (जोधपुर) ने बुधवार (27 मई) सुबह आसाराम की सजा पर फैसला सुनाया। हाईकोर्ट ने नाबालिग से यौन उत्पीड़न के केस में आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा है। जस्टिस अरूण मोंगा व जस्टिस योगेन्द्र कुमार पुरोहित की डिवीजन बेंच ने यह फैसला सुनाया। केस में सह आरोपी शिल्पी व शरतचंद को बरी किया गया है। आसाराम फिलहाल अंतरिम जमानत पर है, लेकिन उसे अब सरेंडर करना होगा। अगस्त 2013 में जोधपुर स्थित आश्रम में एक नाबालिग छात्रा के साथ रेप केस के आरोप में आसाराम को गिरफ्तार किया गया था। लंबी सुनवाई के बाद जोधपुर की विशेष पॉक्सो कोर्ट ने 25 अप्रैल 2018 को उन्हें दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इसके अलावा जनवरी 2023 में गुजरात के गांधीनगर आश्रम में एक महिला अनुयायी के साथ दुष्कर्म के मामले में भी आसाराम को आजीवन कारावास की सजा मिल चुकी है। 86 वर्षीय आसाराम बढ़ती उम्र और बीमारियों के चलते लगातार जमानत का प्रयास कर रहा था।

ईरान बोलाः अमेरिका से समझौते का ड्राफ्ट तैयार

एक महीने के भीतर होर्मुज में जहाजों की आवाजाही शुरू होगी

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने दावा किया है कि अमेरिका के साथ संभावित समझौते का शुरूआती ड्राफ्ट तैयार हो गया है। रॉयटर्स के मुताबिक ईरान के सरकारी टीवी ने एक शुरूआती और अनौपचारिक दस्तावेज मिलने का दावा किया है, जिसमें अमेरिका-ईरान समझौते का ढांचा तैयार किया गया है। ड्राफ्ट के अनुसार अमेरिका ईरान के आसपास से अपनी सैन्य मौजूदगी हटाएगा और नौसैनिक घेराबंदी खत्म करेगा। इसके बदले ईरान 30 दिनों के भीतर होर्मुज स्ट्रेट में व्यावसायिक जहाजों की आवाजाही को युद्ध से पहले के स्तर पर बहाल करेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह व्यवस्था अमेरिकी सैन्य जहाजों पर लागू नहीं होगी। होर्मुज में जहाजों की आवाजाही का प्रबंधन ईरान और ओमान मिलकर करेंगे। ईरानी सरकारी मीडिया ने यह भी कहा कि समझौते का ड्राफ्ट अभी फाइनल नहीं है और बिना ठोस गारंटी के ईरान आगे नहीं बढ़ेगा।अमेरिका की तरफ से अभी तक इस रिपोर्ट पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। ईरान की मिजान न्यूज एजेंसी ने अमेरिका-ईरान संभावित शांति समझौते के ड्राफ्ट को लेकर नई जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ईरान के आसपास तैनात अपनी सैन्य ताकत हटाने पर सहमत हुआ है। हालांकि इसमें क्षेत्र में तैनात अमेरिकी सैनिक और सैन्य ठिकाने शामिल होंगे या नहीं, इस पर अभी बातचीत बाकी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर 60 दिनों के भीतर अंतिम समझौता हो जाता है, तो इसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के बाध्यकारी प्रस्ताव के रूप में मंजूरी दी जाएगी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी बातचीत में होर्मुज स्ट्रेट, हाईली एनरिच्ड यूरेनियम, प्रतिबंधों में राहत और फ्रीज ईरानी संपत्तियों जैसे मुद्दों पर चर्चा चल रही है। ईरान ने दावा किया है कि अमेरिका के साथ युद्ध खत्म करने को लेकर संभावित समझौते का शुरूआती ड्राफ्ट तैयार हो गया है। ईरान के सरकारी टीवी के मुताबिक दोनों देशों के बीच एक अनौपचारिक मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग का शुरूआती ढांचा तैयार किया गया है। ड्राफ्ट के अनुसार ईरान एक महीने के भीतर होर्मुज स्ट्रेट में कमर्शियल शिपिंग को युद्ध से पहले के स्तर पर बहाल करेगा। इसके बदले अमेरिका ईरान के आसपास से अपनी सैन्य मौजूदगी कम करेगा और नौसैनिक घेराबंदी हटाएगा। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे अहम तेल व्यापार मार्गों में शामिल है। हालिया संघर्ष के दौरान यहां जहाजों की आवाजाही और तेल सप्लाई को लेकर वैश्विक चिंता बढ़ गई थी। हालांकि अमेरिका और ईरान के बीच हाईली एनरिच्ड यूरेनियम, प्रतिबंधों में राहत और फ्रीज ईरानी संपत्तियों जैसे मुद्दों पर मतभेद अब भी बने हुए हैं। इजराइली सेना ने दक्षिणी लेबनान और पूर्वी बेका वैली के कई इलाकों के लोगों को तुरंत इलाके खाली करने को कहा है। यह चेतावनी ऐसे समय जारी की गई है, जब इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच संघर्ष लगातार तेज हो रहा है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक इजराइली सेना ने कफर हूना, अरामताह, मलिख, जरजू और हुमिन अल-फौका कस्बों के निवासियों के लिए नए विस्थापन आदेश जारी किए हैं।

'प्यासे व्यक्ति को पानी दें': पीएम मोदी

बढ़ती गर्मी के बीच पीएम की देशवासियों से अपील; बोले- पशु-पक्षियों का भी रखें ख्याल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में बढ़ते तापमान को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिकों से अधिकतम सावधानी बरतने का आग्रह किया है। पीएम मोदी ने लोगों से अपील करते कहा, "पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, बाहर निकलते समय अपने साथ पानी रखें, दूसरों को भी पानी पिलाएं; ऐसी नेक भावना का बहुत महत्व है।"प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बच्चे, बुजुर्ग और बाहर काम करने वाले लोग भीषण गर्मी में खास तौर से असुरक्षित होते हैं। उन्होंने कहा कि गर्मी से होने वाली थकावट के लक्षणों को नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, "देश के अलग-अलग हिस्सों में तापमान लगातार बढ़ रहा है। इसके साथ ही दैनिक जीवन में गर्मी से होने वाली कई कठिनाइयां भी बढ़ रही हैं। मैं सभी देशवासियों से आग्रह करता हूं कि जितनी अधिक सावधानी बरत सकें, अवश्य बरतें। कृपया स्वयं को हाइड्रेटेड रखें, घर से बाहर निकलते समय पानी साथ रखें।" उन्होंने कहा, "ऐसे मौसम में आपकी संवेदनशीलता भी बहुत बड़ा सहारा बन जाती है। अगर संभव हो, तो किसी प्यासे व्यक्ति को एक गिलास पानी अवश्य दें। मैं ऐसे लोगों की सराहना भी करूंगा जो अपने घरों के और दुकानों के बाहर मटके में जल रखते हैं ताकि कोई भी उनसे पानी पी सके।" एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा, "जब भी संभव हो, अपने माता-पिता, दादा-दादी, नाना-नानी और अन्य प्रियजनों को फोन कर उनका हालचाल अवश्य पूछें। उन्हें पर्याप्त पानी पीने, दोपहर की तेज धूप में बाहर न निकलने और जितना हो सके, आराम करने की सलाह दें।" पीएम मोदी ने आगे लिखा, "इस प्रचंड गर्मी में हमें अपने आसपास के पशु-पक्षियों को भी नहीं भूलना चाहिए। अपने घर, बालकनी, छत, दुकान या ऑफिस के बाहर पानी से भरा एक छोटा-सा बर्तन रखना भी किसी प्यासे पक्षी के लिए जीवनदान बन सकता है। आइए, इन कठिन दिनों में पूरी संवेदनशीलता और करुणा के साथ एक-दूसरे का ध्यान रखें।" देश में 25 मई से शुरू हुए नौतपा ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। नौतपा की शुरूआत के साथ ही देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

लोहियाहेड हेलीपैड में मुख्यमंत्री ने सुनी जनसमस्याएं

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को लोहियाहेड हेलीपैड पर जनता व जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर जनसमस्याएं सुनी। सीएम ने समस्याओं का समाधान करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि जन समस्याओं का समाधान सरकार की प्राथमिकता है, इसलिए जनता की समस्याओं का शीघ्रता से समाधान किया जाए। उन्होंने किसानों को खाद उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, प्रदेश उपाध्यक्ष भाजयुमो सतीश भट्ट, महामंत्री रमेश जोशी, गोविंद टम्टा, डॉ. नवीन भट्ट, अमित कुमार पांडे, भवानी भंडारी, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति, मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शासनी, अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय, एएसपी डॉ. उत्तम सिंह नेगी आदि उपस्थित थे।

चारधाम की भीड़ से दूर, खरसाली बना आस्था का नया केंद्र

उत्तरकाशी। जहां एक ओर हजारों श्रद्धालु सीधे यमुनोत्री धाम पहुंचकर दर्शन कर लौट जाते हैं वहीं गुजरात के मिनेश भारवाड पिछले छह वर्षों से एक अलग आस्था की मिसाल पेश कर रहे हैं। गोधरा निवासी मिनेश जेठा भाई भारवाड के लिए मां यमुना का असली आध्यात्मिक सुकून सिर्फ धाम तक सीमित नहीं बल्कि मां के शीतकालीन प्रवास स्थल खरसाली गांव में बसे प्राचीन यमुना मंदिर में मिलता है। मिनेश हर वर्ष परिजनों और रिश्तेदारों के साथ यमुनोत्री पहुंचते हैं, लेकिन यात्रा का सबसे विशेष पड़ाव खरसाली गांव ही होता है। यहां वे 11 पुरोहितों के साथ विधिवत विशेष पूजा अर्चना कराते हैं और घंटों तक धार्मिक अनुष्ठान में शामिल रहते हैं। यमुना मंदिर के पुरोहित विपिन उनियाल और पुजारी मनमोहन उनियाल बताते हैं कि गुजरात से आने वाले यह श्रद्धालु खरसाली की आध्यात्मिक शांति, पारंपरिक पूजा पद्धति और गांव की दिव्यता से इतने प्रभावित हैं कि हर साल यहां आना अपनी आस्था का अहम हिस्सा मानते हैं।

4 जून को अल्मोड़ा में राहुल गांधी की जनसभा, तैयारी में जुटी कांग्रेस

अल्मोड़ा। विधायक मनोज तिवारी ने कांग्रेस कार्यालय में बुधवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि आगामी 4 जून को नेता प्रतिपक्ष और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी की अल्मोड़ा में जनसभा आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इसके लिए तैयारियों में जुट गई है। उन्होंने बताया कि जनसभा की तैयारियों को लेकर गुरुवार को एक बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें उत्तराखंड विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे। बैठक में जनसभा को सफल बनाने और विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की जाएगी। तिवारी ने बताया कि राहुल गांधी उत्तराखंड के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। पहले दिन 4 जून को वह अल्मोड़ा में विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे, जिसके बाद गढ़वाल क्षेत्र में सैनिकों से संवाद करेंगे। दूसरे दिन देहरादून में कांग्रेस विधायकों, नेताओं और पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। उन्होंने कहा कि तैयारी

बैठक में कुमाऊं क्षेत्र के कांग्रेस विधायक, पूर्व विधायक और पार्टी पदाधिकारी प्रतिभाग करेंगे। जनसभा को ऐतिहासिक और सफल बनाने को लेकर विशेष रणनीति तैयार की जाएगी। विधायक तिवारी ने कहा कि राहुल गांधी प्रदेश और केंद्र सरकार की विफलताओं पर बात करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश का युवा खुद को ठगा महसूस कर रहा है। पेपर लीक, बेरोजगारी और महिला असुरक्षा जैसी समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की कथनी और करनी में अंतर है तथा कांग्रेस भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ रही है।

संक्षिप्त समाचार

दिव्यांगजनों को समर्पित मोहन जगूड़ी को मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

दिव्यांगजनों के लिए समर्पित परमाध्यक्ष गोकुल मोहन जगूड़ी को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एसजीजी अचीवर्स अवार्ड से सम्मानित किया है। यह समारोह बुधवार को नियोजन विभाग द्वारा अल्मोड़ा स्थित उदयशंकर नाट्य अकादमी में आयोजित हुआ। मोहन जगूड़ी दिन्यांग जनों की आय, रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए यह सम्मान दिया गया है। उत्तरकाशी के जोगत गांव के निवासी मोहन जगूड़ी के मन में दिव्यांगजनों के लिए काम करने की प्रेरणा तक मिली जब वह पोलियो से प्रभावित बैंक अधिकारी मधु मैखुरी के संपर्क में आए। दोनों पैरों की सर्जरी होने से मधु मैखुरी का जीवन संघर्ष पूर्ण था।अपनी संस्था गोकुल के तहत उन्होने पिछले 26 सालों में कई स्वास्थ्य शिविर, सुधारात्मक सर्जरी शिविर, जागरुकता शिविर आयोजित किए हैं। पलायन रोकने के लिए रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी, टिहरी में दिव्यांगजनों को प्रशिक्षित करने के लिए कम्प्यूटर केन्द्र खोले। उनके सम्मानित होने के मौके पर पत्नी सरला जगूड़ी भी मौजूद रहीं

मजदूरों के अधिकारों और एलिवेटेड रोड के मुद्दे पर आंदोलन का ऐलान

देहरादून(प्रमुख विपक्षी दलों और जन संगठनों की ओर से बुधवार को प्रेस क्लब में प्रेस वार्ता की गई। इसमें मजदूरों के अधिकारों और एलिवेटेड रोड के मुद्दे पर आंदोलन का ऐलान किया गया। साथ ही पत्रकार हेम भट्ट के सात हुई घटना की निंदा की गई। वक्ताओं ने मलिन बस्ती के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया और एलिवेटेड रोड परियोजना का विरोध किया। वक्ताओं ने कहा कि प्रस्तावित आंदोलन को लेकर विभिन्न क्षेत्रों में जनसभाएं आयोजित की जा रही हैं। इस दौरान उत्तराखंड लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य च कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संजय शर्मा, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता समर भंडारी, सवीदय मंडल के वरिष्ठ अधिवक्ता हरबीर सिंह कुशवाहा, चेतना आंदोलन के शंकर गोपाल आदि शामिल रहे। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव डॉ सत्यनारायण सचान, कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रवीण त्यागी ने भी आंदोलन का समर्थन किया है।

द्वाराहाट में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना को मिली मंजूरी

देहरादून। जनपद अल्मोड़ा के द्वाराहाट में इस वर्ष से केंद्रीय विद्यालय की स्थापना हो जाएगी। इसके लिए केंद्रीय विद्यालय संगठन के अपर आयुक्त दीपेश गहलोत द्वारा आदेश जारी किए गए हैं। उन्होंने जारी आदेश में स्पष्ट किया है कि राज्य सरकार द्वारा केंद्रीय विद्यालय की स्थापना के लिए भूमि का हस्तांतरण केंद्रीय विद्यालय संगठन के पक्ष में किए जाने के साथ ही विद्यालय संचालन के लिए उपयुक्त अस्थाई भवन उपलब्ध होने के उपरांत इसकी स्वीकृति प्रदान की गई है। द्वाराहाट में केंद्रीय विद्यालय का संचालन शैक्षिक सत्र 2026-27 से किया जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने द्वाराहाट में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री के साथ ही केंद्रीय विद्यालय संगठन का भी आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि द्वाराहाट में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना से इस क्षेत्र में शिक्षा का अनुकूल वातावरण सृजित होगा तथा क्षेत्र के युवाओं को बेहतर शिक्षा उपलब्ध हो सकेगी।

कर्मचारियों ने मांगें नहीं मानने पर दी आंदोलन की चेतावनी

देहरादून। राज्य निगम कर्मचारी अधिकारी महासंघ की कार्यकारिणी की बैठक बुधवार को गांधी रोड स्थित रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद कार्यालय में संपन्न हुई। इसमें विभिन्न निगमों के कर्मचारी प्रतिनिधियों ने कर्मचारियों की मांगों और अन्य विषयों पर विचार विमर्श किया। सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि महासंघ द्वारा पूर्व में शासन व राज्य सरकार को प्रेषित मांग पत्र पर यदि आगामी 21 दिनों के भीतर कर्मचारियों के हित में कोई सकारात्मक व ठोस निर्णय नहीं होता तो राज्य निगम कर्मचारी अधिकारी महासंघ प्रदेशव्यापी कार्यबहिष्कार करने के लिए बाध्य होगा। बैठक की अध्यक्षता कर रहे महासंघ के अध्यक्ष दिनेश पंत ने कहा कि इसमें प्रदेश के 9 निगमों के उपनल, विशेष श्रेणी, संविदा, पीटीसी, अंशकालिक और दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों सहित विभिन्न श्रेणियों के कर्मचारी भाग लेंगे।

शिवालिक कॉलेज में छात्रों को पढ़ाया आपदा प्रबंधन का पाठ

देहरादून। आपदा कभी चेतावनी देकर नहीं आती, लेकिन सही प्रशिक्षण कई जिंदगियां बचा सकता है। शिवालिक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में 15वीं बटालियन एनडीआरएफ के सहयोग से आयोजित कम्युनिटी रिस्पॉन्स वर्कशॉप में छात्रों को आपदा के तत्काल प्रतिक्रिया, आवश्यक बचाव तकनीकों और जीवन रक्षक उपायों का व्यवहारिक प्रशिक्षण देने के दौरान विशेषज्ञों ने यह बात कही। कार्यक्रम में एनडीआरएफ के अधिकारियों ने वर्ष 2005 में स्थापित नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (एनडीआरएफ) की स्थापना, कार्यप्रणाली, विभिन्न घटकों, आयु सीमा, भूमिकाओं व जिम्मेदारियों की विस्तृत जानकारी साझा की। अधिकारियों ने बताया कि एनडीआरएफ देशभर में प्राकृतिक और मानवजनित आपदाओं के दौरान राहत व बचाव कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाती है। कठिन परिस्थितियों में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षित बल के रूप में कार्य करती है। वर्कशॉप का मुख्य आकर्षण कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) का लाइव प्रशिक्षण रहा। विशेषज्ञों ने बताया कि वयस्कों और बच्चों को दिए जाने वाले सीपीआर की तकनीक, दबाव की तीव्रता और प्रक्रिया एक-दूसरे से काफी अलग होती है।

वाल्मीकि घाट पर नोटिस से समाज में रोष

रुड़की। भगवान वाल्मीकि घाट पर सिंचाई विभाग की ओर से ध्वस्तीकरण का नोटिस लगाए जाने के विरोध में मंगलवार को वाल्मीकि समाज का एक प्रतिनिधिमंडल कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री से मामले में हस्तक्षेप कर धार्मिक स्थल की रक्षा करने की मांग उठाई। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि भगवान वाल्मीकि घाट लोगों की आस्था, सम्मान और धार्मिक पहचान का प्रतीक है। घाट पर ध्वस्तीकरण का नोटिस लगाए जाने से पूरे वाल्मीकि समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। समाज के लोगों ने कहा कि इस कार्रवाई के बाद समाज में भय और असंतोष का माहौल बन गया है तथा लोगों में लगातार आक्रोश बढ़ रहा है।

भगवान वाल्मीकि घाट केवल एक स्थान नहीं, बल्कि समाज की आस्था से जुड़ा पवित्र स्थल है। ऐसे धार्मिक स्थल पर किसी भी प्रकार की कार्रवाई समाज बर्दाश्त नहीं करेगा। प्रतिनिधिमंडल ने सरकार से संवेदनशीलता के साथ मामले का समाधान निकालने की मांग की।

मसूरी में पेड़ों पर कील और पोस्टर लगाने का विरोध

देहरादून। नगर पालिका सभासद गीता कुमांई ने पेड़ों पर कील और पोस्टर लगाये जाने का विरोध किया। उन्होंने पर्यटकों को वन टूरिस्ट वन प्लाट के तहत पौधारोपण के लिए प्रोत्साहित करने की मांग की। उन्होंने विभिन्न मांगों को लेकर मसूरी वन विभाग के क्षेत्राधिकारी को ज्ञापन दिया। बुधवार को सभासद ने मसूरी में पर्यावरण संरक्षण के तहत चलाई जा रही मुहिम मिशन ग्रीन मसूरी के तहत मसूरी वन विभाग के क्षेत्राधिकारी को ज्ञापन दिया। कहा कि मालरोड सहित अन्य स्थानों पर पेड़ों पर कीलें ठोककर पोस्टर लगाये जा रहे हैं, जिससे पेड़ों को नुकसान हो रहा है। पेड़ों को हो रहे नुकसान को रोकने के लिए जनजागरूकता की जाए।
मिशन ग्रीन मसूरी के तहत वन विभाग से मांग की गयी कि एक पर्यटक एक पौधा कार्यक्रम चलाकर पर्यटकों को मसूरी के पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया जाए। स्कूल के बच्चों को प्लांट अंगीकृत करने, जंगलों को आग से बचाने के लिए व प्लास्टिक फ्री मसूरी बनाने के लिए जनजागरूकता कार्यक्रम चलाया जाए। सभासद गीता ने कहा कि मसूरी की प्राकृतिक सुंदरता एवं पर्यावरण संरक्षण केवल वन विभाग का कार्य नहीं है,

चारधाम और हेमकुंड साहिब यात्रा में कड़ी सुरक्षा

23.65 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

देहरादून। आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप ने कहा कि यात्रा को शुरू हुए एक महीने से अधिक का समय बीत चुका है और अब तक रिकॉर्ड 23 लाख 65 हजार से अधिक श्रद्धालु चारों धामों के दर्शन कर पुण्य कमा चुके हैं। श्रद्धालुओं की भारी आमद को देखते हुए उत्तराखंड पुलिस और प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। बुधवार को आईजी स्वरूप ने कहा कि उत्तराखंड में इस वर्ष की पवित्र चारधाम और हेमकुंड साहिब यात्रा पूरे उत्साह के साथ जारी है।यात्रा को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए हर स्तर पर व्यापक और चाक-चौबंद व्यवस्थाएं की गई हैं। पुलिस कंट्रोल रूम द्वारा प्रतिदिन यात्रा मार्गों और प्रमुख धामों पर उमड़ रही भीड़ की सघन मॉनिटरिंग की जा रही है।भीड़ नियंत्रण को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त बल और अधिकारियों की तैनाती की गई है। पिछले सप्ताह से ही अतिरिक्त राजपत्रित अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। अधिकारी सीधे 'ग्राउंड जीरो' पर रहकर कानून-व्यवस्था और यातायात प्रबंधन को खुद संभाल रहे हैं। इसके अलावा, संवेदनशील और अत्यधिक भीड़ वाले क्षेत्रों, विशेषकर जनपद रुद्रप्रयाग के केदारनाथ धाम में, कुमाऊं परिक्षेत्र से भी अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

29 मई को देहरादून में ब्रिक्स अकादमिक मध्यावधि सम्मेलन की मेजबानी

देहरादून। शुक्रवार को देहरादून में ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन, रिसर्च एंड इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर डेवलपिंग कंट्रीज और दून विश्वविद्यालय के सहयोग से ब्रिक्स अकादमिक मध्यावधि सम्मेलन का आयोजन होगा। यह सम्मेलन भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के मुख्य दृष्टिकोण "लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सतत विकास के निर्माण" की थीम के अनुरूप है। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को उत्तराखंड के मुख्य सचिव आनंद बर्धन संबोधित करेंगे। इसके उपरांत उत्तराखण्ड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम, वीएसएम, सेवानिवृत्त) का एक विशेष वीडियो संदेश प्रसारित किया जाएगा। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव (बहुपक्षीय आर्थिक संबंध) एवं ब्रिक्स उप-शेरपा, शंभू एल. हक्की इस अवसर पर मुख्य संबोधन देंगे। पर्यावरण अनुसंधान और हिमालयी जलवायु अध्ययन के एक प्रमुख केंद्र के रूप में प्रसिद्ध देहरादून इस मध्यावधि सम्मेलन के लिए एक अत्यंत उपयुक्त स्थल है। ब्रिक्स देशों के प्रमुख विद्वानों, नीति विशेषज्ञों और विचारकों को एक मंच पर लाते हुए, इस सम्मेलन में तीन मुख्य स्तंभों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया जाएगाः विभाजित वैश्विक अर्थव्यवस्था के बीच हरित औद्योगिक परिवर्तन, स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों के माध्यम से जैव विविधता संरक्षण, एक समान और न्यायपूर्ण हरित बदलाव सुनिश्चित करने के लिए जलवायु वित्त का विस्तार।

भुगतान विवाद में ग्रामीण ने नाली बंद की

उत्तरकाशी। चारधाम यात्रा मार्ग पर स्थित वार्ड नंबर 7 में बड़ेथी राजराजेश्वरी मंदिर के पास जाम पड़ी नाली लोगों के लिए बड़ी परेशानी बन गई है। नाली बंद होने से होटलों और घरों का गंदा पानी सड़क पर जमा हो रहा है। मंदिर परिसर के आसपास फैली गंदगी और बदबू से स्थानीय लोगों के साथ चारधाम यात्रा पर जा रहे श्रद्धालुओं को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी मनसाराम का आरोप है कि बीआरओ ने नाली निर्माण के लिए उनकी जमीन का उपयोग किया लेकिन आज तक मुआवजे का भुगतान नहीं किया गया। इतना ही नहीं, मकान मरम्मत के नाम पर तैयार बिल का भुगतान भी लंबित है। भुगतान न मिलने से नाराज मनसा राम ने विरोधस्वरूप नाली में मिट्टी डाल दी जिससे पानी की निकासी पूरी तरह ठप हो गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि यात्रा सीजन में हजारों श्रद्धालु इसी मार्ग से गुजरते हैं लेकिन विभाग समस्या समाधान को लेकर गंभीर नहीं दिख रही।

सीएम धामी के अल्मोड़ा दौरे पर यूथ कांग्रेस ने किया विरोध प्रदर्शन

अल्मोड़ा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के अल्मोड़ा दौरे के दौरान बुधवार को यूथ कांग्रेस और छात्र नेताओं ने एसएसजे विश्वविद्यालय में कथित अनियमितताओं और छात्र हितों की अनदेखी को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। युवा कांग्रेस कार्यकर्ता गांधी पार्क चौघानपाटा से रैली निकालकर एसएसजे विश्वविद्यालय की ओर बढ़ रहे थे। इस दौरान भारी पुलिस बल ने उन्हें रोक दिया, जिससे पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। बाद में कई युवा कांग्रेस और छात्र नेताओं को हिरासत में लेकर थाने ले जाया गया। प्रदर्शनकारियों ने विश्वविद्यालय में प्रोफेसर भर्ती में आरक्षण रोस्टर में कथित अनियमितता, निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार, छात्र विरोधी नीतियों और शिक्षा व्यवस्था की बदहाली के आरोप लगाए। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने विरोध में नारेबाजी की। युवा कांग्रेस नेता गोपाल भट्ट ने कहा कि प्रदेश में भर्ती घोटाले और पेपर लीक के मामलों से युवा परेशान हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार शिक्षा माफियाओं को संरक्षण दे रही है और छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है।

डीएम कोंडे के नेतृत्व में प्रशासन बना जनसरोकारों का माध्यम

बागेश्वर। आकांक्षा कोंडे के नेतृत्व में जनपद बागेश्वर ने बीते सात महीनों के दौरान विकास, प्रशासनिक सक्रियता और जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की हैं। प्रशासन को केवल दफ्तरों तक सीमित रखने के बजाय गांवों, किसानों, महिलाओं, युवाओं और आम नागरिकों तक पहुंचाने की उनकी कार्यशैली ने जिले में सकारात्मक परिवर्तन की नई इबारत लिखी है। उनके कार्यकाल में विकास योजनाओं को धरातल तक पहुंचाने के साथ-साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में भी प्रभावी पहलें देखने को मिली हैं। जनपद की आर्थिक गतिविधियों को गति देने के उद्देश्य से बंद पड़ी औद्योगिक इकाइयों को पुनर्जीवित करने की दिशा में ठोस प्रयास किए गए। अल्मोड़ा मैग्नेसाइट फैक्ट्री एवं कौसानी चाय फैक्ट्री को पुनः संचालित कराने की प्रक्रिया ने स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित किए हैं। साथ ही श्रमिकों के लंबित वेतन और भविष्य निधि भुगतान की दिशा में भी प्रशासनिक पहल ने उम्मीद जगाई है। खड़िया खनन क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही व्यावहारिक समस्याओं का समाधान निकालते हुए प्रशासन ने स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा प्रदान की। ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कपकोट क्षेत्र में ह्यकुटकीह्न जैसी औषधीय फसल की खेती को प्रोत्साहन देना प्रशासन की एक दूरदर्शी पहल साबित हुई है। वर्तमान में 13 से 14 ग्राम पंचायतों की लगभग 350 महिलाएं 46 हेक्टेयर क्षेत्रफल में इसकी खेती कर लाखों रुपये की आय अर्जित कर रही हैं। इससे न केवल महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार आया है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली है। आपदा प्रबंधन एवं पुनर्निर्माण कार्यों में भी प्रशासन की सक्रियता स्पष्ट रूप से दिखाई दी। जिलाधिकारी के प्रयासों से 1109.25 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत हुई, जिसके माध्यम से क्षतिग्रस्त सड़कों के सुदृढ़ीकरण, पैदल पुलों के निर्माण, विद्यालयों की सुरक्षा और सिंचाई गूलों की मरम्मत जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को गति मिली। पर्वतीय जनपदों में आपदा प्रबंधन को लेकर यह पहल विशेष महत्व रखती है। शिक्षा के क्षेत्र में भी उनके कार्यकाल में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज हुई। पंडित बद्रीदत्त पांडे परिसर के विज्ञान संकाय भवन का वर्षों बाद सफल हस्तांतरण सुनिश्चित किया गया। लगभग 183.35 लाख रुपये की लागत से निर्मित यह भवन अब विद्यार्थियों के उपयोग में आ चुका है, जिससे आधुनिक प्रयोगशाला और बेहतर शैक्षणिक सुविधाओं का लाभ छात्रों को मिलने लगा है।

स्वरोजगार और रिवर्स माइग्रेशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आधुनिक एवं एकीकृत कृषि मॉडल को प्रोत्साहित किया गया। सलीगांव के किसान मनोज कोरंगा द्वारा पॉलीहाउस, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण के माध्यम से प्रस्तुत सफल मॉडल ने क्षेत्र के अन्य किसानों को भी नई दिशा दिखाई है। इसके साथ ही जनपद में कीवी उत्पादन एक नई आर्थिक संभावना बनकर उभरा है। वर्ष 2022-23 से पूर्व सीमित दायरे में रहने वाली कीवी खेती अब लगभग 80 हेक्टेयर क्षेत्र तक फैल चुकी है और 350 से अधिक किसान इससे जुड़ चुके हैं। इससे किसानों की आय में वृद्धि होने के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली है।जैविक खेती, औषधीय पौधों के उत्पादन और महिला स्वयं सहायता समूहों को बढ़ावा देकर प्रशासन ने ग्रामीण विकास के समग्र मॉडल को मजबूत करने का प्रयास किया है।

तापमान घटने के बावजूद हरिद्वार में गर्मी का प्रकोप जारी

हरिद्वार। धर्मनगरी में भीषण गर्मी में लोगों के पसीने निकल रहे हैं। तपती धूप और गर्म हवाओं के बीच सड़कों पर आवाजाही कम दिख रही है। हालांकि बुधवार को तापमान में गिरावट दर्ज हुई, बावजूद इसके लोग गर्मी से परेशान रहे। आईआईटी कृषि मौसम वेधशाला के आंकड़ों के अनुसार बुधवार को अधिकतम तापमान 38.5 और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। मंगलवार को अधिकतम तापमान 40.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23.5 डिग्री सेल्सियस रहा था। बुधवार को अधिकतम तापमान में दो डिग्री और न्यूनतम तापमान में ढाई डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज हुई। तापमान घटने के बाद भी धर्मनगरी में गर्मी का अहसास बना रहा। दिन में धूप की तपिश ने लोगों को बेहाल कर दिया। सुबह से शाम तक लोग गर्मी से जूझते रहे। दोपहर के समय लू चलने से सड़को पर लोगों की आवाजाही कम रही।

जीएसटी चोरी पर सख्ती, 11 लाख वसूले, 10 होटलों को नोटिस

नैनीताल। राज्य कर विभाग ने टैक्स चोरी करने वाले होटल-रेस्टोरेंट पर बड़ी कार्रवाई की है। इन सभी से 11 लाख रुपये वसूले हैं और 10 होटलों को नोटिस जारी किए हैं।

सहायक आयुक्त प्रकाश चंद्र त्रिवेदी ने बताया कि कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। बुधवार को ज्योलीकोट स्थित एक होटल की जांच की गई। जांच में पाया गया कि होटल के पास 5 फीसदी और 18 फीसदी जीएसटी स्लैब वाले कमरे हैं। अक्तूबर 2024 से मार्च 2025 के बीच होटल ने लगभग 3.5 करोड़ रुपये का व्यापार कम दिखाकर करीब 25 लाख का टैक्स छिपाया। नियमानुसार, 7500 रुपये प्रतिदिन तक के रूम पर 5 फीसदी जीएसटी लगता है, जिस पर आईटीसी यानी इनपुट टैक्स क्रेडिट मान्य नहीं है। इसके बावजूद होटल ने 5% वाले रूम टैक्स पर भी आईटीसी क्लेम कर ली। विभाग के नोटिस के बाद होटल प्रबंधन ने 10 लाख रुपये ब्याज सहित जमा किए हैं। इसके अलावा होटल बगैर बार रजिस्ट्रेशन के मदिरा बिक्री भी कर रहा था। इस मामले में आबकारी विभाग कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने बताया कि मल्लीताल बड़ा बाजार स्थित एक रेस्टोरेंट द्वारा लंबे समय से टैक्स जमा न करने पर जांच की गई।

उधम सिंह नगर में गर्मी का सितम, लू का यलो अलर्ट

रुद्रपुर। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अउधमसिंह नगर में आगामी सप्ताह के दौरान भीषण गर्मी और लू का असर बने रहने की संभावना जताई है। इसके देखते हुए मौसम विभाग ने आने वाले दिनों के लिए लू की स्थिति को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। जबकि 29 मई को गरज-चमक के साथ बूंदाबांदी, बिजली गिरने, आंधी और तेज हवाओं की चेतावनी दी है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, जिले में अगले सप्ताह 2 से 7 मिमी तक हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। इस दौरान अधिकतम तापमान 33 से 40 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 23 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि लगातार शुष्क मौसम के कारण मिट्टी में नमी की कमी और फलों के गिरने की समस्या बढ़ सकती है।

संक्षिप्त समाचार

लाखों की स्मैक के साथ व्यक्ति गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : उत्तर प्रदेश से कोटद्वार शहर में स्मैक लेकर आए एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। व्यक्ति के संपर्क में आने वाले लोगों की भी जानकारी जुटाई जा रही है। कोतवाली पुलिस ने 20 ग्राम स्मैक के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। बरामद स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग छः लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी यह नशा कहां से लेकर आया था और इसके पीछे कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं। दअरसल, नशे के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इसी क्रम में मंगलवार को कौड़िया क्षेत्र में चेकिंग के दौरान पुलिस को एक संदिग्ध युवक घूमता दिखाई दिया। शक होने पर जब पुलिस ने उसकी तलाशी ली तो उसके पास से स्मैक बरामद हुई। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान प्रमोद यादव निवासी बिजनौर, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और उसके संपर्क में रहने वाले अन्य लोगों की भी जांच की जा रही है।

सुरक्षा दीवार बनाने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड नं. 9 में पनियाली गदेरे पर बाढ़ सुरक्षा दीवार न बनाए जाने को लेकर वार्डवासियों ने आक्रोश जताया। कहा कि बाढ़ सुरक्षा दीवार क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण वर्षाकाल में क्षेत्र में तबाही मच सकती है। जिसको लेकर उन्होंने सिंचाई विभाग के अभियंता को ज्ञापन सौंपा। पार्षद प्रवेंद्र सिंह रावत के नेतृत्व में वार्डवासी सिंचाई विभाग के कार्यालय पहुंचे, जहां पर उन्होंने सिंचाई विभाग के अभियंता को ज्ञापन सौंपा। प्रवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि वर्तमान में वार्ड स्थित पनियाली गदेरे में सुरक्षा दीवार जगह-जगह क्षतिग्रस्त हो गई है, जिसके कारण वर्षाकाल में पूरे गदेरे का पानी वार्ड में घुस जाता है, जिस कारण कई घरों को नुकसान होता है। विगत वर्ष भी वर्षाकाल में गदेरे का पूरा पानी लोगों के घरों में घुस गया था। जिससे लोगों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा। उन्होंने जनहित में बाढ़ सुरक्षा दीवार का निर्माण कर दीवार की ऊंचाई बढ़ाने की मांग की है, ताकि वर्षाजल को आबादी क्षेत्र में घुसने से रोका जा सके। इस मौके पर अर्जुन सिंह पुंडीर, सुभागा पुंडीर, कुसुम नेगी, कृष्णा काला, आंनदी, कमला, भारती मौजूद रहे।

नव नियुक्त सीओ ने पदभार ग्रहण किया

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : नवनियुक्त सीओ सदर तपेश कुमार चंद ने पदभार ग्रहण कर लिया है। उन्होंने चारधाम यात्रा और कांवड़ यात्रा के दौरान सुचारु यातायात व्यवस्था को अपनी पहली प्राथमिकता बताया। सीओ ने कहा कि पुलिस आमजन और फरियादियों के साथ मित्रतापूर्ण व्यवहार करेगी। शिकायतों का त्वरित समाधान किया जाएगा। सीओ ने कहा कि श्रीनगर चारधाम यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव है और जुलाई में नीलकंठ मंदिर कांवड़ यात्रा के दौरान भारी जनदबाव रहेगा। इसे देखते हुए संबंधित पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने पुलिस अधिकारियों की बैठक ली और स्थानीय नागरिकों व व्यापार सभा के प्रतिनिधियों के साथ शहर की समस्याओं पर चर्चा की।

समस्याओं को लेकर मंडलायुक्त को सौंपा ज्ञापन

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा उत्तराखंड, राजकीय शिक्षक संघ व उत्तरांचल फेडरेशन ऑफ मिनिस्ट्रीयल सर्विसेज एसोसिएशन उत्तराखंड के पदाधिकारियों ने मंडलायुक्त आनंद स्वरूप से शिष्टाचार भेंटकर मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि पुरानी पेंशन कर्मचारियों के बुढ़ापे की सामाजिक व आर्थिक सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है। मोर्चा के प्रदेश महासचिव सीताराम पोखरियाल ने पूर्व की भांति पुरानी पेंशन व्यवस्था को लागू करने की मांग उठाई। राजकीय शिक्षक संघ के गढ़वाल मंडल अध्यक्ष जयदीप रावत व जिला अध्यक्ष भवान नेगी ने शिक्षकों की लंबे समय से लंबित पदोन्नति की समस्या आयुक्त के समक्ष रखीं। उन्होंने पदोन्नति प्रक्रिया को शीघ्र पूरा कर शिक्षकों को समयबद्ध लाभ देने की मांग की। वहीं मिनिस्ट्रीयल सर्विसेज एसोसिएशन गढ़वाल मंडल के अध्यक्ष रेवती नंदन डंगवाल व सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ के महासचिव जसपाल रावत ने कर्मचारियों की विभिन्न प्रशासनिक समस्याओं व गोल्डन कार्ड योजना की विसंगतियों को दूर करने की मांग उठाई। इस मौके पर संदीप भट्ट, मनोज घिल्डियाल, अंकित कठैत, दीपक गोडियाल, सुभाष चमोली आदि मौजूद रहे।

युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर जताई चिंता

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : छात्रों को नशा और नशीले पदार्थों की जानकारी देने के लिए जिला शिक्षा व प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) चड़ीगांव की ओर से पाठ्य पुस्तक तैयार की गई है। शिक्षा विभाग ने पुस्तक का विमोचन कर वितरण शुरू कर दिया। बीआरसी पौड़ी में आयोजित कार्यक्रम में पाठ्य पुस्तक अनमोल जीवन का वितरण किया। पुस्तक में युवाओं और छात्रों को नशे के प्रकार, दुष्प्रभावों व बचाव के वैज्ञानिक तरीके बताए गए। जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक रणजीत सिंह नेगी व डाइट प्रचार्य एसएस तोमर ने मौजूदा समय में युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि नशे की बढ़ती प्रवृत्ति समाज के लिए एक गंभीर चुनौती बनती जा रही है। शिक्षक छात्रों को सरल व प्रभावी माध्यम से जागरूक और स्वस्थ, अनुशासित व सकारात्मक जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे। बीईओ पौड़ी मास्टर आदर्श, शिक्षाविद विमल ममगाईं, विनय किमोठी व डॉ. हरिशंकर डिमरी ने पुस्तक की विषयवस्तु और प्रस्तुतीकरण शैली पर रोशनी डाली।

उप जिला अस्पताल में स्थापित किया वाटर कूलर

श्रीनगर गढ़वाल : रोटरी क्लब की ओर से उप जिला चिकित्सालय में मरीजों और तीमारदारों की सुविधा के लिए 80 लीटर क्षमता के वाटर कूलर की स्थापना की गई। यह कार्य स्थानीय व्यवसायी चंद्र प्रकाश कटारिया व उनके परिवार के सहयोग से संपन्न हुआ। इसके साथ ही चिकित्सालय परिसर में मरीजों और उनके परिजनों के बैठने के लिए पांच बेंचें भी स्थापित की गईं।

गर्मी का बढ़ा प्रकोप

धधक रहे चीड़ के जंगल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पहाड़ में लगातार गर्मी का पारा चढ़ता जा रहा है। ऐसे में चीड़ के जंगलों में आग लगी हुई है। लैंसडौन क्षेत्र के आसपास पिछले कई दिनों से जंगल धधक रहे हैं। हालात यह हैं कि तमाम प्रयासों के बाद भी वन महकमा आग बुझाने में नाकाम साबित हो रहा है। उधर, धुएं के गुब्बार के कारण ग्रामीणों का दम घुट रहा है। जंगलों में लगी आग से मानव वन्य जीवन संघर्ष का खतरा भी बढ़ गया है। एक ओर जहां शहर में तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया। वहीं, पहाड़ में भी लगातार पारा चढ़ता जा रहा है। नतीजा, कई हेक्टेयर में फैला चीड़ का जंगल लगातार धधक रहा है। दुगड्डा-गुमखाल के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे धधक रहे जंगल के कारण चारों ओर धुएं का गुब्बार बना हुआ है, जिसके कारण वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, आसपास के गांव में धुएं के कारण लोगों को आंखों से संबंधित समस्याएं हो रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि आग के कारण कई जानवर जान बचाते हुए आबादी क्षेत्र में प्रवेश

लैंसडौन वन प्रभाग की लैंसडौन रेंज के अंतर्गत जहरीखाल क्षेत्र के जंगलों में लगी आग

कर रहे हैं। जंगल में लगी आग के कारण वन संपदा लगातार खत्म होती जा रही है। कहा कि आग से निजात दिलवाने के लिए वन विभाग को ग्रामीणों को संसाधन उपलब्ध करवाने चाहिए।

जंगली जानवरों का खतरा

रात के अंधेरे में भी जंगल लगातार धधकते हुए दिखाई दे रहे हैं। लैंसडौन के आसपास ग्रामीणों का रात को सोना भी मुश्किल हो गया है। दरअसल, ग्रामीणों को जंगल की आग के आबादी में पहुंचने का भय बना हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि रात के समय ग्रामीण घर से बाहर निकलकर आग को देख रहे हैं। लगातार शिकायत के बाद भी वन विभाग आग बुझाने की सुध नहीं ले रहा।

घरेलू सिलिंडर की कालाबाजारी, हुई कार्रवाई

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी रोकने के लिए प्रशासन ने जिलेभर में व्यवसायिक प्रतिष्ठानों पर छापेमारी अभियान चलाया। जांच के दौरान कई स्थानों पर घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग पकड़ा गया, जिसके बाद संबंधित व्यापारियों के खिलाफ चालान की कार्रवाई करते हुए जुर्माना वसूला गया। जिलाधिकारी स्वाति एम भदौरिया के निर्देश पर जिला पूर्ति विभाग की विशेष टीम ने बुधवार को कुल 57 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। जिला पूर्ति अधिकारी अरुण कुमार वर्मा ने बताया कि कोटद्वार क्षेत्र में 27 प्रतिष्ठानों की जांच के दौरान चार घरेलू सिलेंडरों का अवैध उपयोग पाया गया। इस पर संबंधित व्यापारियों से 9,200 रुपये का जुर्माना वसूला गया। इसी तरह दुगड्डा क्षेत्र में 10 प्रतिष्ठानों की जांच में दो घरेलू सिलेंडरों का व्यावसायिक इस्तेमाल सामने आया, जिसके लिए 4,600 रुपये का अर्थदंड लगाया गया। वहीं पौड़ी क्षेत्र में 20 प्रतिष्ठानों के निरीक्षण के दौरान छह घरेलू गैस सिलेंडरों का अवैध उपयोग पकड़ा गया और संबंधित प्रतिष्ठानों पर 13,800 रुपये का जुर्माना लगाया गया। पूरे अभियान के दौरान प्रशासन ने कुल 27,600 रुपये का जुर्माना वसूला। जिला प्रशासन ने साफ किया है कि एलपीजी गैस की कालाबाजारी, जमाखोरी और घरेलू सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग के खिलाफ आगे भी नियमित रूप से अभियान जारी रहेगा। जिला पूर्ति अधिकारी ने सभी गैस एजेंसियों को उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने और रिकॉर्ड अपडेट रखने के निर्देश दिए हैं। साथ ही चेतावनी दी गई कि किसी भी प्रकार की अनियमितता मिलने पर संबंधित एजेंसी और प्रतिष्ठान के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

15 बोतल अंग्रेजी शराब के साथ एक गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : श्रीनगर पुलिस ने शराब तस्करी करने वाले एक अभियुक्त को 15 बोतल अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शराब तस्करी में प्रयुक्त स्कूटी को भी सीज कर दिया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी सर्वेश पंवार के निर्देशन में जनपदभर में नशा तस्करों के विरुद्ध सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में क्षेत्राधिकारी सदर/श्रीनगर तपेश कुमार एवं प्रभारी निरीक्षक कोतवाली श्रीनगर कुलदीप सिंह के नेतृत्व में श्रीनगर पुलिस टीम द्वारा बुधवार को श्रीनगर-बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर चेकिंग के दौरान हेलीपैड रोड के पास एक स्कूटी चालक को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान स्कूटी से 15 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद हुई। जिस पर पुलिस ने अजय गैरोला निवासी जनपद रुद्रप्रयाग को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अभियुक्त कि खिलाफ बीएनएस अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार अभियुक्त ने बताया कि वह शराब की बिक्री करता है और शराब को ठेकों से खरीदकर भरदार, बढ़ियारगढ़ एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में सप्लाई करता था। जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि लगभग दो माह पूर्व अभियुक्त थाना कीर्तिनगर, टिहरी गढ़वाल क्षेत्र में भी शराब बिक्री के मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस टीम में चौकी प्रभारी श्रीकोट राजेश असवाल, हेड कांस्टेबल महेंद्र सिंह रावत, हरीश लिंगवाल, गोपाल राम आदि शामिल थे।

सिमरन बेगम बनी संघ की अध्यक्ष

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय इंटर कॉलेज दुगड्डा में आयोजित अभिभावक-शिक्षक संघ की बैठक में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से सिमरन बेगम को संघ का अध्यक्ष चुना गया, जबकि ममता देवी को विद्यालय प्रबंधन समिति की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक के दौरान विद्यालय में छात्र संख्या बढ़ाने, अनुशासन व्यवस्था मजबूत करने और शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। शिक्षकों ने बताया कि इस वर्ष विद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है और बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम भी बेहतर रहा। विद्यालय के प्रधानाचार्य गिरीश चंद्र खरक्वाल ने बताया कि भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के स्थापना दिवस पर आयोजित सांस्कृतिक प्रतियोगिता में विद्यालय ने पहला स्थान हासिल किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बीईएल की ओर से विद्यालय को 20 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। बैठक में धनंजय प्रसाद ध्यानी, उपांत रावत, मदन नेगी समेत कई अभिभावक और शिक्षक मौजूद रहे।

पुण्यतिथि पर जवाहर लाल नेहरू को किया याद

कोटद्वार में आयोजित कार्यक्रम में पं.नेहरू को श्रद्धांजलि देते कांग्रेसी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पूर्व प्रधानमंत्री प. जवाहर लाल नेहरू की पुण्यतिथि पर कांग्रेस ने उनके योगदान को याद किया। इस दौरान संगठन की मजबूती के लिए कार्यकर्ताओं ने जवाहर लाल नेहरू के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने नेहरू के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। वक्ताओं ने कहा कि पं. नेहरू ने लोकतंत्र को केवल संविधान तक ही सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे जन-जन की आवाज बनाने का कार्य किया। कहा कि उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्र निर्माण, सामाजिक समरसता व वैज्ञानिक दृष्टिकोण के लिए समर्पित रहा। इस मौके पर मीना बछुवाण, प्रवीन रावत, डा. चंद्रमोहन खर्कवाल, विजय माहेश्वरी, शूरबीर खेतवाल, अमित राज, राजकपूर, अंकुश घिल्डियाल, प्रवीन जोशी मौजूद रहे। उधर, प्रखंड द्वारीखाल में भी कांग्रेस जनों ने पूर्व प्रधानमंत्री रहे पं. नेहरू की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने कहा कि पं. नेहरू ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में अपनी राजनैतिक सूझबूझ का लोहा मनवाया। इस मौके पर ब्लाक अध्यक्ष संजय तोमर, विनोद डबराल, राजीव जखमोला, अनिल रतूड़ी, बलवीर सिंह रावत, राजेश बिष्ट मौजूद रहे।

जंगल में आग लगाने के आरोप में दो व्यक्ति गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : कोतवाली पौड़ी पुलिस ने फल्दा वन पंचायत क्षेत्र में दो व्यक्तियों को जंगल में आग लगाते हुए गिरफ्तार किया है। दोनों अभियुक्तों को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। पुलिस एवं वन विभाग द्वारा आमजन से अपील की गई है कि जंगलों में आग लगाने जैसी घटनाओं से दूर रहें तथा ऐसी किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल प्रशासन को दें, ताकि समय रहते वन संपदा, पर्यावरण एवं वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। जनपद में बढ़ती वनाग्नि की घटनाओं को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी सर्वेश पंवार ने पुलिस एवं फायर सर्विस की समस्त इकाइयों को सतर्क एवं सक्रिय रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि जंगलों में आग लगने की प्रत्येक सूचना पर त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जाए तथा प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल राहत एवं नियंत्रण कार्यवाही की जाए। इसके साथ ही वन संपदा, वन्यजीवों एवं पर्यावरण को क्षति पहुंचाने वाली आगजनी की घटनाओं में संलिप्त अराजक एवं असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए हैं। जनपद पुलिस एवं फायर सर्विस की टीमें

संवेदनशील क्षेत्रों में निरंतर निगरानी बनाए हुए हैं तथा वनाग्नि की घटनाओं की रोकथाम हेतु संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर प्रभावी कदम उठा रही हैं। पुलिस की मीडिया सेल से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार देर सांय उपवन क्षेत्राधिकारी सतपुली रेंज मदन सिंह नेगी द्वारा कोतवाली पौड़ी में सूचना दी गई कि फल्दा वन पंचायत क्षेत्र में दो व्यक्तियों द्वारा जंगल में आग लगाई जा रही है। सूचना प्राप्त होते ही वन विभाग व पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर त्वरित कार्रवाई की। पुलिस ने पवन कुमार (उम्र 38 वर्ष), निवासी पटवालस्यू, जनपद पौड़ी गढ़वाल, महेंद्र सिंह (उम्र 56 वर्ष), निवासी पटवालस्यू, जनपद पौड़ी गढ़वाल को आग लगाते हुए गिरफ्तार किया है। प्रकरण राजस्व क्षेत्र से संबंधित होने के कारण कोतवाली पौड़ी में शून्य में अभियोग पंजीकृत किया गया। प्रकरण में आवश्यक साक्ष्य संकलन एवं अन्य वैधानिक कार्यवाही प्रचलित है। दोनों अभियुक्तों को नियमानुसार गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। वन संपदा को क्षति पहुंचाने तथा पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करने वाले ऐसे कृत्यों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। टीम में उपनिरीक्षक प्रवीन रावत, आरक्षी दिग्म्बर, आरक्षी कपिल, फायर वाचर अशोक, फायर वाचर नितिन, फायर वाचर संतोष शामिल थे।

मूलनिवासियों की समस्याओं के निराकरण की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : उत्तराखंड के मूलनिवासी शिल्पकार समाज की समस्याओं को लेकर शैलशिल्पी विकास संगठन ने केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग की है। संगठन का कहना है कि राज्य का शिल्पकार समाज लंबे समय से आर्थिक तंगी, बेरोजगारी और सामाजिक उपेक्षा का सामना कर रहा है, जिससे उनकी पारंपरिक कला और संस्कृति भी प्रभावित हो रही है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष विकास कुमार आर्य ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ज्ञापन भेजकर कहा कि शिल्पकार समाज ने सदियों से उत्तराखंड की लोकसंस्कृति और पारंपरिक शिल्पों को जीवित रखा है। बावजूद इसके आज यह समुदाय भूमिहीनता और रोजगार की कमी जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि आधुनिक सुविधाओं और बाजार की कमी के कारण नई पीढ़ी पारंपरिक व्यवसायों से दूरी बना रही है। संगठन ने मांग की कि भूमिहीन परिवारों के लिए विशेष आवास और भूमि योजना शुरू की जाए। साथ ही पारंपरिक शिल्पों को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण केंद्र खोले जाएं, ब्याज मुक्त ऋण दिया जाए और शिल्प उत्पादों के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध कराया जाए। ज्ञापन में शिक्षा और सरकारी नौकरियों में प्रतिनिधित्व बढ़ाने, पदोन्नति में आरक्षण बहाल करने तथा जातीय उत्पीड़न के मामलों में सख्त कार्रवाई की मांग भी की गई। संगठन ने कहा कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो उत्तराखंड की पारंपरिक शिल्प कला और सांस्कृतिक विरासत को बड़ा नुकसान हो सकता है।

विद्यार्थी लक्ष्य निर्धारित कर परिश्रम और समर्पण के साथ आगे बढ़े

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर, लैंसडौन द्वारा 'सेन्ट्रल कमांड चिल्ड्रेन समर एडवेंचर कैम्प' के अंतर्गत बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए एक विशेष प्रेरणादायी व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रख्यात शिक्षाविद् राजिंदर पाल देवगन ने बच्चों को जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना तथा सकारात्मक सोच के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर परिश्रम एवं समर्पण के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। श्री देवगन ने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण, नैतिक मूल्यों एवं चरित्र विकास पर भी समान रूप से ध्यान देना आवश्यक है। इस मौके पर ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी विशिष्ट सेवा मेडल, कमांडेंट, गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर ने मुख्य वक्ता राजिंदर पाल देवगन को गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर की तरफ से स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रेरणादायी लेक्चर बच्चों के बहुमुखी विकास एवं उज्जवल भविष्य निर्माण में अत्यंत सहायक सिद्ध होते है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को जीवन में अनुशासन, परिश्रम एवं राष्ट्रसेवा की भावना को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

काला रोड पर स्ट्रीट लाइटें बंद होने से लोग परेशान

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम क्षेत्र के काला रोड पर बुधवार सुबह स्ट्रीट लाइटें बंद रहने से स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। चारधाम यात्रा के चलते इन दिनों इस मार्ग पर सुबह से ही लोगों की आवाजाही बनी रहती है। गुरुद्वारा आने-जाने वाले श्रद्धालु भी इसी रास्ते से गुजरते हैं। रोज मॉर्निंग वॉक करने वाले स्थानीय निवासी साकेत, नंदू और अख्तर ने बताया कि गर्मियों में उनका समूह सुबह जल्दी टहलने निकलता है। बुधवार को सड़क पर स्ट्रीट लाइटें नहीं जलने से रास्ते में अंधेरा मिला जिससे आने-जाने में परेशानी हुई। उन्होंने नगर निगम से स्ट्रीट लाइट व्यवस्था नियमित रखने की मांग की जिससे सुबह और देर शाम इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों को परेशानी न उठानी पड़े। नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त रविराज सिंह बंगारी ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में नहीं था। शिकायत मिलने पर टीम भेजकर जांच कराई जाएगी और समस्या के समाधान का प्रयास किया जाएगा जिससे लोगों को आवाजाही में दिक्कत न हो। (एजेंसी)

ग्रामीणों को टीबी के लक्षण, बचाव और उपचार की दी जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : स्वास्थ्य विभाग पौड़ी द्वारा 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत उच्च जोखिम वाले विकासखंड कोट के अन्तर्गत ग्राम रखूंण, डंडकुर और सेमली में बुधवार को विशेष जागरूकता और एक्स-रे स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 51 टीबी एक्सरे किए गए। इस अवसर पर ग्रामीणों को टीबी के लक्षण, बचाव एवं उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

सी.एच.ओ. टीना ने लोगों को जानकारी देते हुए बताया गया कि टीबी सबसे अधिक फेफड़ों को प्रभावित करती है, टीबी के सक्रिय रोग से ग्रसित लोग इस रोग को अन्य लोगों को भी फैला सकते हैं और इसकी संभावना उन लोगों को अधिक होती है, जो कि रोगी के अधिक संपर्क में रहते हैं। कुछ मरीज लक्षण छुपा लेते हैं, लेकिन टीबी की समय पर जांच व नियमित दवा लेने से इसे ठीक किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कुछ टीबी मरीज थोड़ा बेहतर महसूस होने पर दवाएं बीच में छोड़ देते हैं ऐसा करना टीबी के सफल उपचार के लिए सही नहीं है। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत टीबी मरीजों को निःशुल्क जांच, परामर्श, दवाएं और पोषण सहायता प्रदान की जाती है। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. पारुल गोयल ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद में अभी तक उच्च जोखिम वाले 762 गांवों के सापेक्ष 241 गांवों में 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत एक्सरे स्क्रीनिंग और जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जा चुका है, जिसमें अभी तक 12457 लोगों के टीबी एक्सरे किए जा चुके हैं। इस अवसर पर एस.टी.एस. भूपेंद्र सिंह रावत, एक्सरे टेक्नीशियन प्रशांत, एएनएम कविता सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

यूनियन ने बरसाती नाले पर हुए अतिक्रमण का किया विरोध

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भारतीय किसान यूनियन (आर्मी) ने सनेह क्षेत्र में बहने वाले बरसाती नालों पर अतिक्रमण का विरोध किया। यूनियन ने प्रशासन से अतिक्रमण को हटाने की मांग की।

पार्षद संजय भंडारी व यूनियन के संगठन मंत्री श्रीकृष्ण सिंह नेगी के नेतृत्व में यूनियन के पदाधिकारी तहसील परिसर पहुंचे और उपजिलाधिकारी संदीप कुमार को ज्ञापन दिया। श्रीकृष्ण नेगी ने कहा कि वर्तमान में ग्रास्टनगंज, रतनपुर, कुंभीचौड़ क्षेत्र में पहाड़ी से निकलने वाले बरसाती नालों में अतिक्रमण हो रखा है। पानी निकासी के लिए बने कलवटों को भी तोड़ दिया गया है। साथ ही बरसाती नालों को सीधे मुख्य नहर की तरफ डायवर्ट कर दिया है, जिसके कारण वर्षाकाल में मुख्य नहर में मलबा जमा हो जाता है। इस मलबे को हटाने में सिचाईं विभाग को कई महीने लग जाते है। उधर, समय पर पानी न मिलने से किसानों की रवि व खरीफ की फसल खराब हो जाती है और किसानों को आर्थिक नुकसान भी झेलना पड़ता है। कहा कि बरसाती नालों से अतिक्रमण हटाकर पूर्व की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इस मौके पर दिनेश चंद्र पांडे, सत्य प्रकाश, सुल्तान सिंह रावत, धीरज सिंह राणा, धनवीर सिंह रावत, महानंद ध्यानी, मोहन सिंह रावत मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता/उत्तर रेलवे, मुरादाबाद, कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्यों के लिए खुली निविदा ई-टेंडरिंग प्रणाली के माध्यम से आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या और कार्य का विवरण	लगभग लागत (रुपये)	अग्रिम धन (रुपये)	निविदा फॉर्म की लागत (रुपये)	निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की अंतिम तिथि और समय
1.	SNT-SigLC-Interlocking-MB इंटरलॉकिंग ऑफ एल सी गेट्स टी यू बी >20000 इन दा सेक्शन ऑफ एडीएसटी/ मुरादाबाद ऑफ मुरादाबाद डिवीजन	7,94,93,467.37	15,89,900.00	Nil	18.06.2026 15:00

नोटः निविदा के पूरा विवरण www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है।

Tender Notice : SNT-SigLC-Interlocking-MB Date: 25.05.2026 1789/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

तपता पहाड़, बिगड़ता संतुलन

पूरा भारत इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में है तो वहीं उत्तराखंड भी इससे अछूता नहीं रह गया है। उत्तराखंड में बढ़ती गर्मी और बदलते मौसम का असर अब पहाड़ों तक साफ दिखाई देने लगा है। जंगलों में आग, पानी के स्रोत सूखना, बिजली की बढ़ती खपत और स्वास्थ्य समस्याएँ लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में सरकार और आम लोगों–दोनों को मिलकर काम करना होगा। अभी जरूरी हो गया है कि उत्तराखंड के लोगों को अपने प्राकृतिक संसाधनों के बारे में गंभीरता से सूचना होगा। इसमें सबसे महत्वपूर्ण है पानी का संरक्षण और इसकी शुरुआत अपने घर से करनी होगी। पहाड़ों में प्रकृति की कृपा के बावजूद पानी की बेहद कमी है और इसके लिए वर्षा के पानी को प्रयोग करने के लिए राज्य सरकार को बड़ी योजनाएं लानीहोगी। खास तौर से पारंपरिक धारे, नौले और चाल–खालों का पुनर्जीवन करना होगा जो आज लगभग समाप्त होते चले जा रहे हैं। पहाड़ों में सबसे बड़ी समस्या अब कूड़े को लेकर भी हो रही है जिसके कारण जंगल गर्मी में आग की सबसे बड़ी वजह बन रहे हैं। मुख्य तौर पर चीड़ के पत्तों (पिरूल) के प्रबंधन पर गंभीर काम हो। यह तो एक सामान्य सी बात है की प्रकृति का संरक्षण अधिक से अधिक पेड़ लगाकर ही हो सकता है लेकिन जिस प्रकार से विकास के नाम पर हजारों लाखों की संख्या में पेड़ काटे गए हैं वह एक चिंता का विषय है। यहां सिर्फ पौधे लगाना नहीं, उनकी देखभाल भी जरूरी है। सूरज की तपिश बढ़ने के साथ ही तमाम स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी उत्तराखंड में देखने को मिल रही है। गर्मी में हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन बढ़ रहे हैं, और इसका एक साधारण सा उपाय है अधिक से अधिक मात्रा में स्वच्छ जल का सेवन किया जाए। बहुत तेज धूप में बाहर निकलने से बचें। देवभूमि उत्तराखंड में अनियोजित निर्माण पर रोक लगनी चाहिए। पहाड़ों में तेजी से हो रहा कंक्रीट निर्माण तापमान बढ़ा रहा है। पर्यावरण संतुलन को ध्यान में रखकर विकास कार्य हों। पारंपरिक और पर्यावरण–अनुकूल निर्माण तकनीकों को बढ़ावा दिया जाए। पहाड़ों के बिगड़ते पर्यावरणीय असंतुलन से बचने के लिए जल संकट वाले क्षेत्रों की पहचान कर विशेष योजना बनानी होगी। उत्तराखंड केवल एक राज्य नहीं, बल्कि हिमालय की संवेदनशील पारिस्थितिकी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यदि समय रहते पर्यावरण संरक्षण और संतुलित विकास पर ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाले वर्षों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। आज उत्तराखंड अपनी भौगोलिक पहचान कोटा जा रहा है और कहीं ना कहीं इसके लिए राज्य गठन के बाद यहां का अनियोजित विकास भी जिम्मेदार है।

चिंतन-मनन

मूर्तिकार का सपना

क मूर्तिकार ने एक रात विचित्र स्वप्न देखा। वह किसी छायादार पेड़ के चे बैठा था। अचानक उसे सामने एक पत्थर का टुकड़ा पड़ा दिखाई या। उसने उसे उठा लिया फिर उसे सामने रखा और औजारों के थैले से ी-हथौड़ी निकालकर उसे तराशने के लिए जैसे ही पहली चोट की, थर जोर से चिल्ला पड़ा- मुझे मत मारो। दूसरी बार वह रोने लगा। र्तिकार ने उसे छोड़ दिया। फिर उसने अपनी पसंद का एक अन्य टुकड़ा ाया और उसे तराशने लगा। वह टुकड़ा चुपचाप वार सहता गया और खते ही देखते उसमें से एक एक देवी की मूर्ती उभर आई। मूर्ति वहीं पेड़ नीचे रख वह आगे चला गया। फिर कुछ समय बाद वह उसी पुराने ते से गुजरा। उस स्थान पर पहुंचकर उसने देखा कि उस मूर्ति की पूजा-र्चना हो रही है, जो उसने बनाई थी। भीड़ लगी है, भजन आरती हो रही भक्तों की पंक्तियां लगी हैं। जब उसके दर्शन का समय आया, तो पास कर उसने देखा कि उसकी बनाई मूर्ति के सामने न जाने क्या-क्या रखा जो पत्थर का पहला टुकड़ा उसने, उसके रोने चिल्लाने पर फेंक दिया वह भी एक ओर पड़ा है और लोग उसके सिर पर नारियल फोड़ -फोड़ र देवी की मूर्ति पर चढ़ा रहे है। तभी मूर्तिकार की नींद टूट गई। वह सपने बारे में सोचने लगा। उसने निष्कर्ष निकाला कि जो लोग थोड़ा कष्ट झेल ते हैं, उनका जीवन बन जाता है। विश्व उनका सत्कार करता है। पर जो जाते हैं और बचकर भागना चाहते हैं वे बाद में जीवन भर कष्ट झेलते उनका सत्कार कोई नहीं करता।

शातिर सत्ताधीशों की सियासत का शिकार गोवंश

निर्मल रानी

भाजपा शासित राजस्थान में जैसलमेर में घटी एक अत्यंत संवेदनशील घटना ने देश के गौ भक्त समाज को झकझोर कर रख दिया। यहां के डंपिंग यार्ड में 500 से अधिक गायों के सड़े-गले शव और हड्डियां खुले में बिखरे हुए मिले पाये गये। इस जगह का दृश्य इतना भयावह व भीषण दुर्गंध पूर्ण था कि स्थानीय लोग और गौ-प्रेमी स्वभाविक रूप से इसे देखकर क्रोधित व विचलित हो गए। बताया जाता है कि इनमें से कई गायों की मौत जहरीला कचरा या पॉलीथिन खाने से हुई। जबकि इनमें बड़ी संख्या में ऐसी गायों के शव भी थे जिन्हें मृत पशुओं का निस्तारण करने वाले ठेकेदार ने इसी डंपिंग यार्ड में लाकर फेंक दिया था।

भाजपा शासित राजस्थान में घटी इस दर्दनाक व शर्मनाक घटना ने सरकार व निजी गौ रक्ष संगठनों के गौ-रक्षा के दावों और प्रशासनिक व्यवस्थाओं दोनों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्योंकि यह केवल किसी की लापरवाही मात्र का नहीं बल्कि मानवता और हिन्दू आस्था दोनों के ही अपमान से जुड़ा मामला है।

गौरतलब है कि पिछले एक दशक से देश में मुस्लिम समाज के सैकड़ों लोगों को गौरक्षा के नाम पर मारा जा चुका है। मुहम्मद अखलाक और पहलू खान जैसे अनेक लोगों की हत्या की खबरें देश विदेश के मीडिया में प्रसारित होकर देश की बदनामी का कारण भी बन चुकी है। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2016-17 में इन्हीं कथित गौरक्षकों के संदर्भ में यह कह भी चुके हैं कि गोरक्षा के नाम पर गुंडागर्दी करने वाले 70-80 प्रतिशत लोग फर्जी हैं, जो रात में गैर-कानूनी काम करते हैं और दिन में गोरक्षक का चोला पहन लेते हैं। मोदी ने कहा था कि उन्हें उन लोगों पर बहुत गुस्सा आता है जो गोरक्षा के नाम पर अपनी दुकानें खोलकर बैठ गए हैं। उन्होंने राज्य सरकारों से ऐसे लोगों की पृष्ठभूमि की जांच करने और उनका डोजियर तैयार करने को भी कहा था। उस समय मोदी ने गोरक्षा के नाम पर हो रही हत्याओं की कड़ी निंदा भी की थी। उन्होंने स्पष्ट कहा था कि गौ भक्ति के नाम पर लोगों की हत्या स्वीकार्य नहीं है।किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने का हक नहीं है। उन्होंने असली गोरक्षकों को सलाह दी थी कि उन्हें गायों को प्लास्टिक खाने से बचाने के लिए काम करना चाहिए, क्योंकि कटने से ज्यादा गायें प्लास्टिक और कचरा खाने से मरती हैं।

गाय को लेकर बने देश के इसी तनावपूर्ण वातावरण में देश के मुस्लिम समाज ने उच्च स्तर पर कहीं फतवों से तो कहीं दिशा निर्देश जारी कर भारत के मुसलमानों को यह हिदायत जारी की है कि वे गाय की हत्या व गोमांस भक्षण यदि कहीं किया जा रहा है तो उससे पूरी तरह बाज आयें। यहाँ तक कि देश में गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग को लेकर अनेक प्रमुख मुस्लिम उलेमाओं और संगठनों ने गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की वकालत की है। इनके अनुसार ऐसा करने से देश में नफरत और मॉब लिंचिंग जैसी घटनाओं पर रोक लगेगी, और बहुसंख्यक समाज की आस्था का सम्मान होगा। कई इस्लामी विद्वानों और मौलानाओं का तो स्पष्ट मत है कि इस्लाम में गौ मांस खाने को सख़्ती से मना किया गया है। पैगंबर मोहम्मद साहब के कथनों का हवाला देते हुए मौलानाओं द्वारा यह बताया गया है कि गाय के मांस में बीमारी है और उसके दूध में शिफा अर्थात राहत है। अनेक मुस्लिम संगठनों ने भी गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग उठाई है, ताकि गाय को लेकर होने वाली सांप्रदायिक राजनीति पर पूर्ण विराम लग सके।

परन्तु हिंदूवादी संगठनों द्वारा गौ हत्या को लेकर केवल मुसलमानों पर निशाना साधने वालों को इसी सिक्के के दूसरे पहलू को समझना भी जरूरी है। इस सन्दर्भ में पिछले दिनों हुए असम चुनावों के दौरान राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा का वह बयान काबिल - ए -गौर है जिसमें उन्होंने कहा था कि उनकी सरकार लोगों के घर के अंदर गोमांस खाने अर्थात निजी खान-पान पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाती। उन्हें इसे खाने से कोई मनाही नहीं है, लेकिन इसे सार्वजनिक तौर पर खाने के बजाय अपने घरों के अंदर खाना चाहिए। लेकिन सार्वजनिक रूप से या धार्मिक स्थलों के आसपास इसका सेवन कानूनन और सामाजिक भावनाओं के खिलाफ है। सवाल यह है कि जब गोवध होगा तभी तो गोमांस घरों में भी खाया जा सकेगा ? दूसरे यह कि केवल मुसलमान ही नहीं बल्कि अन्य धर्मों व जातियों के लोगों द्वारा भी बड़ी संख्या में गौमांस भक्षण किया जाता है तभी वोट बैंक के मद्देनजर यह बयान मुख्यमंत्री द्वारा दिया गया।

क्या एआई मानवता के महाविनाश का कारण बनेगी?

ललित गर्ग

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं रह गई है, बल्कि वह मानव सभ्यता के भविष्य का निर्णायक मोड़ बनती जा रही है। जिस गति से यह तकनीक विकसित हुई है, उसने दुनिया को आश्चर्यचकित भी किया है और चिंतित भी। अभी तक विज्ञान और तकनीक मनुष्य के हाथों में उपकरण थे, किंतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता पहली ऐसी शक्ति है जो निर्णय लेने, सीखने, विश्लेषण करने और सृजन करने की क्षमता के साथ स्वयं को निरंतर विकसित कर रही है। यही कारण है कि विश्व के प्रमुख धर्मगुरु, वैज्ञानिक और नीति-निमार्ता इसके खतरों को लेकर गंभीर चेतावनियां दे रहे हैं। हाल ही में वर्तमान पोप लियो चौदहवें द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संदर्भ में व्यक्त की गई चिंताएं अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि युद्ध को नैतिक नहीं बनाया जा सकता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित युद्ध प्रणाली मानवता के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। यह चेतावनी केवल धार्मिक दृष्टि नहीं, बल्कि मानवीय अस्तित्व की रक्षा का प्रश्न है। दुनिया को इसे गंभीरता से लेने की आवश्यकता है।

पोप ने सामाजिक और वैश्विक मुद्दों पर जारी अपने आधिकारिक संदेश में एआई को मानवता के समक्ष उभरती सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक बताया। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर चिंता व्यक्त की कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीकी परिवर्तन का माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि यह युद्ध, राजनीति, अर्थव्यवस्था और सामाजिक संरचना को प्रभावित करने वाली शक्ति बनती जा रही है। उन्होंने दुनिया को चेताया कि तकनीक का उद्देश्य मनुष्य पर प्रभुत्व स्थापित करना नहीं, बल्कि उसकी सेवा करना होना चाहिए। उनका संदेश मानव-केंद्रित विकास की अवधारणा को बल देता है, जिसमें विज्ञान और तकनीक को नैतिकता, मानवीय गरिमा और करुणा के अधीन रखा जाए। पोप की यह चेतावनी केवल धार्मिक दृष्टिकोण नहीं है, बल्कि एक वैश्विक मानवीय आह्वान है कि एआई की अंधी दौड़ में मानवता, संवेदना और नैतिकता का क्षरण न होने दिया जाए। आज जब महाशक्तियां एआई के माध्यम से प्रभाव और नियंत्रण की प्रतिस्पर्धा में लगी हैं, तब पोप का यह संदेश विश्व समुदाय को संयम, उत्तरदायित्व और मानवीय मूल्यों की ओर लौटने का मार्ग दिखाता है।

पोप ने स्पष्ट कहा कि कोई भी एल्गोरिद्म युद्ध को नैतिक नहीं बना सकता और तकनीक को मानव विवेक का विकल्प नहीं बनने दिया जा सकता। पोप ने चर्च के सामाजिक सरोकारों से जुड़े अपने इस आधिकारिक पत्र में पहली बार एआई को प्रमुख विषय बनाया, जो इस बात का संकेत है कि इसका प्रभाव केवल तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि मानव जीवन, समाज और वैश्विक व्यवस्था को व्यापक रूप से प्रभावित कर रहा है। उन्होंने विशेष रूप से एआई आधारित स्वायत्त हथियार प्रणालियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि इस तकनीक को पूर्णतः मानवीय नियंत्रण में नहीं रखा गया तो यह युद्ध, शोषण और दासता के नए रूपों को जन्म दे सकती है। पोप ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता को 'निरस्त्र' करने का आह्वान करते हुए उसका आशय तकनीक का विरोध नहीं, बल्कि उसके अनियंत्रित और अमानवीय उपयोग पर रोक लगाना बताया। उनका कहना था कि युद्ध और शांति से जुड़े निर्णय अंततः नैतिकता, करुणा और विवेक पर आधारित होने चाहिए, उन्हें मशीनों के हवाले नहीं किया जा सकता। आज जब अमेरिका, चीन और अन्य महाशक्तियां कृत्रिम बुद्धिमत्ता की होड़ में लगी हैं और युद्ध तकनीकों में इसका उपयोग बढ़ रहा है, तब पोप का यह संदेश मानवता के लिए एक नैतिक दिशा-सूचक के रूप में सामने आया है कि तकनीक मनुष्य की सेवक बने, स्वामी नहीं; और विकास का केंद्र मानव गरिमा, संवेदना तथा विश्वशांति ही रहे।

निश्चित रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, बैंकिंग, व्यापार, प्रशासन और संचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन किए हैं। रोगों के निदान से लेकर वित्तीय प्रबंधन तक और शिक्षा से लेकर अनुसंधान तक, इसकी उपयोगिता निर्विवाद है। लेकिन हर तकनीकी क्रांति अपने साथ संकट भी लाती है। आज वही संकट स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। सबसे बड़ा संकट रोजगार का है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने लाखों लोगों के कार्यों को प्रतिस्थापित करना शुरू कर दिया है। ग्राहक सेवा, लेखन, अनुवाद, लेखांकन, सूचना प्रबंधन, प्रोग्रामिंग और कार्यालयी कार्यों में मनुष्य की आवश्यकता तेजी से घट रही है। मशीनें कम लागत, अधिक गति और निरंतर कार्य क्षमता के कारण मनुष्य का स्थान ले रही हैं। इससे केवल बेरोजगारी नहीं बढ़ेगी, बल्कि सामाजिक असंतुलन और आर्थिक विषमता भी गहराएगी। जिन देशों और कंपनियों के पास कृत्रिम बुद्धिमत्ता का नियंत्रण होगा, आर्थिक शक्ति भी उन्हीं के हाथों में केंद्रित हो जाएगी। इससे विश्व व्यवस्था में असमानता का नया स्वरूप उभरेगा।

इससे भी अधिक गंभीर प्रश्न वैश्विक सुरक्षा का है। आज अमेरिका, चीन और अन्य महाशक्तियां कृत्रिम बुद्धिमत्ता की होड़ में लगी हुई हैं। यह प्रतिस्पर्धा केवल तकनीकी श्रेष्ठता तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक प्रभुत्व का नया संघर्ष बन चुकी है। जैसे कभी परमाणु हथियारों और घातक अस्त्र-शस्त्रों के माध्यम से शक्ति संतुलन स्थापित हुआ था, वैसे ही अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता भविष्य की सामरिक शक्ति बन रही है। स्वायत्त हथियार प्रणाली, बुद्धिमान ड्रोन और बिना मानवीय हस्तक्षेप के निर्णय लेने वाली युद्ध तकनीकें मानवता के लिए भयावह संकेत हैं। यदि युद्ध का निर्णय मशीनों के हाथों में चला गया तो संवेदना, विवेक और नैतिकता समाप्त हो जाएगी। मशीनों के लिए मानव जीवन केवल आंकड़े होंगे। ऐसी स्थिति महाविनाश की संभावना को जन्म दे सकती है। पोप की यह चेतावनी इसी संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है कि युद्ध का अंतिम निर्णय मानव विवेक के अधीन रहना चाहिए। साइबर सुरक्षा भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण नई चुनौतियों से घिर गई है। बैंकिंग व्यवस्था, विद्युत तंत्र, रक्षा नेटवर्क और संचार प्रणाली आज डिजिटल माध्यमों पर निर्भर हैं। एआई आधारित साइबर हमले किसी भी राष्ट्र को कुछ घंटों में अस्थिर कर सकते हैं। झूठे संदेश, भ्रामक वीडियो, कृत्रिम चित्र और आवाजों के माध्यम से सामाजिक तनाव उत्पन्न किए जा सकते हैं। सत्य और असत्य का अंतर मिटने लगा है। यह सूचना तंत्र और लोकतंत्र दोनों के लिए गंभीर संकट है। एआई का एक और चिंताजनक पक्ष है-मानवीय नियंत्रण का कमजोर पड़ना। वैज्ञानिक समुदाय का एक वर्ग मानता है कि भविष्य में ऐसी बुद्धिमत्ता विकसित हो सकती है जो मनुष्य की क्षमता से कई गुना आगे निकल जाए। यदि ऐसा हुआ तो नियंत्रण का प्रश्न सबसे बड़ा संकट बनेगा। यह केवल तकनीकी विषय नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व का प्रश्न होगा।

भारत के लिए यह विषय और अधिक महत्वपूर्ण है। भारत युवा शक्ति, विशाल जनसंख्या और तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्था वाला देश है। यदि एआई को बिना स्पष्ट नीति और नियंत्रण के बढ़ने दिया गया तो रोजगार, शिक्षा और सामाजिक संरचना पर व्यापक प्रभाव पड़ सकता है। भारत को विकास और नियंत्रण दोनों के बीच संतुलन बनाना होगा। एआई को रोकना समाधान नहीं है, लेकिन इसे मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के अधीन रखना अनिवार्य है। भारत को ऐसी राष्ट्रीय नीति बनानी होगी जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग मानव कल्याण, शिक्षा, चिकित्सा और आर्थिक विकास के लिए हो, लेकिन रोजगार संरक्षण, डेटा सुरक्षा, नैतिक मानदंड और युद्ध नियंत्रण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। साथ ही वैश्विक स्तर पर भी एआई के उपयोग हेतु साझा नियम और अंतरराष्ट्रीय संधियां आवश्यक हैं।

आज सबसे बड़ा प्रश्न तकनीक का नहीं, मानवता का है। क्या मनुष्य अपनी बनाई हुई शक्ति पर नियंत्रण बनाए रख सकेगा? क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव जीवन को समृद्ध बनाएगी या उसे नियंत्रित करेगी? क्या विकास संवेदनाओं से बड़ा हो जाएगा? क्या एआई रूपी विस्फोट मानवता के महाविनाश का कारण बनेगी? यही वे प्रश्न हैं जिन पर दुनिया को गंभीर चिंतन करना होगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की दिशा यदि मानवता केंद्रित रही तो यह सभ्यता को नई ऊंचाइयां दे सकती है, लेकिन यदि यह शक्ति नियंत्रण और नैतिकता से मुक्त हो गई तो यह मानव इतिहास के सबसे बड़े संकट एवं महाविनाश का कारण भी बन सकती है। इसलिए आज आवश्यकता तकनीकी प्रगति की नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण प्रगति की है-जहां मशीनें विकसित हों, किंतु मानवता सर्वोच्च बनी रहे।

पर्यावरण चिंतन- बढ़ती गर्मी नहीं, ये है भविष्य की भयावह चेतावनी

योगेश कुमार गोयल

मौसम विभाग और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के ताजा आंकड़ों ने एक डरावनी तस्वीर पेश की है। पिछले चार दशकों में हीट वेव (लू) से होने वाली मौतों में 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। गौर करने वाली बात यह है कि हीट वेव अब केवल अपने पारंपरिक गढ़ (उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत) तक सीमित नहीं रही बल्कि इसने दक्षिण भारत के उन तटीय इलाकों को भी अपनी चपेट में ले लिया है, जो ऐतिहासिक रूप से कम ताप प्रभावित रहते थे।

आग उगलता आसमान और हीट वेव की गिरफ्त में भारत...

बदलती जलवायु के कारण भारत सहित दुनिया के अनेक हिस्से भीषण हीट वेव की चपेट में है। अब यह संकट पारंपरिक क्षेत्रों से निकलकर तटीय इलाकों तक फैल चुका है। अंधाधुंध शहरीकरण, घटती हरियाली और कंक्रीट के बढ़ते निर्माण से 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव बढ़ रहा है, जिससे दिन और रातें अत्यधिक गर्म हो रही हैं। राजस्थान के बाड़मेर से लेकर दिल्ली की गलियों और विदर्भ के मैदानों तक पारा 45 डिग्री सेल्सियस के स्तर को पार कर चुका है। यह केवल बढ़ते तापमान का आंकड़ा नहीं है बल्कि यह एक गहराता सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट और आर्थिक चेतावनी है। हीट वेव अब केवल मौसमी असुविधा नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और मानव अस्तित्व के लिए गंभीर संकट बन चुकी है। बढ़ते तापमान, घटती हरियाली और कंक्रीट के फैलते जंगलों ने जीवन को लू की लपटों में समेट दिया है।

मौसम विभाग और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के ताजा आंकड़ों ने एक डरावनी तस्वीर पेश की है। पिछले चार दशकों में हीट वेव (लू) से होने वाली मौतों में 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। गौर करने वाली बात यह है कि हीट वेव अब केवल अपने पारंपरिक गढ़ (उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत) तक सीमित नहीं रही बल्कि इसने दक्षिण भारत के उन तटीय इलाकों को भी अपनी चपेट में ले लिया है, जो ऐतिहासिक रूप से कम ताप प्रभावित रहते थे। अध्ययन बताते हैं कि 1981 से 2000 के बीच लू की औसत अवधि जहां 2.5 से 5.5 दिन थी, वहीं 2001 से 2020 के बीच यह बढ़कर 8.5 दिन तक पहुंच गई। लू का भौगोलिक दायरा भी 11.9 लाख वर्ग किलोमीटर से फैलकर 18.1 लाख वर्ग किलोमीटर हो चुका है। यह विस्तार बताता है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की कड़वी हकीकत है। हमारे शहर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील हो चुके हैं, जो दिनभर गर्मी सोखते हैं और रात में उसे मुक्त करते हैं, जिससे 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव पैदा होता है। इस तपती आग में सबसे अधिक जोखिम उन लोगों (रेहड़ी-पटरी वाले, निर्माण श्रमिक और दिहाड़ी मजदूर) का है, जो खुले आसमान के नीचे अपना वजूद तलाशते हैं। इनके पास न तो कूलिंग सेंटर की सुविधा है और न ही काम के घंटों में लचीलापन। इसके साथ ही बच्चे और बुजुर्ग इस बढ़ते 'डिस्कंफर्ट इंडेक्स' के सबसे आसान शिकार बन रहे हैं।

वैज्ञानिकों के मुताबिक तापमान में वृद्धि से आगामी वर्षों में हीट वेव, गर्मी का मौसम ज्यादा समय तक रहने और सर्दी के मौसम का समय घटने जैसी स्थितियां पैदा होंगी। इस बारे में वैज्ञानिकों का स्पष्ट कहना है कि जिस जलवायु परिवर्तन के बारे में अब तक हम केवल पढ़ते-सुनते रहे थे, वह अब

हमारे सामने आकर खड़ा हो गया है। भारत में मई का महीना गर्म हवाओं (लू) का चरम समय होता है और लू की घटनाओं को भी मौसम में दिन-प्रतिदिन बदलाव का स्वाभाविक हिस्सा माना जाता है लेकिन चिंता की बात यही है कि लू की तीव्रता लगातार वर्ष दर वर्ष बढ़ रही है। पिछले करीब डेढ़ दशकों में 2009, 2010, 2016, 2017 और 2022 भारत में रिकॉर्ड किए गए पांच सबसे गर्म वर्ष रहे। आईएमडी के मुताबिक 15 सबसे गर्म वर्षों में से 11 वर्ष 2008 से 2022 के बीच ही दर्ज किए गए।

यह जानना भी जरूरी कि हीट वेव आखिर है क्या? जैसा कि नाम से ही जाहिर है, हीट वेव अत्यधिक गर्म मौसम की अवधि है, जो प्रायः दो या ज्यादा दिनों तक रहती है। जब तापमान किसी क्षेत्र के सामान्य औसत तापमान से अधिक हो जाता है तो उसे 'हीट वेव' कहा जाता हं। आईएमडी के अनुसार मैदानी इलाकों का अधिकतम तापमान जब 40 डिग्री सेल्सियस तक और पहाड़ी क्षेत्रों का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो लू चलने लगती है और यदि तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो यह खतरनाक लू की श्रेणी में कही जाती है। इसी प्रकार तटीय क्षेत्रों में जब तापमान 37 डिग्री सेल्सियस हो जाता है तो लू चलने लगती है। हीट वेव के कारण लोगों के बीमार होने और हीट स्ट्रोक का खतरा बहुत बढ़ जाता है तथा सैंकड़ों लोगों की मौत हो जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 1998 से 2017 के बीच हीट वेव के कारण 1.66 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और यह आंकड़ा अब वर्ष दर वर्ष तेजी से बढ़ रहा है।

आईआईटी खड़गपुर के एक अध्ययन से यह स्पष्ट हो चुका है कि तापमान में वृद्धि तथा लू का मानव शरीर पर व्यापक असर पड़ रहा है। गर्म हवाओं से ब्रेन स्ट्रोक, हृदयाघात, नसों में खून के थक्के जमने की आशंका, स्थायी विकलांगता का खतरा बढ़ जाता है और इससे मृत्यु दर में भी वृद्धि हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, हीट वेव बाढ़ के बाद दूसरी सबसे घातक आपदा है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौतियां पेश कर रही है। लू का असर हृदय तथा फेफड़े जैसे अंगों पर सर्वाधिक पड़ता है, जो बेहद खतरनाक हो सकता है। हीट वेव से ऐसे लोगों की स्थिति और खराब होने की

और शहरों में हरे-भरे प्राकृतिक क्षेत्रों को भी सीमेंट तथा कंक्रीट के तपते जंगलों में तब्दील किया जा रहा है। दुनियाभर में विभिन्न शोधों के आधार पर वैज्ञानिक जलवायु संकट को ही लू के लिए जिम्मेदार मान रहे है, जिनका कहना है कि शहरीकरण तथा जनसंख्या घनत्व इसमें बड़ा योगदान देते हैं। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) के मुताबिक लू से अर्थव्यवस्था को चौतरफा नुकसान होता है। डब्ल्यूएमओ का कहना है कि बढ़ते तापमान का अर्थ हीट वेव का बढ़ना, बहुत ज्यादा मात्रा में बर्फ का पिघलना, समुद्र जलस्तर का बढ़ना तथा मौसम की चरम घटनाओं का और ज्यादा विनाशकारी होना है, जिसका सीधा प्रभाव पर्यावरण, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और सतत विकास पर पड़ेगा। इतिहास के सबसे गर्म वर्षों में लगभग सभी साल पिछले तथा इस दशक से ही रहे हैं। ब्रिटिश मौसम कार्यालय के एक अध्ययन में शोधकताओं ने कहा है कि यदि जलवायु पविर्तन नहीं हो रहा होता तो ऐसा चरम तापमान प्रत्येक 312 वर्षों में एक बार ही देखने को मिलता।

भारत की ज्ञान परंपरा को पुनर्जीवित करता है ज्ञान भारतम् मिशन

डॉ. कुलदीप गौतम

मानवीय व्यवहार के लिए पूर्ववर्ती परंपराओं का अपना महत्व है और ऐसी परंपराएं जो सर्वहित में अनुकरणीय हो वहीं भारतीय ज्ञान परंपरा है और इस ज्ञान परंपरा का वह खजाना प्राचीन भारत की पांडुलिपियों में छिपा हुआ है जो भारत के इतिहास को बदलने में सक्षम है। इसी को मध्य नजर रखते हुए भारत सरकार ने संस्कृति मंत्रालय के अधीन ह्ज्ञान भारतम् मिशनह्व की स्थापना की जिसके तहत पांडुलिपि विश्वास के माध्यम से भारत के ज्ञान सम्पदा को पुनः प्राप्त करना है। ज्ञान भारतम् मिशन भारत की विशाल पांडुलिपि विरासत को संरक्षित करने तथा इसके डिजिटाइज करने और प्रचारित करने के लिए एक राष्ट्रीय पहल है। इस मिशन को सफल बनाने हेतु केंद्र सरकार ने लगभग 500 करोड रुपए (2024-31) तक आवंटित किए गए हैं। इससे पूर्व भी वर्ष 2003 में राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन प्रारंभ किया गया था, परंतु जन भागीदारी का अभाव उस समय था किंतु विशेषज्ञों और संस्थाओं के माध्यम से राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन 2003 में कार्य किया गया था जो बाद में लगभग समाप्त हो गया। किंतु अब पुनः भारत सरकार ने ज्ञान भारतम् मिशन के लिए पुनः पहल की है। भारतीय ज्ञान परंपरा संपदा इसकी विशाल पांडुलिपि में परिलक्षित होती है। यह ग्रंथ दर्शन, विज्ञान, चिकित्सा, गणित, खगोल विज्ञान, साहित्य कला और आध्यात्मिकता जैसे विषयों की एक श्रृंखला में फैले हैं। ये कई लिपियों और भाषाओं में लिखे गए हैं और मंदिरों, मठों, जैन भंडारों, अभिलेखागार, पुस्तकालयों और निजी संग्रहो में सुरक्षित हैं। अतः ज्ञान भारतम् मिशन के तहत पांडुलिपियों को सुरक्षित किया जाएगा। जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके की पारंपरिक प्रथाओं का सम्मान करते हुए नाजुक और लुप्तप्राय ग्रंथों को वैज्ञानिक सटीकता के साथ संरक्षित किया जाए। ज्ञान भारतम् मिशन संविधान के अनुच्छेद 51 ए (एफ) के अनुरूप है जो हमारी मिश्रित संस्कृति की समृद्ध विरासत को संरक्षित करना एक मौलिक कर्तव्य बनता है। यह मिशन राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का समर्थन करता है जो भारतीय ज्ञान प्रणालियों को आधुनिक पाठ्यक्रम में शामिल करता है। अतः ज्ञान भारतम् भारत सरकार का एक ऐसा प्रकल्प है जो भारतीय संस्कृतियों को पुनर्जीवित करेगा।

संक्षिप्त समाचार

रूबियो ने रूस के विदेश मंत्री से की बात

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बीच सोमवार को फोन पर बातचीत हुई। दोनों नेताओं ने रूस-यूक्रेन युद्ध, द्विपक्षीय संबंधों और ईरान की स्थिति पर चर्चा की। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने बताया कि बातचीत का अनुरोध रूस की ओर से किया गया था। रूसी विदेश मंत्रालय के अनुसार लावरोव ने कीव में यूक्रेनी सेना से जुड़े ठिकानों पर हमले की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ये कार्रवाई रूस के अंदर नागरिक इलाकों पर हो रहे कथित हमलों के जवाब में की गई। लावरोव ने अमेरिका समेत अन्य देशों से कीव में मौजूद अपने राजनयिकों और नागरिकों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करने को भी कहा।

कैलिफोर्निया के रासायनिक टैंक में विस्फोट का खतरा टला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित गार्डन ग्रोव में एयरोस्पेस प्लांट के क्षतिग्रस्त रासायनिक टैंक में अब विस्फोट का खतरा काफी हद तक खत्म हो गया है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि टैंक में आई दरार से दबाव कम हुआ और तापमान घट गया। टैंक में मेथाइल मेथाक्रिलेट नामक खतरनाक रसायन भरा था, जिसके गर्म होने से विस्फोट की आशंका पैदा हो गई थी। एहतियात के तौर पर 50 हजार से अधिक लोगों को इलाके से निकाला गया था। हालांकि अब हालात नियंत्रण में बताए जा रहे हैं, लेकिन सुरक्षा कारणों से निकासी आदेश अभी भी जारी है।

अमेजन संरक्षण के लिए ब्राजील का बड़ा निवेश

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील सरकार ने अमेजन वर्षावन क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए 3.1 अरब रियाल यानी करीब 617.5 मिलियन डॉलर निवेश करने की घोषणा की है। यह राशि इको इन्वेस्ट कार्यक्रम के तहत दी जाएगी, जिसका उद्देश्य जैव अर्थव्यवस्था, सतत पर्यटन और बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है। सरकार के अनुसार निजी और विदेशी निवेशकों की मदद से परियोजनाओं को बढ़ावा मिलेगा। राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा की सरकार का कहना है कि यह पहल 2050 तक नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य हासिल करने और अमेजन में वनों की कटाई रोकने में मदद करेगी।

कैलिफोर्निया के रासायनिक टैंक में विस्फोट का खतरा टला

कैलिफोर्निया , एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित गार्डन ग्रोव में एयरोस्पेस प्लांट के क्षतिग्रस्त रासायनिक टैंक में अब विस्फोट का खतरा काफी हद तक खत्म हो गया है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि टैंक में आई दरार से दबाव कम हुआ और तापमान घट गया। टैंक में मेथाइल मेथाक्रिलेट नामक खतरनाक रसायन भरा था, जिसके गर्म होने से विस्फोट की आशंका पैदा हो गई थी। एहतियात के तौर पर 50 हजार से अधिक लोगों को इलाके से निकाला गया था। हालांकि अब हालात नियंत्रण में बताए जा रहे हैं, लेकिन सुरक्षा कारणों से निकासी आदेश अभी भी जारी है।

पाकिस्तान के आयोग ने बढ़ती असुरक्षा पर दी गंभीर चेतावनी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने बलूचिस्तान में लगातार हमलों, अपहरणों व हिंसक घटनाओं से बिगड़ती सुरक्षा स्थिति पर चिंता जताई। उसने सोमवार को गंभीर चेतावनी दी कि यदि देश में बढ़ रहे हमले शीघ्र नियंत्रित नहीं हुए तो पूरे देश में हालात बिगड़ेंगे। एचआरसीपी ने जोर देकर कहा कि संघर्ष के हालात में भी नागरिकों को कभी भी निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। उसने कहा, नागरिकों और गैर-लड़ाकों को सौदेबाजी के उपकरण के रूप में इस्तेमाल करना अस्वीकार्य है।

जापान में कॉनबिनी साम्राज्य के संस्थापक सुजुकी का निधन

टोक्यो, एजेंसी। सेवन-इलेवन सुविधा स्टोर श्रृंखला के वैश्विक खुदरा साम्राज्य की स्थापना का श्रेय पाने वाले जापानी व्यवसायी तोशिफुमी सुजुकी का 93 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। सुजुकी ने जापान में 7-इलेवन के उन सर्वव्यापी कॉनबिनी आउटलेट्स का संचालन करने वाली इकाई की स्थापना की, जहां व्यस्त लोग सैंडविच, राइस बॉल, पेय पदार्थ, चिप्स और अन्य भोजन खरीद सकते हैं, एटीएम का उपयोग कर सकते हैं और बिजली के बिलों का भुगतान कर सकते हैं।

अमेरिकी सेना का दक्षिणी ईरान पर बड़ा हमला, होर्मुज में माइंस बिछा रही नावों को किया तबाह

तेहरान, एजेंसी। खाड़ी क्षेत्र में मंगलवार तड़के एक बहुत बड़ा और खतरनाक सैन्य टकराव देखने को मिला है। अमेरिकी सेना ने दक्षिणी ईरान के कई अहम सैन्य ठिकानों पर अचानक बहुत भारी हवाई हमले किए हैं। इन बड़े हमलों से पूरे इलाके में एक बार फिर से भयंकर युद्ध भड़कने की गहरी आशंका पैदा हो गई है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने अपनी इस बहुत बड़ी और अहम सैन्य कार्रवाई की आधिकारिक पुष्टि कर दी है।

इस कड़ी कार्रवाई का मुख्य कारण होर्मुज स्ट्रेट में ईरानी सेना द्वारा पैदा किया जा रहा भारी खतरा था। अमेरिकी सैनिकों और वहां मौजूद युद्धपोतों की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह बहुत कड़ा कदम उठाया गया है। अमेरिका का साफ कहना है कि वह सीजफायर के बीच संयम बरत रहा है लेकिन आत्मरक्षा सर्वोपरि है। इस अचानक हुए बड़े हमले ने पूरी दुनिया को एक बहुत बड़े संकट और गहरी चिंता में डाल दिया है।

माइंस बिछा रही नावें तबाह : अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार होर्मुज में दो ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की नावों को माइंस बिछाते देखा गया था। इस भारी खतरे को देखते हुए अमेरिकी नौसेना और वायुसेना ने तुरंत एक संयुक्त और कड़ा जवाबी हमला किया। इस अचूक और तेज कार्रवाई में दोनों ईरानी नावों को मौके पर ही पूरी तरह तबाह कर दिया गया। अमेरिकी सेना का यह खतरनाक हमला केवल होर्मुज जलडमरूमध्य तक ही बिल्कुल सीमित नहीं रहा। सेना ने बंदर अब्बास क्षेत्र में मौजूद एक सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल साइट को भी निशाना बनाया। इस ईरानी मिसाइल साइट ने अमेरिकी लड़ाकू विमानों को अपना निशाना बनाने की नाकाम कोशिश की थी।

मिसाइल लॉन्चर को किया तबाह : अमेरिकी सेना ने मिसाइल लॉन्चर और वहां मौजूद सभी संबंधित सैन्य ढांचे को पूरी तरह नष्ट कर दिया। ईरानी मीडिया ने भी बंदर अब्बास, सीरिक और जास्क के पास भारी धमाकों की स्पष्ट पुष्टि की है। यह सभी इलाके रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज स्ट्रेट के बहुत ही ज्यादा करीब मौजूद हैं। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका ने अपने इस घातक हमले को बहुत ही सीमित दायरे में रखा है। इसका मुख्य उद्देश्य ईरान के साथ जारी इस बड़े संघर्ष को और ज्यादा बिल्कुल नहीं बढ़ाना था। अधिकारियों ने साफ कहा है कि इस कार्रवाई का मतलब यह नहीं है कि मौजूदा युद्धविराम पूरी तरह खत्म हो गया है।

तेल निर्यात पर बड़ा खतरा : स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यात मार्गों में से एक बहुत ही अहम और खास समुद्री रास्ता है। इस संवेदनशील इलाके में तनाव बढ़ने से वैश्विक तेल सप्लाई चेन पर बहुत बड़ा और गंभीर असर पड़ सकता है। फिलहाल यह सैन्य कार्रवाई समाप्त हो चुकी है लेकिन अमेरिकी बल वहां अपनी पूरी सतर्कता बनाए हुए हैं।

अब्राहम अकॉर्ड पर टिके ट्रंप : बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को अपने ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा था कि युद्ध समाप्त करने के लिए ईरान के साथ शांति वार्ता अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि ईरान अपने सर्वोच्च नेता से परामर्श के लिए जिस जटिल संचार नेटवर्क का इस्तेमाल कर रहा है, उसके चलते अंतिम फैसले में कुछ समय लग सकता है। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा कि ईरान के साथ शांति वार्ता में मध्यस्थता कर रहे देशों को अब्राहम समझौते पर हस्ताक्षर करने चाहिए, जो इजरायल और अरब देशों के बीच राजनयिक, आर्थिक एवं सुरक्षा संबंध स्थापित करने से संबंधित है। उन्होंने कहा कि ईरान का इस समझौते पर हस्ताक्षर करना सम्मान की बात होगी।

पांच मुस्लिम देशों पर ट्रंप का दबाव : ट्रंप ने कहा, 'अमेरिका की ओर से इस बेहद जटिल पहेली को सुलझाने के लिए किए गए सभी प्रयासों के बाद, इन सभी देशों के लिए यह अनिवार्य होना चाहिए कि वे कम से कम अब्राहम समझौते पर हस्ताक्षर करें।' हालांकि, उन्होंने कहा कि अगर एक-दो देश के पास ऐसा न करने का कोई कारण हो तो इसे स्वीकार किया जा सकता है। अमेरिका-ईरान शांति वार्ता के मध्यस्थों में से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और बहरीन पहले ही अब्राहम समझौते पर दस्तखत कर चुके हैं। ट्रंप चाहते हैं कि सऊदी अरब, कतर, पाकिस्तान, तुर्किये, मिस्र और जॉर्डन भी इस समझौते पर हस्ताक्षर करें। इस बीच, अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई एक अज्ञात स्थान से काम कर रहे हैं।

लेबनान पर इस्राइल का हमलाः हिजबुल्ला के 70 ठिकानों पर बमबारी, सीमाई इलाकों में स्कूल बंद, सात लोगों की मौत

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल और लेबनान की सीमा पर चल रही लड़ाई अब बहुत खतरनाक हो गई है। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के आदेश के बाद इस्राइली सेना ने लेबनान में हिजबुल्ला के खिलाफ हमले बहुत तेज कर दिए हैं। इस्राइल की वायुसेना ने ताबड़तोड़ हमले करके हिजबुल्ला के 70 से ज्यादा ठिकानों को तबाह कर दिया है। इन हमलों में करीब 85 बमों और मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया है। दूसरी तरफ, लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी एएनए के मुताबिक, इस्राइल के इन हमलों में सात लोगों की मौत हो गई है।

टायर और बेका घाटी में भारी बमबारी : इस्राइली सेना ने सोशल मीडिया पर बताया कि उन्होंने लेबनान के टायर इलाके में हिजबुल्ला के 10 कमांड सेंटर, हथियारों के गोदाम और दूसरे ठिकानों को निशाना बनाया है। सेना ने यह भी दावा किया कि मोटरसाइकिल पर जा रहे हिजबुल्ला के लड़ाकों को भी मार गिराया गया है। इसके अलावा, इस्राइली लड़ाकू विमानों ने लेबनान की बेका घाटी और कई दूसरे इलाकों में बने हिजबुल्ला के ठिकानों पर भी भारी बम बरसाए हैं।

मश्घरा और कौथारियत में मलबे से निकले शव : लेबनान से आ रही खबरों के मुताबिक, इस्राइल के इन हवाई हमलों से वहां भारी नुकसान हुआ है। मश्घरा नाम के इलाके में हुए हमले में पांच लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। यहां बमबारी से घर टूट गए, जिसके बाद बचाव दल के लोगों ने मलबे के नीचे से शवों और घायलों को बाहर निकाला। इसी तरह कौथारियत अल-सियाद में हुए एक और हमले में दो लोगों की जान चली गई और दो लोग घायल हो गए। हिजबुल्ला की तरफ से होने वाले पलटवार और ड्रोन हमलों को देखते हुए इस्राइल ने अपने उत्तरी बॉर्डर वाले इलाकों में हाई अलर्ट जारी कर दिया है। इस्राइल के होम फ्रंट कमांड ने मंगलवार से नई पाबंदियां लगा दी हैं।

लाओस की गुफा में फंसे सात लोगों को बचाने के लिए अभियान जारी

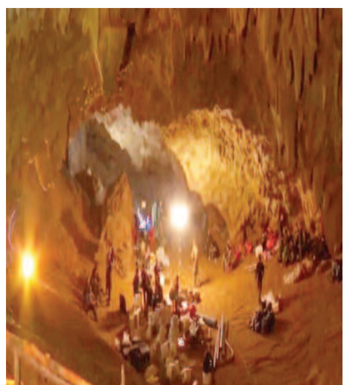

वियनतियाने , एजेंसी। लाओस के शाइसोंबून प्रांत में पिछले सप्ताह से गुफा में फंसे सात लोगों को बचाने के लिए रेस्क्यू अभियान तेज कर दिया गया है। ये ग्रामीण 19 मई को सोने की तलाश में गुफा में गए थे, तभी भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ से बाहर निकलने का रास्ता बंद हो गया। एक व्यक्ति समय रहते बाहर निकल आया और उसने अधिकारियों को सूचना दी। लाओस और थाईलैंड की संयुक्त रेस्क्यू टीमें लगातार अभियान चला रही हैं। गोताखोर पानी से भरे संकरे रास्तों से होकर अंदर पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। फिलहाल गुफा में फंसे लोगों की स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है।

पाकिस्तानः दो बसें आपस में टकराईं, 17 लोगों की मौत : मर्दान , एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी मर्दान जिले में स्वात एक्सप्रेस-वे पर सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 17 लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, एक तेज रफ्तार बस ने सड़क किनारे खड़ी दूसरी बस को पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में पांच लोग घायल भी हुए हैं, जिनका उपचार जारी है। मृतक मुख्य रूप से अपर दीर और बाजौर जिलों के रहने वाले थे और स्वात घाटी जा रहे थे। बचाव दल मौके पर राहत कार्यों में जुटा है और मृतकों की पहचान की जा रही है।

रूस ने यूक्रेन को दी बड़े हमले की चेतावनी, कीव पर हमले का खतरा, नागरिकों से शहर छोड़ने की अपील

मास्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच चार साल से जारी युद्ध अब एक और भी ज्यादा भयंकर मोड़ पर पहुंच गया है। स्टारोबिस्क में हुए घातक ड्रोन हमले के बाद रूस बुरी तरह से भड़क गया है। इस खतरनाक हमले में 18 लोगों की जान जाने और 42 अन्य के घायल होने के बाद रूस ने कीव पर बड़े हमले की धमकी दी है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने यूक्रेन की राजधानी कीव में रक्षा ढांचे पर लगातार और बहुत ही व्यवस्थित हमले करने की खुली चेतावनी दी है। इस बड़ी सैन्य धमकी के साथ ही मॉस्को ने विदेशी और स्थानीय नागरिकों के लिए एक बहुत सख्त सलाह भी जारी की है। रूस ने सभी राजनयिकों, विदेशी नागरिकों और आम लोगों को जल्द से जल्द कीव शहर खाली करने का सीधा आदेश दिया है। इसके साथ ही लोगों को जेलेंस्की शासन के सभी सैन्य और प्रशासनिक ढांचे की सुविधाओं से बहुत दूर रहने की स्पष्ट चेतावनी दी गई है। यह अहम कदम भारी तबाही से लोगों की कीमती जान बचाने के लिए उठाया गया है।

ड्रोन निर्माण केंद्रों पर निशाना : रूसी सशस्त्र बल अब कीव में मौजूद उन सभी यूक्रेनी रक्षा उद्यमों पर अपना सीधा निशाना साधने की पूरी तैयारी कर रहे हैं। इनमें विशेष रूप से वे महत्वपूर्ण सुविधाएं शामिल हैं जहां घातक ड्रोन डिजाइन और तेजी से प्रोग्राम किए जाते हैं। नाटो विशेषज्ञों की सीधी मदद से संचालित होने वाले इन सभी केंद्रों और ठिकानों को पूरी तरह से तबाह करने की सख्त योजना है।

रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने इस बड़े और भयंकर हमले से पहले अमेरिकी विदेश सचिव को इसकी पूरी आधिकारिक जानकारी दे दी है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि रूसी क्षेत्र पर नागरिकों और बुनियादी ढांचे के खिलाफ कीव के हमलों का यह एक कड़ा जवाब है। यूक्रेनी सेना की सभी बड़ी जरूरतों को पूरा करने वाले केंद्रों और फैसला लेने वाले संस्थानों पर अब लगातार भारी बमबारी की जाएगी।

यूक्रेन की वायु रक्षा में भारी कमी : यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने हमले के इस बड़े खतरे के बीच अपनी वायु रक्षा प्रणाली की भारी कमी का स्पष्ट रूप से जिक्र किया है। उन्होंने माना कि ईरान युद्ध के कारण पूरी दुनिया में एंटी-बैलिस्टिक क्षमताओं की भारी और लगातार कमी बनी हुई है। यूक्रेन अब इस बड़ी कमी को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए अपने सभी यूरोपीय और अमेरिकी सहयोगियों के साथ बहुत तेजी से काम कर रहा है। बीते कुछ महीनों में कीव ने अपनी ड्रोन युद्ध क्षमता को बहुत ज्यादा बढ़ाकर रूसी ठिकानों को भारी और अभूतपूर्व नुकसान पहुंचाया है। यूक्रेन ने रूस के अहम ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर कई बहुत सफल और बड़े हमले लगातार किए हैं जिससे वहां काफी ज्यादा तबाही मची है। रूस ने यूक्रेन के इन सभी घातक हमलों को सीधा आतंकवाद करार दिया है और अब कीव पर बड़े पैमाने पर मिसाइल हमलों से अपना कड़ा जवाब दे रहा है।

सेनेगल को मिला नया प्रधानमंत्री

डकार , एजेंसी। सेनेगल के राष्ट्रपति बासिरू दियोमाये फाये ने अहमादू अल अमीनू लो को देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री उस्मान सोनको को हटाए जाने के बाद यह फैसला लिया। सोनको और राष्ट्रपति फाये के बीच पिछले कई महीनों से नीतिगत मतभेद बढ़ रहे थे, खासकर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से कर्ज वार्ता को लेकर। लो इससे पहले पश्चिम अफ्रीकी केंद्रीय बैंक में वरिष्ठ पद पर कार्य कर चुके हैं। नई सरकार ऐसे समय में बन रही है जब सेनेगल आर्थिक संकट और सत्तारूढ़ पार्टी के अंदरूनी विवादों से जूझ रहा है।

अपनी नियुक्ति के बाद राजकीय टेलीविजन पर बोलते हुए, नए प्रधानमंत्री अहमदौ लो ने कहा कि सेनेगल की वित्तीय कठिनाइयों के बीच वह घरेलू व्यवसायों और विदेशी निवेशकों के विश्वास को मजबूत करना चाहते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश वर्तमान में एक कठिन दौर से गुजर रहा है, खासकर सार्वजनिक वित्त की स्थिति का अर्थव्यवस्था पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ रहा है। सेनेगल के नेता ने इस बात पर जोर दिया कि देश अंतरराष्ट्रीय समुदाय और विदेशी निवेशकों की नजर में एक स्थिर, सुरक्षित और प्रतिष्ठित गंतव्य के रूप में अपनी छवि की रक्षा और उसे बेहतर बनाने का प्रयास जारी रखेगा। इससे पहले, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने सेनेगल के लिए 1.8 अरब डॉलर के ऋण कार्यक्रम को निलंबित कर दिया था, क्योंकि यह पता चला था कि देश ने अपने सार्वजनिक ऋण की गलत जानकारी दी थी। संशोधित आंकड़ों के अनुसार, 2024 के अंत तक सेनेगल का सार्वजनिक ऋण सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 132% तक पहुंच गया था। सेनेगल के पूर्व प्रधानमंत्री सोनको ने अनुमानित 13 अरब डॉलर के सार्वजनिक ऋण के पुनर्गठन की सेनेगल की योजना का विरोध किया है, उनका दावा है कि आईएमएफ इस पर दबाव डाल रहा है। वहीं, राष्ट्रपति बस्सिरू डियोमाये फे ने इस मामले पर बहुत कम बयान दिए हैं। राष्ट्रपति फेय ने 23 मई को सोनको को बर्खास्त कर दिया, यह कदम दोनों नेताओं के बीच महीनों से चल रहे तनाव का परिणाम माना जाता है, जो कभी करीबी राजनीतिक सहयोगी थे। मार्च में, सोनको ने चेतावनी दी थी कि यदि राष्ट्रपति फेय पार्टी की दिशा से विचलित होती हैं, तो वे संसद में बहुमत रखने वाली सत्तारूढ़ पेस्टेफ पार्टी को विपक्ष में ले जा सकते हैं। इससे आईएमएफ समर्थन बहाल करने के लिए आवश्यक सुधारों को लागू करने की सरकार की क्षमता पर चिंताएं बढ़ गईं। अपनी नई भूमिका में अपने पहले बयान में, प्रधान मंत्री लो ने इस बात की पुष्टि की कि उनकी नियुक्ति राष्ट्रपति फेय के नेतृत्व में सेनेगल की सुधार के प्रति प्रतिबद्धता में बदलाव का संकेत नहीं देती है, बल्कि एक नए दृष्टिकोण को दर्शाती है जो नेता के दृष्टिकोण के साथ अधिक मेल खाता है।

श्री लो ने अपने पूर्ववर्ती उस्मान सोनको की भी प्रशंसा की और पिछली सरकार की उपलब्धियों को स्वीकार किया। उन्होंने विशेष रूप से पिछले वर्ष घोषित आर्थिक सुधार योजना का उल्लेख किया, जो विकास को गति देने के लिए घरेलू संसाधनों का लाभ उठाने और उन्हें जुटाने पर केंद्रित है।

एशिया से यूरोप तक गर्मी की मारः ब्रिटेन, फ्रांस और स्पेन जैसे देशों में लू का कहर; किस देश में कितना तापमान?

लंदन, एजेंसी। दुनिया इस समय भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान की चुनौती का सामना कर रही है। भारत में जहां कई राज्यों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच रहा है, वहीं यूरोप, एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के कई देशों में भी रिकॉर्डतोड़ गर्मी ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। वैज्ञानिकों और मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अल नीनो और जलवायु परिवर्तन के कारण हीटवेव अब पहले से ज्यादा खतरनाक, लंबी और जल्दी आने लगी हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, जो गर्मी पहले जून-जुलाई में देखने को मिलती थी, अब वह मई महीने में ही रिकॉर्ड तोड़ रही है। कई देशों में स्कूलों, खेल आयोजनों और सार्वजनिक गतिविधियों पर असर पड़ा है। कुछ जगहों पर मौतों और स्वास्थ्य संकट की घटनाएं भी सामने आई हैं।

ब्रिटेन में गर्मी ने तोड़े पुराने रिकॉर्ड : ब्रिटेन में मई महीने का अब तक का सबसे गर्म दिन रिकॉर्ड किया गया। देश के मौसम विभाग के अनुसार लंदन के क्यू गार्डन्स में तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिसने 1922 और 1944 के पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया। विशेषज्ञों का कहना है कि इतनी गर्मी आमतौर पर जुलाई या अगस्त में देखने को मिलती है, लेकिन इस बार मई में ही लोगों को झुलसा देने वाली गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी से बचने के लिए लोग पार्कों, फव्वारों और स्विमिंग पूल का सहारा लेते नजर आए। फ्रांस में भी स्थिति बेहद गंभीर बनी हुई है। देश के 350 से ज्यादा शहरों में मई महीने के तापमान के रिकॉर्ड टूट गए हैं।

कई इलाकों में तापमान 37 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। सरकार ने कई क्षेत्रों में हाई टेम्परेचर अलर्ट जारी किया है और लोगों को दोपहर के समय घरों में रहने की सलाह दी गई है। पेरिस में एक रनिंग इवेंट के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। अधिकारियों का मानना है कि तेज गर्मी इसका एक बड़ा कारण हो सकती है। स्पेन भी इस समय भीषण हीटवेव का सामना कर रहा है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में कई हिस्सों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। हालात ऐसे हैं कि रात में भी तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं जा रहा।

स्टारबक्स कोरिया के खिलाफ क्यों भड़का गुस्सा?, तीन बार सिर झुकाकर मांगी माफी; मालिक ने दी सफाई

सियोल , एजेंसी। दक्षिण कोरिया के दिग्गज व्यापारी चुंग योंग-जिन ने मंगलवार को दो सप्ताह के भीतर अपना दूसरा माफीनामा जारी किया है। स्टारबक्स के स्थानीय संचालन को 1980 के दशक में लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारियों पर हुए हिंसक सैन्य दमन के पीड़ितों का मजाक उड़ाने वाले एक हालिया मार्केटिंग अभियान के चलते भारी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। स्टारबक्स कोरिया में 67.5 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले शिनसेग ग्रुप के अध्यक्ष ने एक वीडियो वाले बयान के दौरान तीन बार सिर झुकाकर माफी मांगी। उन्होंने देश की पूर्व सैन्य तानाशाही द्वारा मारे गए लोकतंत्र कार्यकर्ताओं के परिवारों और आम जनता से क्षमा की याचना की।

18 मई के विद्रोह के अपमान का लगा आरोप : कॉफी चेन ने तब सार्वजनिक आक्रोश को भड़काया, जब उसने टैंक नामक एक बड़े आकार के टंबलर को बढ़ावा देने की कोशिश की। इसके साथ 18 मई को टैंक डे घोषित कर दिया। यह 18 मई को ग्वांगजू शहर में हुए एक लोकतांत्रिक विद्रोह की वर्षगांठ थी, जिसे सैनिकों, टैंकों और हेलीकॉप्टरों द्वारा क्रूरतापूर्वक दबा दिया गया था, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए या घायल हुए थे।

इस मार्केटिंग अभियान ने 'इसे मेज पर पटक दो!' नारे का इस्तेमाल करके आक्रोश को और बढ़ा दिया, जिसे कई लोगों ने 1987 के एक कुख्यात पुलिस बयान के संदर्भ के रूप में पढ़ा। पुलिस ने छात्र कार्यकर्ता पार्क जोंग-चोल की यातना से हुई मौत को छिपाने का प्रयास किया था। पुलिस का दावा था कि जांचकर्ताओं ने उन्हें 'मेज पर पटक कर मारा' था, जिसके बाद पार्क की अचानक मृत्यु हो गई।

स्टारबक्स कोरिया ने सीईओ को किया बर्खास्त : यह मार्केटिंग प्रचार तुरंत ही गुस्से का वजह बन गया और कुछ ही घंटों में शिनसेग ग्रुप ने इसे रद्द कर दिया। इसके साथ ही स्टारबक्स कोरिया के मुख्य

कार्यकारी अधिकारी को बर्खास्त कर दिया गया। ग्वांगजू में मारे गए लोगों के परिवारों द्वारा की गई शिकायतों के आधार पर पुलिस ने भी जांच शुरू कर दी है।

चुन ने मंगलवार को कहा, 'मैं इस तथ्य को बहुत गंभीरता से लेता हूं कि स्टारबक्स कोरिया के अनुपयुक्त मार्केटिंग अभियान के कारण कई लोगों ने गहरा दर्द और गुस्सा महसूस किया।' उन्होंने स्टारबक्स की दुकानों के कर्मचारियों पर अपना गुस्सा न निकालने का भी आग्रह किया, यह कहते हुए कि जिम्मेदारी प्रबंधन की है। दुकानों पर किसी बड़ी घटना की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं थी।

कंपनी ने जारी किया बयान : शिनसेग ग्रुप के एक वरिष्ठ कार्यकारी, जियोंग संग-जिन ने कहा कि कंपनी को अभी तक कोई निर्णायक सबूत नहीं मिला है कि स्टारबक्स कोरिया के मार्केटिंग कर्मचारियों का इरादा लोकतंत्र समर्थक आंदोलन का मजाक उड़ाना था। हालांकि कर्मचारियों ने इस आरोप से इनकार किया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि कुछ कर्मचारियों ने एक सप्ताह की आंतरिक समीक्षा के दौरान प्रबंधन के स्मार्टफोन सौंपने के अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया था। जियोंग ने कहा कि कंपनी पुलिस जांच के नतीजों को देखेगी और किसी भी कर्मचारी को, जिसका इरादा प्रदर्शनकारियों का उपहास करना पाया गया, उसे बर्खास्त कर दिया जाएगा। मार्केटिंग अभियान से उपजे गुस्से ने बहिष्कार के लिए सार्वजनिक आह्वान को जन्म दिया है, जिसे सरकारी अधिकारियों ने भी बढ़ावा दिया। इनमें गृह और सुरक्षा मंत्री यूं हो-जंग भी शामिल हैं, जिन्होंने कहा कि स्टारबक्स उत्पादों का सरकारी कार्यक्रमों में उपयोग नहीं किया जाएगा और श्रृंखला के इतिहास विरोधी व्यवहार पर खेद जताया।

आते हैं। ऐसे में अगर आप इन फेमस जगहों पर घूमने नहीं जाते हैं, तो आपको यकीनन अफसोस होगा। ऐसे में आज हम आपको गुजरात की कुछ फेमस जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

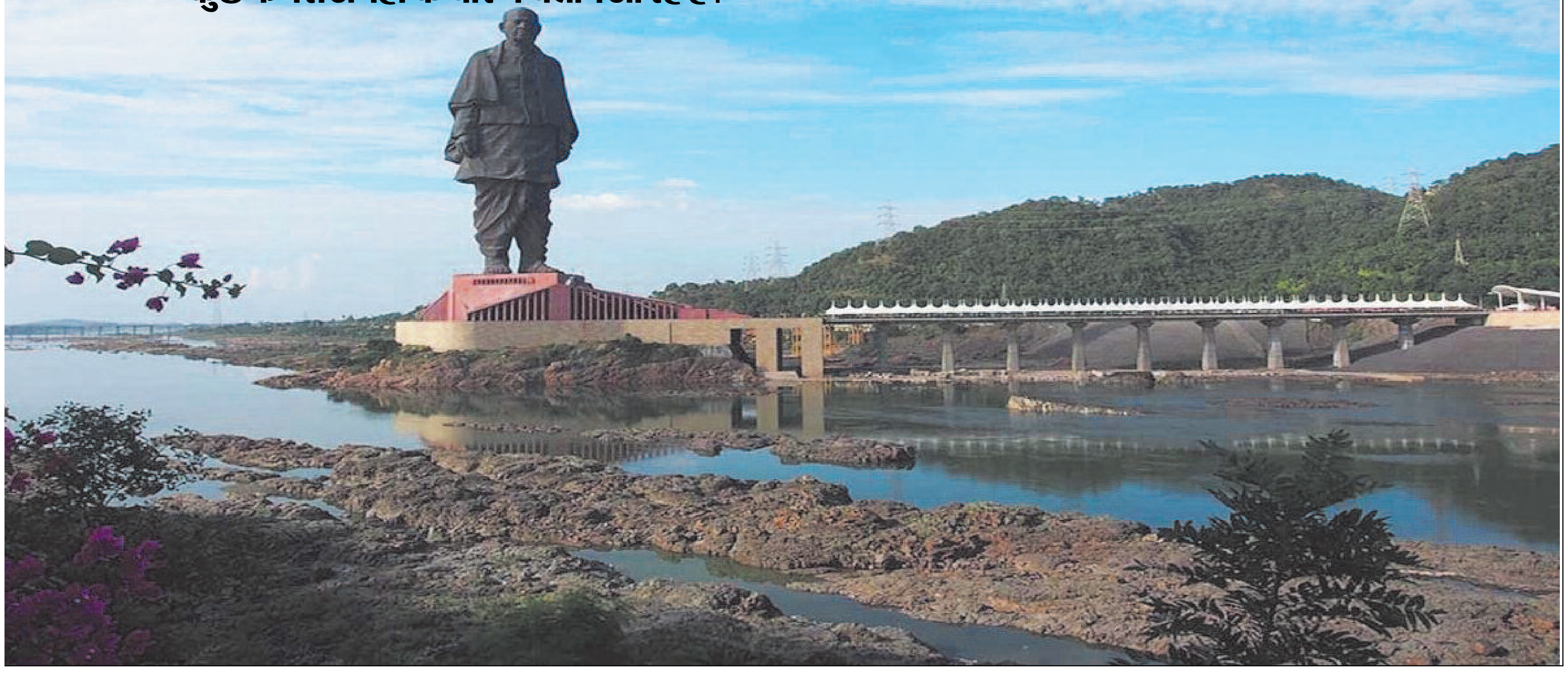

गुजरात घूमने का बना रहे प्लान तो इन जगहों को करें एक्सप्लोर, ट्रिप होगी यादगार

गुजरात घूमने जा रहे लोगों के लिए जरूरी है कि वह वहां के फेमस टूरिस्ट स्पॉट घूमने जरूर जाएं। क्योंकि जब भी आप किसी जगह पर घूमने के लिए जाते हैं। तो सबसे पहले आपके दिमाग में वही लोकेशन आती हैं। जिनके बारे में वह शहर जाना जाता है। गुजरात में कई ऐसी जगहें हैं, जिसको देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। ऐसे में अगर आप इन फेमस जगहों पर घूमने नहीं जाते हैं, तो आपको यकीनन अफसोस होगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गुजरात की कुछ फेमस जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आपको गुजरात की इन फेमस जगहों पर घूमने जरूर जाना चाहिए।

गिर राष्ट्रीय उद्यान

गिर राष्ट्रीय उद्यान भारत के फेमस उद्यानों में से एक है। इसको देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। गिर राष्ट्रीय उद्यान एशिया में सिंहों का एकमात्र निवास स्थान माना जाता है। यहां पर आप सफारी का भी आनंद ले सकते हैं। वहीं इस उद्यान में आपको कई तरह के प्रजातियों वाले जीव देखने को मिलेंगे। ऐसे में गुजरात आने के बाद आपको यहां जरूर आना चाहिए।

सोमनाथ मंदिर

आपको सोमनाथ मंदिर के भी दर्शन के लिए जाना चाहिए। यह भारत के प्राचीन और ऐतिहासिक शिव मंदिरों में से एक है। भगवान शिव के भक्त दूर-दूर से इस मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं। यह मंदिर शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। अरब सागर के तट पर स्थिति यह मंदिर खूबसूरत होने के साथ चमत्कारी भी माना जाता है। बताया जाता है कि सोमनाथ मंदिर में सच्चे मन से दर्शन करने वाले लोगों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। यह परिवार के साथ घूमने के लिए अच्छी जगहों में से एक है।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी

बता दें कि सरदार वल्लभ भाई पटेल की 182 मीटर ऊंची भव्य प्रतिमा देश की सबसे बड़ी प्रतिमाओं में से एक है। साल 2018 में पीएम मोदी ने इसका उद्घाटन किया था। यह गुजरात का फेमस टूरिस्ट स्पॉट है। यहां का सुंदर नजारा काफी आकर्षित करता है। ऐसे में आप यदि गुजरात आ रहे हैं, तो आपको यहां आना अच्छा लगेगा।

आध्यात्म की तलाश में जा रहे ऋषिकेश तो इन जगहों पर जरूर जाएं, वरना अधूरी रह जाएगी यात्रा

आप इस वीकेंड ऋषिकेश को एक्सप्लोर कर सकते हैं और इस दौरान आपको ज्यादा खर्च भी नहीं करना पड़ेगा। वहीं अगर आप ऋषिकेश घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको यहां की पांच खास जगहों को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

अगर आप भी दिल्ली में रहते हैं और कही धार्मिक और आध्यात्मिक जगह पर घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको ऋषिकेश जाना चाहिए। यह दिल्ली के करीबी पर्यटन स्थलों में से एक है। ऋषिकेश योग और आध्यात्म की नगरी है और यहां का एडवेंचर भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। खास बात यह है कि आप यहां पर किसी भी समय घूमने के लिए जा सकते हैं। ऐसे में आप इस वीकेंड ऋषिकेश को एक्सप्लोर कर सकते हैं और इस दौरान आपको ज्यादा खर्च भी नहीं करना पड़ेगा। वहीं अगर आप ऋषिकेश घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको यहां की पांच खास जगहों को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

त्रिवेणी घाट

ऋषिकेश जाने के दौरान कुछ समय त्रिवेणी घाट पर जरूर बिताना चाहिए। यहां पर तीन नदियों का संगम होता है।

धार्मिक मान्यता है कि गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम है। हिंदू पौराणिक कथाओं में यह स्थान सबसे पवित्र माना जाता है। इस घाट पर सुबह, दोपहर और शाम के समय तीन बार गंगा आरती होती है। ऐसे में आपको शाम की गंगा आरती में जरूर शामिल होना चाहिए।

बकेश्वर मंदिर

ऋषिकेश का त्र्यंबकेश्वर मंदिर फेमस लक्ष्मण झूला के पार स्थित है। त्र्यंबकेश्वर मंदिर की स्थापना श्री श्री 108 भ्रमभीम स्वामी कैलाशानंद ने की थी। यह मंदिर 13 मंजिला और यह भगवान शिव को समर्पित है। यह मंदिर 13 मंजिल मंदिर के नाम से जाना जाता है।

वशिष्ठ गुफा आश्रम

ऋषिकेश से करीब 25 किमी दूर प्राचीन आश्रम वशिष्ठ गुफा है। वशिष्ठ गुफा शांति और ध्यान के लिए अच्छा स्थान है। बताया जाता है कि इस गुफा में स्वामी पुरुषोत्तमानंद ने तप किया था। यहां पर आने वाले पर्यटकों को इस गुफा को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

जानकी सेतु

आध्यात्मिक शहर ऋषिकेश में मौजूद जानकी सेतु की खूबसूरती पर्यटकों का मन मोह सकती है। दरअसल, जी 20 बैठक के दौरान इस स्थान को बहुत सुंदर तरीके से सजाया गया था। सेतु और आसपास की दीवारों पर रंग-बिरंगी तस्वीरें जानकी सेतु पुल की सुंदरता में चार चांद लगाती है। वहीं यह फोटोशूट के लिए भी बेहतरीन जगह है। ऋषिकेश में योग पार्क और प्रियदर्शनी पार्क भी बना हुआ है।

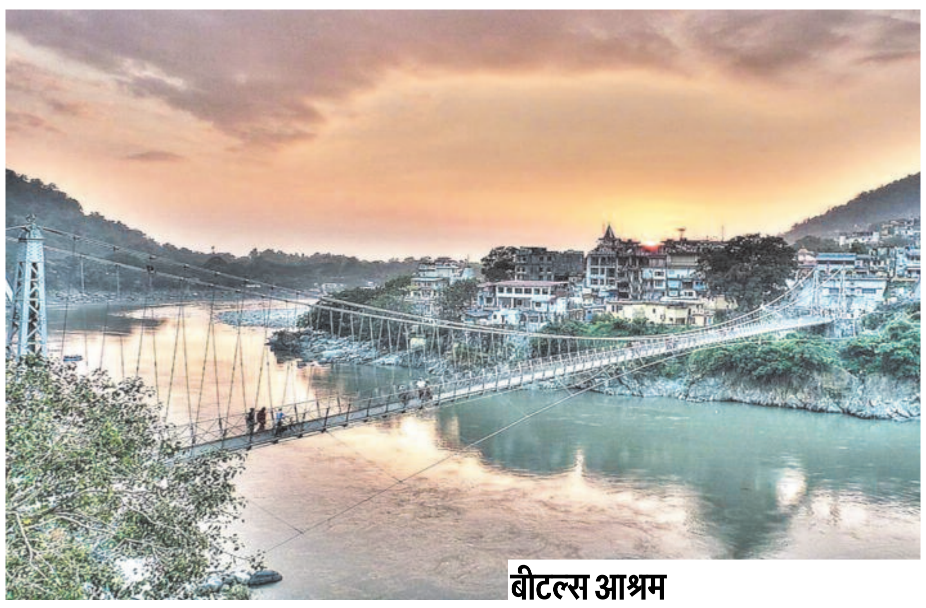

बीटल्स आश्रम

बता दें कि साल 1961 में महर्षि महेश योगी द्वारा ऋषिकेश में योग और ध्यान की शिक्षा के लिए एक आश्रम का निर्माण कराया गया था। वहीं 60 के दशक में फेमस बीटल्स बैंड ध्यान की खोज में इस आश्रम पहुंचे थे। तब से यह आश्रम बीटल्स आश्रम के नाम से जाना जाने लगा। इस आश्रम में बीटल्स बैंड के सदस्य आकर रुके थे।

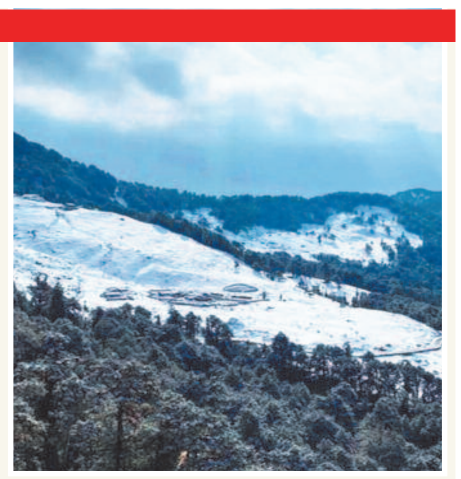

मनाली घूमने का बना रहे प्लान तो इन बातों का रखें ध्यान, ट्रिप में नहीं होगी कोई परेशानी

मई-जून के महीने में अक्सर लोग पूरे परिवार के साथ मनाली ट्रिप का प्लान कर रहे हैं, क्योंकि गर्मियों में बच्चों की छुट्टियां पड़ती हैं। ऐसे में अगर आप इस महीने मनाली घूमने जाने का प्लान कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है।

गर्मियों का मौसम हो या फिर सर्दियों का, मनाली में हर सीजन में पर्यटकों की भीड़ देखने को मिलती है। गर्मी में ठंडक के एहसास के लिए लोग मनाली जाते हैं। वहीं सर्दियों में स्नो का नजारा देखने के लिए मनाली जाते हैं। यही वजह है कि यहां पर किसी भी मौसम में पर्यटकों की भीड़ कम नहीं होता है। मई-जून के महीने में अक्सर लोग पूरे परिवार के साथ मनाली ट्रिप का प्लान कर रहे हैं, क्योंकि गर्मियों में बच्चों की छुट्टियां पड़ती हैं। ऐसे में अगर आप इस महीने मनाली घूमने जाने का प्लान कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि मनाली घूमने जाने के दौरान किन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

गर्मियों के मौसम में जा रहे हैं, यह सोचकर ट्रिप देर से न करें। प्रयास करें कि आस यात्रा की शुरूआत सुबह जल्दी करें। इससे आप आधा रास्ता जल्दी और सुकून से कवर कर लेंगे। वरना आप दिन में मनाली की सड़कों पर लगे जाम में घंटों तक फंसे रह सकते हैं।

यदि आप सोच रहे हैं कि गर्मियों में आपको मनाली में होटल सस्ते मिल जाएंगे, तो ऐसा नहीं है। क्योंकि इस दौरान पर्यटकों की भीड़ ज्यादा बढ़ जाती है, इसलिए आप भी पहले से होटल आदि बुक कर लें। वहीं आप मनाली घूमने के लिए ट्रैवल एजेंट या फिर ऑनलाइन बुकिंग भी कर सकते हैं।

बता दें कि शहर में आपको पर्यटन स्थलों पर जाने के लिए घंटों ट्रैफिक में फंसे रहना पड़ सकता है। इसलिए प्रयास करें कि आप ट्रैफिक से बचने के लिए सुबह जल्दी होटल से निकल जाएं। वहीं अगर आप अटल टनल, सोलांग वैली या रोहतांग के आसपास की जगहों को एक्सप्लोर करने का प्लान बना रहे हैं, तो सुबह जल्दी होटल से निकल जाएं। ये जगहें सनसेट व्यू प्वॉइंट के लिए जाने जाते हैं।

वहीं मनाली में आप दिन में सर्दी लगने के कारण वहीं बल्कि तेज धूप की वजह से परेशान हो सकते हैं। इसलिए छाता और टोपी साथ लेकर चलें। वहीं गर्मी और सर्दी वाले कपड़े भी लेकर जाएं। क्योंकि रात के समय तापमान यहां पर कम हो जाता है। अगर आपको ऑनलाइन पेमेंट करने में समस्या हो सकती है, इसलिए कैश साथ लेकर चलें।

शांति, प्राकृतिक सौंदर्य और औपनिवेशिक विरासत का अद्भुत संगम है डलहौज़ी

डलहौज़ी एक ऐसा स्थल है जहाँ प्राकृतिक सुंदरता, इतिहास और शांति का अनोखा मिश्रण देखने को मिलता है। यहाँ की वादियाँ, झीलें, जलप्रपात और दूर-दूर तक फैले पहाड़, किसी चित्रकार की कल्पना जैसे प्रतीत होते हैं।

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में स्थित डलहौज़ी एक सुंदर और शांत पहाड़ी स्थल है, जो अपनी ठंडी जलवायु, हरे-भरे देवदार के जंगलों, और औपनिवेशिक वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। समुद्र तल से लगभग 1,970 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह शहर 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश गवर्नर जनरल लॉर्ड डलहौज़ी द्वारा स्थापित किया गया था और आज भी अपने ब्रिटिश युग की विरासत को सहेजे हुए है।

डलहौज़ी की विशेषताएँ

डलहौज़ी एक ऐसा स्थल है जहाँ प्राकृतिक सुंदरता, इतिहास और शांति का अनोखा मिश्रण देखने को मिलता है। यहाँ की वादियाँ, झीलें, जलप्रपात और दूर-दूर तक फैले पहाड़, किसी चित्रकार की कल्पना जैसे प्रतीत होते हैं। यह स्थल उन यात्रियों के लिए आदर्श है जो भीड़-भाड़ से दूर, सुकून के पल बिताना चाहते हैं।

प्रमुख दर्शनीय स्थल

1. खजियार - भारत का 'मिनी स्विट्ज़रलैंड'

डलहौज़ी से लगभग 22 किमी दूर स्थित खजियार एक छोटा सा पठार है, जिसे घास के मैदान, झील और देवदार के पेड़ों से घिरा हुआ माना जाता है। यहाँ की खूबसूरती और खुला मैदान बच्चों और फोटोग्राफरों को बेहद पसंद आता है।

2. कालाटोप वाइल्डलाइफ सैंक्चुरी

यह जंगल क्षेत्र वन्य जीव प्रेमियों और ट्रेकिंग करने वालों के लिए आदर्श स्थान है। यहाँ से धौलाधार पर्वतमाला के अद्भुत दृश्य दिखाई देते हैं।

3. पंचपुला

डलहौज़ी के पास स्थित यह जलप्रपात गर्मियों में बेहद लोकप्रिय होता है। यहाँ की ताजगीभरी हवा और पानी की कलकल ध्वनि मन को शांति देती है।

4. सुभाष बाओली

यह एक शांत जगह है जहाँ नेताजी सुभाष चंद्र बोस कुछ समय के लिए ठहरे थे। यह स्थान घने पेड़ों और पानी के झरनों से घिरा है।

5. **सेंट जॉन और सेंट फ्रांसिस चर्च**

ब्रिटिश काल में बनी ये चर्चें औपनिवेशिक वास्तुकला की सुंदर मिसाल हैं और पर्यटकों को अतीत से जुड़ने का अवसर देती हैं।

डलहौज़ी में क्या करें?

ट्रेकिंग और नेचर वॉक

फोटोग्राफी और बर्ड वॉचिंग

लोकल हस्तशिल्प और ऊनी वस्त्रों की खरीदारी

हिमाचली व्यंजनों का स्वाद लेना (मदरा, चना मसर, सीडू आदि)

ध्यान और योग के लिए एकांत वातावरण का लाभ उठाना

यात्रा का सर्वोत्तम समय

मार्च से जून- गर्मियों में ठंडी और सुहावनी जलवायु के लिए उपयुक्त।

सितंबर से नवंबर- हरियाली और पर्वतीय शांति के लिए आदर्श।

दिसंबर से फरवरी- बर्फबारी का आनंद लेने वालों के लिए स्वर्ग समान।

कैसे पहुँचे डलहौज़ी?

हवाई मार्ग- निकटतम हवाई अड्डा पठानकोट (लगभग 75 किमी) है।

रेल मार्ग- निकटतम रेलवे स्टेशन पठानकोट है, जहाँ से टैक्सी या बस के माध्यम से डलहौज़ी पहुँचा जा सकता है।

सड़क मार्ग- डलहौज़ी हिमाचल और पंजाब के प्रमुख शहरों से सड़क मार्ग द्वारा अच्छी तरह जुड़ा है।

डलहौज़ी उन यात्रियों के लिए एक आदर्श गंतव्य है जो शहर की भीड़-भाड़ और तनाव से दूर, पहाड़ों की गोद में कुछ सुकून भरे पल बिताना चाहते हैं। यहाँ का हर कोना एक अलग कहानी कहता है — कभी औपनिवेशिक इतिहास की, कभी प्रकृति की, और कभी आत्मिक शांति की।

मुख्यमंत्री ने गजा घण्टाकर्ण महोत्सव का किया शुभारम्भ

मुख्यमंत्री ने गजा क्षेत्र के लिए विकास योजनाओं की दी बड़ी सौगात

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून :मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गजा घण्टाकर्ण महोत्सव-2026 के अवसर पर क्षेत्र के समग्र विकास हेतु अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने घंटाकर्ण महादेव मंदिर तक रोपवे निर्माण की घोषणा करते हुए कहा कि इससे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा तथा श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा प्राप्त होगी। इसके साथ ही नगर पंचायत गजा क्षेत्र में विभिन्न आंतरिक मार्गों के निर्माण, गजा मैदान के विस्तारीकरण एवं मंच निर्माण की घोषणा भी की गई। मुख्यमंत्री ने शहीद विक्रम सिंह नेगी राजकीय पॉलिटैक्निक गजा में फार्मेसी विषय की स्वीकृति प्रदान करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने पर्यटन विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कोटेश्वर झील के विकास तथा डांडाचली में इको पार्क निर्माण की घोषणा की। साथ ही पावकी देवी एवं चमराड़ा देवी (भरपूर) मंदिरों के सौंदर्यीकरण कार्य कराए जाने की भी घोषणा की गई। उन्होंने दंदेली, अंदरफीगांव, फलसारी, बिमाण गाँव मोटर मार्ग तथा रणाकोट डांडा जमोला मोटर मार्ग की स्वीकृति देने की घोषणा भी की। स्वास्थ्य एवं आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री ने चाका महिला अस्पताल को पीएचसी में परिवर्तित कर उसके उच्चीकरण तथा चाका में सामुदायिक भवन के सुदृढ़ीकरण की घोषणा की। शिक्षा के क्षेत्र में उन्होंने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सिंगटाली एवं पजै गाँव को इंटर स्तर पर उच्चीकृत करने तथा नरेंद्रनगर महाविद्यालय को पीजी स्तर पर उच्चीकृत किए जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने गजा तहसील में लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग, जल संस्थान एवं जल निगम के तहसील स्तरीय कार्यालयों/कार्यक्रमों की स्वीकृति देने की घोषणा भी की। इसके अतिरिक्त हेंवल नदी में झील निर्माण तथा गजा बगीद के 33 केवी सब स्टेशन की स्वीकृति प्रदान किए जाने की घोषणा करते हुए कहा कि इन योजनाओं से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी तथा आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री ने बुधवार को अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज गजा, टिहरी गढ़वाल पहुंचकर ह्लगजा घण्टाकर्ण महोत्सव-2026ह्व (द्वितीय संस्करण) का दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत शुभारम्भ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गजा स्थित प्राचीन घंटाकर्ण मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश एवं देश की सुख-समृद्धि की कामना की। साथ ही उन्होंने राज्य आंदोलनकारी शहीद बेलमती चौहान की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने समस्त क्षेत्रवासियों एवं प्रदेशवासियों को महोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह आयोजन उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं एवं धार्मिक आस्थाओं को संरक्षित करने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रहा है। कहा कि गजा आगमन पर माताओं एवं बहनों द्वारा तिलक लगाकर किए गए आत्मीय स्वागत से वे अभिभूत हैं और सभी को हाथ जोड़कर प्रणाम करते हैं। उन्होंने कहा कि केदारखंड में घंटाकर्ण मंदिर का विशेष महत्व वर्णित है तथा यह क्षेत्र धार्मिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण भूमि है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, नगर पंचायत अध्यक्ष गजा कुंवर सिंह चौहान, भाजपा जिलाध्यक्ष उदय रावत, ब्लॉक प्रमुख चंबा सुमन सजवाण, ब्लॉक प्रमुख नरेंद्रनगर दीक्षा राणा, नगर पालिका अध्यक्ष चंबा शोभना धनौला, नगर पंचायत अध्यक्ष मुनि की रेती विनीता बिष्ट, जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे, मीना खाती, हुकुम सिंह भंडारी, जसवंत सिंह,अधिकारी, पत्रकारगण एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रीय जनता उपस्थित रही।

छात्रों की लोकनृत्य की प्रस्तुतियों ने मोहा मन

कार्यक्रम के दौरान स्कूली बच्चों द्वारा स्वागत गीत, सरस्वती वंदना, लोकगीत, लोकनृत्य, सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से उत्तराखंड की समृद्ध लोक संस्कृति का सुंदर प्रदर्शन किया गया। विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों के माध्यम से आमजन को जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई तथा लाभान्वित किया गया।

यूकेडी के जिला कार्यालय का हुआ उद्घाटन

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड क्रांति दल ने बेलनी में बुधवार को जिला कार्यालय का उद्घाटन किया। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर आगामी चुनाव की तैयारियों पर चर्चा की। जिला अध्यक्ष बलवीर चौधरी ने कहा कि कार्यालय के माध्यम से कार्यकर्ताओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी और स्थानीय स्तर पर जनता की समस्याओं को सुनकर उन्हें शासन–प्रशासन तक पहुंचाया जाएगा। इस अवसर पर केंद्रीय महामंत्री देवेंद्र चमोली ने कहा कि जनता बदलाव चाहती है और वर्ष 2027 के चुनाव को लेकर पार्टी कार्यकर्ता पूरी मजबूती से जुटे हुए हैं। इस दौरान कर्नल सेवानिवृत विनोद नेगी, जिताकर जंगवाण, आरती पांडेय, विक्रम फर्सवाण आदि शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

नरेंद्रनगर पालिका क्षेत्र में बढ़ी स्थानीय निकाय चुनाव की सरगर्मी

नई टिहरी। नगर पालिका चुनाव की प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही नरेंद्रनगर में राजनीतिक सरगर्मी तेज होने लगी है। नामांकन पत्रों की बिक्री के पहले दिन अध्यक्ष और वार्ड सदस्य पदों के लिए दावेदारों ने रुचि दिखाई। पहले दिन अध्यक्ष पद के लिए दो दावेदारों ने कुल चार नामांकन पत्र खरीदे, जबकि सात वार्डों वाली नगर पालिका में वार्ड सदस्य पद के लिए 17 लोगों ने नामांकन पत्र लिए।अध्यक्ष पद के दावेदार राजेंद्र विक्रम सिंह पंवार ने तीन नामांकन पत्र खरीदे, जबकि दूसरे दावेदार राजेंद्र सिंह गुसाईं ने एक नामांकन पत्र लिया। वार्ड सदस्य पदों के लिए 17 लोगों ने नामांकन पत्र खरीदे। पालिका चुनाव को लेकर नगर क्षेत्र में राजनीतिक गतिविधियां धीरे–धीरे तेज होने लगी हैं। संभावित प्रत्याशियों की सक्रियता बढ़ने के साथ ही चुनाव समीकरणों पर चर्चा भी शुरू हो गई है। 9 जून को नगर पालिका अध्यक्ष और वार्ड सभासद पदों के लिए मतदान होना है, जिसको लेकर प्रशासन भी निर्वाचन प्रक्रिया को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में जुटा है। रिटर्निंग ऑफिसर डॉ. डीके वर्मा ने बताया निर्वाचन से संबंधित सभी प्रक्रियाएं शांतिपूर्वक संचालित की जा रही हैं। पहले दिन अध्यक्ष पद के लिए दो लोगों ने कुल चार नामांकन पत्र खरीदे, जबकि वार्ड सदस्य पद के लिए 17 लोगों ने नामांकन पत्र लिए हैं।

बौराड़ी स्टेडियम में बैडमिंटन कोर्ट निर्माण शुरू

नई टिहरी। बौराड़ी स्टेडियम में 71 लाख रूपये की लागत से बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण शुरू हो गया। कार्यदायी संस्था लघु सिंचाई विभाग को अगले नौ माह के अंतर्गत बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण पूरा करने का लक्ष्य दिया गया है। बुधवार को नगर पालिकाध्यक्ष मोहन सिंह रावत ने हवन यज्ञ कर बैडमिंटन कोर्ट कार्य का शिलान्यास किया। पालिकाध्यक्ष रावत ने कहा कि टिहरी में खेल सुविधाएं बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे है। बैडमिंटन कोर्ट बनने से स्थानीय खिलाड़ियों को बेहतर मंच मिलेगा। प्रयास रहेगा कि इसका संचालन खेल में रूचि रखने वालों को दिया जाए जिससे अगले 10 साल के भीतर टिहरी से राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर के बैडमिंटन खिलाड़ी तैयार हो सकें। जिला युवा कल्याण अधिकारी पंकज तिवारी ने बताया कि सिंगल बैडमिंटन कोर्ट के साथ दो टॉयलेट भी इसमें बनाए जाएंगे। इस मौके पर लघु सिंचाई विभाग के ईई बृजेश गुप्ता, ईओ वासुदेव डंगवाल, सभासद प्रवेश चौहान, प्रकाश राणा, कुशला उनियाल आदि मौजूद रहे।

धीरेंद्र शास्त्री ने बदरीनाथ में शुरू की सत्यनारायण कथा

चमोली। बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री ने बदरीनाथ धाम में बुधवार से सत्यनारायण की कथा आरंभ कर दी है। उन्होंने पहले दिन बदरीनाथ की महिमा के बारे में बताया। कथा सुनने के लिए देश के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु पहुंच गए हैं।धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि साधना का फल राष्ट्र के लिए समर्पित है। यह देश और सनातन के काम आए यही हमारी कामना है। 21 दिन की साधना में कई तरह के अनुभव हुए हैं। उनको कथा के दौरान बीच–बीच में बताते रहेंगे। उन्होंने कहा कि नर–नारायण पर्वत की परिक्रमा के दौरान वह मौत के मुंह से बचकर आ गए। यह सारे अनुभव भक्तों को सुनाएंगे। धीरेंद्र शास्त्री ने बदरीनाथ धाम में 21 दिन की साधना की। साधना संपन्न होने के बाद उन्होंने कहा कि उन्होंने 13 घंटे पैदल चलकर नीलकंठ पर्वत के किनारे से नारायण पर्वत की परिक्रमा की। खड़ी चढ़ाई कठिन मार्ग पर चलते हुए वे मौत के मुंह से निकलकर आए हैं। प्रशासन के सहयोग से देवताल भी गए।

नदियों के किनारे सफाई अभियान चलाएं : डीएम

चमोली। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने जिला सभागार में जिला गंगा संरक्षण समिति की बैठक में नमामि गंगे परियोजनाओं और स्वच्छता व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने सीवेज उपचार संयंत्रों की कार्यक्षमता की जानकारी लेते हुए घर–घर कूड़ा संग्रहण व्यवस्था को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। डीएम ने अलकनंदा सहित अन्य नदियों के किनारों पर नियमित सफाई सुनिश्चित करने को कहा।

साथ ही निकाय क्षेत्रों में बने श्मशान घाटों की सफाई और स्वास्थ्य विभाग को जैव चिकित्सा अपशिष्ट के उचित निस्तारण के निर्देश भी दिए।बैठक में जिला पंचायत की ओर से नौ विकासखंडों में संचालित संपीडक (कंप्रेशर) मशीनों की स्थिति की समीक्षा भी की। जिलाधिकारी ने अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत को सभी मशीनों की मरम्मत कराने और माणा गांव में नई संपीडक मशीन लगाने को कहा। बैठक में नगर पालिका गोपेश्वर के अधिशासी अधिकारी अनिल पंत, परियोजना निदेशक आनंद सिंह भाकुनी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक गुप्ता आदि मौजूद रहे।

ग्रामीण क्षेत्रों में टीबी स्क्रीनिंग शिविर आयोजित

चमोली। जनपद चमोली में 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान चल रहा है जिसके तहत दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में अभी तक 141 लोगों के चेस्ट एक्सरे हुए। स्वास्थ्य विभाग ने ज्योतिर्मठ के टंगड़ी और कर्णप्रयाग के नौली बड़ागांव मल्ला व तल्ला में शिविर लगाए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक गुप्ता ने बताया कि शिविर का उद्देश्य आमजन को क्षय रोग के प्रति जागरूक करना है। साथ ही संभावित मरीजों की पहचान कंर निशुल्क उपचार देना है।

जंगल की आग में झुलसे पेड़ राहगीरों के लिए बने खतरा

नई टिहरी। नई टिहरी–चंबा सड़क पर वन विभाग के रेंज कार्यालय के समीप दो वर्ष पूर्व फायर सीजन के दौरान डाइजर के जंगल में लगी आग की तीव्रता के कारण कई पेड़ बुरी तरह से झुलस गए थे जो अब पूरी तरह से सूख चुके हैं।

लोगों के लिए खतरा बन चुके इन पेड़ों को हटाने कि दिशा में वन विभाग कोई कदम नहीं उठा रहा है।जिला मुख्यालय से सटे डाइजर के जंगलों में दो वर्ष पूर्व भयानक आग लगी थी। तेज हवा चलने से आग ने विकराल रूप धारण कर लिया था। आग ने सड़क के किनारे के कई पेड़ों को एक साथ अपनी चपेट में ले लिया था। वन विभाग के अधिकारियों ने इसे क्रॉउन फायर बताया था। आग के कारण पेड़ के ऊपरी हिस्सा पूरी तरह से जल गए था, जिसके बाद पेड़ धीरे–धीरे पेड़ सूख गए। कई पेड़ सूखने के बाद अब तिरछे हो चुके हैं। ऐसे में यदि जंगल में फिर से आग लगी तो पेड़ों के जलकर सड़क पर गिरकर टूटने की अधिक संभावना बनी है। दिनभर सड़क पर वाहन, स्कूली बच्चों और लोगों की पैदल आवाजाही रहती है। सुबह और शाम के समय नगर के लोग इसी सड़क पर पैदल घूमने के लिए निकलते हैं। विभागीय अधिकारी भी रोज इसी सड़क से आवाजाही करते हैं लेकिन उनकी नजर सूख चुके इन पेड़ों पर नहीं जाती है। वन विभाग का रेंज कार्यालय सड़क के दूसरी ओर स्थित है लेकिन वह इन्हें अनदेखा करते रहते हैं। वर्तमान में फायर सीजन होने के कारण जंगल में कभी भी आग भड़क सकती है, ऐसे में ये सूखे पेड़ तेजी से आग पकड़ लोगों के लिए खतरा बन सकते हैं।

पानी के लिए तरस रहे हैं काश्तकारों के खेत

नई टिहरी। चंबा ब्लॉक में नौचोली गांव की उपजाऊभूमि कई सालों से बंजर पड़ी है। सिंचाई विभाग ने एक साल पहले आधी नहर पर प्लास्टिक के पाइप डालकर काम की इतिश्री कर दी। विभागीय औपचारिकता के कारण सभी काश्तकारों को सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल पा रहा है। काश्तकार नहर मरम्मत करने की मांग कर रहे हैं लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।नैचोली गांव की सिंचाई नहर पुरानी होने के कारण जगह–जगह से क्षतिग्रस्त है। गांव के लोग पिछले चार–पांच साल से नहर की मरम्मत कराने की मांग कर रहे हैं लेकिन लघु सिंचाई विभाग अभी तक पूरी नहर की मरम्मत नहीं कर पाया है। काश्तकारों का कहना है कि लगातार खस्ताहाल नहर की मरम्मत करने की मांग करने पर विभाग ने पिछले साल छह लाख रूपये खर्च कर डेढ़ किमी नहर में से एक किमी से भी कम नहर पर प्लास्टिक के पाइप डालकर पानी सुचारू कराया लेकिन अधिकतर खेती उससे आगे होने के कारण ज्यादा किसानों को फायदा नहीं मिल पा रहा है।

गढ़वाल विवि में प्रथम चरण में 35 कर्मचारियों को मिली स्थायी नियुक्ति

कर्मचारियों ने जताई खुशी, कुलपति का जताया आभार

जयन्त प्रतिनिधि। श्रीनगर : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि में 35 कर्मचारियों को प्रथम चरण में स्थायी नियुक्ति प्रदान कि गई। बुधवार को गढ़वाल विवि के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने ग्रुप सी और वाहन चालक सहित 35 कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। नियुक्ति पत्र मिलने पर कर्मचारियों के चेहरों में खुशी देखने को मिली है। इस दौरान गढ़वाल विवि के कुलपति ने सभी नियुक्त कर्मचारियों के प्रति खुशी जाहिर करते हुए इसे संघर्ष की जीत बताई। वहीं कर्मचारियों ने भी गढ़वाल विवि के कुलपति का आभार व्यक्त किया।

बताते चले कि गढ़वाल विवि में 147 दैनिक, नियत वेतन भोगी कर्मचारियों को स्थायी रूप से नियुक्ति मिली है। लम्बे समय से हाईकोर्ट में विचाराधीन चल रहे मामले में गढ़वाल विवि के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश की अध्यक्षता में 9 मई को हुई कार्यपरिषद (ईसी) की बैठक में 147 कर्मचारियों को स्थायी रूप से नियुक्त किए जाने के फैसले पर मुहर लगा दी थी। नियुक्ति वितरण कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए गढ़वाल विवि के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने कहा कि यह गढ़वाल विवि के तमाम उन कर्मचारियों एवं अधिकारियों के संघर्ष की जीत है, जिन्होंने दिन-रात मेहनत करते हुए आज कर्मचारियों को नियमिति के लिए कार्य किया है। कहा कि कर्मचारियों को जो नियुक्ति मिली है इसके पीछे कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत और गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी का बड़ा योगदान रहा है। कहा कि नियुक्त कर्मचारी गढ़वाल विवि के तहत दिए कार्यों को पूरी ईमानदारी और कर्तव्यानिष्ठा से पूरा करने का प्रयास करेंगें। उन्होंने गढ़वाल विवि के कुलसचिव, वित्त अधिकारी सहित अधिकारियों अन्य पदों पर जल्द नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू करने की बात कहीं। साथ ही नियुक्त कर्मचारियों के लिए कर्मयोगी प्रशिक्षण दिए जाने के निर्देश दिए।

धू–धू कर जल रहे नई टिहरी और पौखाल रेंज के जंगल

नई टिहरी। नई टिहरी–चंबा सड़क मार्ग से लगे और पौखाल रेंज के चीड़ के जंगल जल रहे हैं। गत मंगलवार को भोनाबागी स्थित जंगल में लगी आग बुधवार सुबह तक जिला कारागार से सटे जंगल में आ पहुंची। पूर्वाह्न को आग चवालखेत के पीछे के जंगल तक आ गई। काफी मशक्कत के बाद भी वन कर्मी आग को काबू नहीं कर पाये।आग की तेज लपटों ने चवालखेत स्थित देवेंद्र सिंह चौहान के बागीचे अपनी चपेट ले लिया जिससे बागीचे में सेब के पेड़ और कीवी की बेलों बुरी तरह से झुलस गए। देवेंद्र ने बताया कि उन्होंने वन विभाग के कंट्रोल रूम और कर्मियों को आग की सूचना दी लेकिन मौके पर कोई नहीं पहुंचा। आग को काबू करने की उन्होंने भी कोशिश की लेकिन नाकामयाब रहे। बताया उनकी वर्षों की मेहनत पर आग ने पानी फेर दिया। उन्होंने प्रशासन से बागीचे में हुए नुकसान का आंकलन कर मुआवजे की मांग की है।

इस बाबत रेंज अधिकारी प्रदीप चौहान ने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए सुबह ही विभागीय कर्मियों के साथ फायर वाचरों को मौके पर भेजा दिया गया था। दूसरी ओर, पौखाल रेंज के स्यूरी गांव के जंगल में लगी आग तेज हवाओं के चलने से और भड़क उठी जिससे ग्रामीण दहशत में आ गए।

हेली टिकट के नाम हुई ठगी के मामले में नहीं मिली तहरीर : एसपी

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ यात्रा के दौरान ऑनलाइन ठगी और फर्जी वेबसाइट के जरिये धोखाधड़ी के मामलों को पुलिस गंभीरता से ले रही है। पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर ने बताया कि यात्रा सीजन में 350 फर्जी वेबसाइटों व सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को बंद किया गया है। वहीं बीते दिन हेली टिकट के नाम पर हुई ठगी के मामले में संबंधित लोगों से कोई शिकायत नहीं मिली है। संबंधित लोगों ने बताया कि वे अपने क्षेत्र में शिकायत दर्ज करेंगे।बीते मंगलवार को आंध्र प्रदेश के चित्तूर–तिरुपति से आए 22 सदस्यीय श्रद्धालु दल से हेली टिकट दिलाने के नाम पर 2.65 लाख रूपये की ठगी का मामला सामने आया था और सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। दल के सदस्य जीवीरा राघावलू ने बताया कि टिकट उपलब्ध न होने के दौरान उन्हें एक व्यक्ति का फोन आया जिसने खुद को हेली टिकट उपलब्ध कराने वाला बताकर अलग–अलग समय पर धनराशि ट्रांसफर करवाई। केदारघाटी स्थित हेलिपैड पहुंचने पर पता चला कि उनके टिकट फर्जी हैं।

तिलवाड़ा : बस और कार की टक्कर, दो यात्री चोटिल

रुद्रप्रयाग। तिलवाड़ा मुख्य बाजार के पास रुद्रप्रयाग की ओर से आ रही एक बस और अगस्त्यमुनि की ओर से आ रही एक कार की आमने–सामने टक्कर हो गई। हादसे में कार के बोनट और चालक साइड के परखच्चे उड़ गए। कार में सवार युवकों का एयरबैग खुल गया जिससे दो यात्रियों को सिर्फ हल्की चोटें आई हैं। उन्हें प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। इस दौरान आधा घंटा जाम भी लग गया। घटना की सूचना मिलने पर चौकी प्रभारी जावेद अली पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों वाहनों को सड़क किनारे हटाकर जाम खुलवाया और यातायात सुचारु कराया। इधर इसी घटना के करीब दो घंटे बाद केदारनाथ हाईवे पर एक अन्य बस और कार की भी भिड़ंत हुई। हालांकि उसमें किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

तुनालका में प्लास्टिक कचरा प्रबंधन इकाई का संचालन ठप

उत्तरकाशी। पंचायतों को स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त करने के लिए तुनालका में बनाए गए प्लास्टिक कचरा प्रबंधन इकाई का संचालन ठप है। इससे स्वच्छ भारत अभियान के दावों पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्वजल की ओर से दो वर्ष पहले तुनालका गांव के समीप यमुनोत्री हाईवे पर करीब 14 लाख की लागत से बने प्लास्टिक कचरा प्रबंधन इकाई भवन को जिला पंचायत को हैंडओवर कर दिया था जिसे जिला पंचायत आज तक उपयोग में नहीं ला पाई है। अब यूनिट के अंदर कूड़ा निस्तारण के लिए लगाई गई मशीन भी जंग खा रही है। प्रत्येक गांव को स्वच्छ एवं प्लास्टिक कचरा मुक्त के उद्देश्य से स्वच्छ भारत मिशन के तहत जनपद के प्रत्येक ब्लॉक में एक एक प्लास्टिक कचरा प्रबंधन इकाई की स्थापना की गई है जिसका उद्देश्य स्वच्छता वाहनों से ग्राम पंचायतों से आने वाले सूखे कूड़े का मशीन से निस्तारण करना था। बीते वर्ष यूनिट का शटर आपदा के मलबे से क्षतिग्रस्त हो गया था। आपदा के एक वर्ष बाद न तो आपदा का मलबा हटा और न ही टूटा शटर ठीक हो पाया। लावारिस हालात में पड़ी यूनिट के अंदर रखी कीमती मशीन का भी चोरी होने का खतरा बना है। जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी श्याम लाल का कहना है कि 2025 में यूनिट के भवन का एक हिस्सा आपदा से क्षतिग्रस्त हो गया था जिसे बजट के अभाव में ठीक नहीं करवाया जा सका। क्षतिग्रस्त यूनिट को जिला पंचायत स्वयं के संसाधनों से ठीक करने का प्रयास किया कर रही है।

चारे में छुपाकर ले जा रहा था शराब, एक दबोचा, वाहन सीज

रुद्रप्रयाग। चेकिंग के दौरान चौकी फाटा पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम ने शराब तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को 494 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब के साथ दबोचा। पुलिस ने बताया कि आरोपी केदारनाथ यात्रा में खच्चरों के चारे के शराब छुपाकर ले जा रहा था। चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक दिनेश सती ने बताया कि चारे की आड़ में यह तस्करी का खेल चल रहा था। चेकिंग के दौरान एक वाहन में खच्चरों का चारा लदा हुआ दिखाई दिया। जब टीम ने तलाशी ली तो चारे में छुपाकर रखी गई 494 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब मिली। पुलिस ने शराब जब्त कर ली और वाहन सीज कर दिया। पुलिस ने आरोपी गुलजार अहमद निवासी बिजनौर, कोतवाली देहात बिजनौर, उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार कर लिया। वह इन दिनों भक्तियाना, श्रीनगर में रहता है। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

अब औने–पौने दामों पर नहीं बेचनी पड़ेगी मछली

– मिनी फिश प्रोसेसिंग यूनिट दो माह के भीतर बनकर होगी तैयार

नई टिहरी। ऋषिकेश–चंबा हाईवे पर हेंवल नदी के समीप नागणी कस्बे में मत्स्य विभाग की मिनी फिश प्रोसेसिंग यूनिट अगले दो माह भीतर बनकर तैयार होने की उम्मीद है। फिश प्रोसेसिंग यूनिट बनने से जिले के मत्स्य पालकों को मछली को स्टोरेज करने की सुविधा मिलेगी।करीब 1 करोड़ 29 लाख की लागत से नागणी में बनने वाली जिले की पहली फिश प्रोसेसिंग यूनिट नाबार्ड वित्त पोषित है। यूनिट तैयार होने के बाद जिले के विभिन्न क्षेत्रों में मत्स्य पालन कर रहे लोगों को मछलियों को स्टोरेज करने की सुविधा मिल पाएगी। अब तक मत्स्य पालकों को मछलियों का अधिक उत्पादन होने, बरसात के समय और ऑफ सीजन में

मछलियों को रखने की उचित सुविधा नहीं मिल पाती थी।फिश प्रोसेसिंग यूनिट नहीं होने से मछली पालकों को बरसात और ऑफ सीजन में मछलियों को स्टोरेज करने की परेशानी होती थी। उन्हें औने–पौने दामों में मछलियां बेचनी पड़ती थी। यूनिट तैयार होने से मत्स्य पालकों को मछलियों के अच्छे दाम मिलने की उम्मीद बढ़ जाएगी। उन्हें मछलियों को बेचने के लिए भटकना नहीं पड़ेगा।

चार साल से अधूरा पिलंग पुल, अब गंगोत्री हाईवे जाम की चेतावनी

उत्तरकाशी। भटवाड़ी विकासखंड के पिलंग गांव का 48 मीटर स्पान का स्टील गार्डर मोटर पुल पिछले चार साल से अधर में लटका पड़ा है। ब्रिडकुल विभाग की सुस्त कार्यशैली से नाराज ग्रामीणों ने अब आंदोलन करने का निर्णय लिया है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर साफ चेतावनी दी है कि यदि 15 दिन के भीतर निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ तो मल्ला, भटवाड़ी में गंगोत्री हाईवे पर चक्का जाम कर दिया जाएगा। ग्रामीणों ने बताया कि पुल निर्माण कार्य वर्ष 2022 में शुरू हुआ था, लेकिन 2026 आने के बाद भी पुल अधूरा पड़ा है। बीते माह जनवरी में भी ग्रामीणों ने डीएम और ब्रिडकुल के अधिकारियों को पत्र देकर समस्या बताई थी, लेकिन आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिला। अब बरसात शुरू होने के साथ नदी का जलस्तर बढ़ गया है और गांव का वैकल्पिक रास्ता भी बंद हो चुका है। इससे पिलंग गांव

का जिला मुख्यालय और बाजार से संपर्क लगभग कट गया है। ग्रामीणों का कहना है कि मरीजों को अस्पताल पहुंचाना और बच्चों का स्कूल जाना तक मुश्किल हो गया है। लगातार अनदेखी से नाराज ग्रामीणों ने कहा कि अब केवल आंदोलन ही आखिरी रास्ता बचा है।

पुण्यतिथि पर चाचा नेहरू को किया याद

ऋषिकेश। तीर्थनगरी में देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि मनाई गई। पुण्यतिथि पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूर्व पीएम को याद किया। वक्ताओं ने पंडित नेहरू द्वारा किए गए कार्यों का बखान किया। बुधवार को रेलवे रोड स्थित कांग्रेस भवन में प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई। सभी ने पंडित नेहरू की फोटो पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। वायुसेना से सेवानिवृत्त देवेश्वर प्रसाद रतूड़ी ने कहा कि आज ही के दिन पंडित जवाहर लाल नेहरू ने इस दुनिया को अलविदा कहा। लेकिन उनके विचार और देश के प्रति उनका योगदान आज भी हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत हैं।

कहा कि पंडित नेहरू केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि आधुनिक भारत के निर्माता थे। उन्होंने स्वतंत्र भारत को लोकतंत्र, शिक्षा, विज्ञान और औद्योगिक विकास की मजबूत नींव दी। उनका मानना था कि किसी भी देश की असली ताकत उसके युवा और उसकी शिक्षा व्यवस्था होती है।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

वैभव सूर्यवंशी ने खेली ऐतिहासिक पारी, क्रिस गेल का एक आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा छक्कों का रिकॉर्ड टूटा

जयपुर (एजेंसी)। स्पोर्ट्स डेस्क :- वैभव सूर्यवंशी ने IPL 2026 के एलिमिनेटर मुकाले में सनराइजर्स हैदराबाद ऐतिहासिक पारी खेलते हुए क्रिस गेल का एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। सूर्यवंशी ने 60 छक्कों के साथ गेल को पीछे छोड़ा और अब IPL के एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के हो गए हैं। गेल ने 2012 में यह रिकॉर्ड बनाया था जो 14 सालों के बाद टूटा है।

सूर्यवंशी ने 29 गेंदों पर 97 रन की शानदार इनिंग खेलते हुए यह रिकॉर्ड अपने नाम किया है जिसमें 5 चौके और 12 छक्के शामिल थे। गेल ने 2012 में IPL में 59 छक्के लगाए थे। वहीं इस लिस्ट में आंद्रे रसेल का नाम भी है जिन्होंने 2019 में 52 छक्के लगाए थे। लिस्ट में चौथे नम्बर पर एक बार फिर गेल हैं जिन्होंने 2013 में IPL के एक सीजन में 51 छक्के लगाए थे। लिस्ट में पांचवें खिलाड़ी जोस बटलर हैं जिन्होंने 2022 में 45 छक्के लगाए थे।

एक आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा छक्के

60* - वैभव सूर्यवंशी (2026)
59 - क्रिस गेल (2012)
52 - आंद्रे रसेल (2019)
51 - क्रिस गेल (2013)
45 - जोस बटलर (2022)

वैभव सूर्यवंशी का IPL 2026 में रिकॉर्ड

सूर्यवंशी ने 16 मैचों की 16 इनिंग्स में 704 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका हाइएस्ट 103 रहा है। उन्होंने 45.33 की औसत और 242.85 की स्टाइक रेट से ये रन बनाए जिसमें एक शतक और 5 अर्धशतक लगाए हैं।

आईपीएल 2026 : ऑरेंज कैप के लिए सुदर्शन और पर्पल कैप के लिए भुवनेश्वर सबसे आगे

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के 19 वें सत्र में अब सबसे अधिक रन के लिए मिलन वाली ऑरेंज कैप और सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप के लिए मुकाबला अंतिम दौर में पहुंच गया है। ऑरेंज कैप की दौड़ में अभी भी गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन नंबर एक पर बने हुए हैं। सुदर्शन के अभी तक सबसे अधिक 652 रन हैं। वहीं दूसरे नंबर पर गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल हैं। नंबर एक जबकि गिल 618 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वहीं सनराइजर्स के हेनरिक क्लासेन 606 रन बनाकर तीसरे नंबर पर हैं। आरसीबी के विराट कोहली के इस सत्र में कुल रन 600 हो गए और उन्होंने इस प्रकार दिल्ली कैपिटल्स केएल राहुल को पीछे छोड़ते हुए चौथा स्थान हासिल कर लिया। राहुल 593 रन बनाकर पांचवे नंबर पर हैं।

वहीं सबसे अधिक विकेटों के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की सूची में आरसीबी के तेज भुवनेश्वर कुमार 26 विकेट लेकर पहले। वहीं गुजरात के कैसिगो रबाडा भी 26 विकेट लेकर दूसरे नंबर पर हैं। रबाडा इकॉनमी 13.50 रही। भुवनेश्वर इससे बेहतर इकॉनमी रेट के कारण पहले नंबर पर हैं। राजस्थान रॉयल्स के जोफ्रा आर्चर 21 विकेट लेकर तीसरे जबकि सीएसके के अंशुल कंबोज भी 21 विकेट लेकर चौथे नंबर पर हैं। गुजरात के राशिद खान 14विकेट लेकर पांचवे नंबर पर हैं।

शुभमन ने हार के लिए खराब फील्डिंग को जिम्मेदार बताया

धर्मशाला (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल आईपीएल 2026 के पहले क्वालिफायर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मिली हार से निराश नजर आये। शुभमन ने इस बार के लिए खराब फील्डिंग को जिम्मेदार बताया। साथ कहा कि उनकी टीम दबाव का सामना ठीक से नहीं कर पायी। इस मैच में गुजरात टाइटंस की टीम बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए, ढह गयी और उसे 92 रन से करारी हार का सामना करना पड़ा। मैच में आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 254 रन बनाये थे। जिसके बाद गुजरात की टीम 162 रन ही बना पायी।

शुभमन ने टीम की बार के कारणों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनकी टीम मैच में बनी हुई थी पर कई अवसरों पर हुई गलतियों ने मुकाबला उनके हाथ से फिसल गया। साथ ही कहा कि 12वें-13वें ओवर तक उनकी टीम मुकाबले में थी पर जिस प्रकार से कैच गिरे उससे विरोधी टीम हावी हो गयी। शुभमन ने कहा, मुझे लगता है कि हम 12वें-13वें ओवर तक मैच में अच्छी स्थिति में थे। हमारी फील्डिंग बिल्कुल स्तर के अनुसार नहीं थी हालांकि हम ये मैच भूलकर अब दूसरे क्वालिफायर में जीतने का प्रयास करेंगे। उन्होंने साथ हीकहा, दबाव वाले मौकों पर हम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके। हमारा शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। आउटफील्ड तेज थी, लेकिन जिस तरह पिच खेल रही थी, उस हिसाब से लक्ष्य हासिल किया जा सकता था। टीम के लक्ष्य तक नहीं पहुंचने का एक कारण बल्लेबाज साई सुदर्शन का बदकिस्मती से हिट-विकेट आउट होना भी रहा। जिस गेंद पर उन्होंने चौका लगाया, उसी गेंद पर उनका बल्ला विकेट से टकरा गया। इस पर गिल ने कहा, ऐसे विकेट बहुत कम देखने को मिलते हैं। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था। टीम की खराब फील्डिंग हार का सबसे बड़ा कारण रही। टीम ने एक ही ओवर में आरसीबी की ओर से सबसे अधिक रन बनाने वाले रजत पाटीदार के दो कैच गिरा दिए। पाटीदार ने इन मौकों का पूरा फायदा उठाया और आक्रामक बल्लेबाजी कर केवल 33 गेंदों में नाबाद 93 रन बना दिये जिससे मैच पलट गया। दिए। उनकी पारी में चौकों और छक्कों की बरसात देखने को मिली। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए उनकी टीम दबाव में आ गयी और कोई भी बल्लेबाज विकेट पर टिक नहीं पाया।

रैना ने शुभमन और सुदर्शन की जोड़ी को आईपीएल की सबसे अच्छी जोड़ी बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने गुजरात टाइटंस टीम के कप्तान शुभमन गिल और सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि इनकी जोड़ी आईपीएल इतिहास की सबसे अच्छी सलामी जोड़ी है। रैना ने कहा कि शुभमन और सुदर्शन ने जिस तेजी और निरंतरता के साथ रन बनाए हैं। ऐसा करने में कोई भी दूसरी जोड़ी सफल नहीं रही है। इन दोनों ने साथ मिलकर केवल 46 पारियों में ही तेजी से खेलते हुए 21 बार 50 या उससे अधिक रनों की साझेदारी की है। इससे उनकी आपसी समझ और मैदान पर एक दूसरे के साथ अच्छे तालमेल का पता चलता है।

रैना ने कहा कि इस जोड़ी ने विराट कोहली और क्रिस बेल के अलावा एबी डिविलियर्स और-विराट की जोड़ी को भी पीदे छोड़ दिया है। रैना ने कहा, जहां गेल और कोहली को 21 बार 50 से अधिक रनों की साझेदारी तक पहुंचने में 59 पारियां लगी थीं, वहीं डिविलियर्स और कोहली ने यह उपलब्धि 76 पारियों में हासिल की थी जबकि शुभमन और सुदर्शन ने यह आंकड़ा केलव 46 पारियों में ही हासिल कर लिया।

इन जोड़ी ने आईपीएल के अलावा टी20 क्रिकेट में भी कई बड़े रिकॉर्ड बनाये हैं। इस जोड़ी ने अब तक 10 शतकीय साझेदारियाँ बनायी हैं, और यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह सबसे तेज जोड़ी है। इस जोड़ी ने आईपीएल में बिना कोई विकेट खोये 200 रन के लक्ष्य को भी आसानी से हासिल किया है। इन दोनो ने ही पारी शुरु करते हुए आईपीएल में 2000 से अधिक रन बनाये हैं, और उनकी साझेदारी का औसत 67 से अधिक का है, जो उनकी निरंतरता और एक-दूसरे के प्रति समझ को स्पष्ट रूप से दिखाता है। यह औसत उनकी बल्लेबाजी की गहराई और हर हाल में प्रदर्शन करने की क्षमता भी दिखाता है।

रैना के अनुसार, गिल और सुदर्शन की सबसे बड़ी ताकत उनके बीच की अच्छी समझ और फिटनेस है। उन्होंने समझाया, दोनों बल्लेबाज अविश्वसनीय रूप से फिट हैं और उन्हें अच्छी तरह पता है कि कब आक्रामक होना है और किस गेंदबाज को निशाना बनाना है। एक गेंद की गति का इस्तेमाल करता है, जबकि दूसरा कोण बनाकर शानदार शॉट्स खेलता है, जिससे विपक्षी गेंदबाजों के लिए उन्हें रोकना असंभव हो जाता है। इसका भी सबसे बड़ा लाभ टीम को मिला है।

सुमित अंतिल ने इंडियन ओपन अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ा

बेंगलुरु । स्टार भारतीय पैरा एथलीट सुमित अंतिल ने बुधवार को यहां इंडियन ओपन अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की भाला फेंक एफ64 स्पर्धा में अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया। हरियाणा के सोनीपत के रहने वाले दो बार के पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता 27 वर्षीय अंतिल ने भाले को 74.82 मीटर की दूरी तक फेंका जो उनके 73.29 मीटर के पिछले विश्व रिकॉर्ड से अधिक है। यह रिकॉर्ड उन्होंने 2022 एशियाई पैरा खेलों में बनाया था। अंतिल पिछले कुछ समय से अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी स्पर्धा में दबदबा बनाए हुए हैं और उन्होंने निकट भविष्य में 80 मीटर का आंकड़ा पार करने का लक्ष्य भी रखा है। उन्होंने 2020 और 2024 के पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीते हैं और 2023, 2024 और 2025 में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप का खिताब भी अपने नाम किया है। उन्होंने चीन के हांगझोऊ में हुए 2022 एशियाई पैरा खेलों में भी स्वर्ण पदक जीता था। एफ64 श्रेणी उन एथलीटों के लिए है जिनके निचले अंगों में समस्या होती है और जो कृत्रिम अंग के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं या जिनके पैरों की लंबाई में अंतर होता है। वर्ष 2015 में मोटरसाइकिल दुर्घटना में घायल होने के बाद अंतिल ने घुटने के नीचे अपना बायां पैर गंवा दिया था।

बुमराह को अब भी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज मानते हैं डिविलियर्स

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खराब प्रदर्शन के बाद निशाने पर आये तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का बचाव किया है। डिविलियर्स ने कहा है कि बुमराह अभी भी विश्वकप के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं और महज एक सत्र खराब होने से उन्हें खारिज नहीं किया जा सकता है। डिविलियर्स ने माना है कि बुमराह मुंबई इंडियंस की ओर से उम्मीदों के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं पर कहा कि इस प्रकार का खराब दौर हर क्रिकेटर के जीवन में आता है पर इसका कतलब ये नहीं कि वे बेकार हो गये। साथ ही कहा कि इससे उनकी गुणवत्ता पर कोई असर नहीं पड़ता और वह जल्द ही अपने पुराने रंग में लौटेंगे। बुमराह के लिए यह सत्र बेहद खराब रहा है। पूरे टूर्नामेंट में वह 13 मैच केवस 4 विकेट ही ले पाये। ये उनके जैसे खिलाड़ी के लिए बेहद निराशाजनक है। उनका गेंदबाजी औसत 102.50 रहा, जो टी20 क्रिकेट के इतिहास में एक ही टूर्नामेंट में 40 या उससे अधिक ओवर फेंकने वाले गेंदबाज का अब तक का सबसे खराब औसत माना जा रहा है। डिविलियर्स ने बुमराह का बचाव करते हुए कहा कि एक खराब प्रदर्शन किसी भी खिलाड़ी की क्लास को खत्म नहीं कर सकता। उन्होंने जोर देकर कहा, यह बुमराह के आईपीएल करियर का सबसे खराब सत्र रहा, इसमें कोई संदेह नहीं है। उनका औसत 100 से ज्यादा रहा, लेकिन इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। इन सबके बावजूद, मुझे अब भी लगता है कि वह दुनिया के सबसे बेहतरीन गेंदबाज हैं। डिविलियर्स ने बुमराह की क्षमताओं पर अटूट विश्वास व्यक्त किया। साथ ही कहा कि वह जल्द ही अपने पुराने शानदार अंदाज में वापसी करेंगे।

एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप पर हैं मनु की नजरें

नई दिल्ली । ओलंपिक पदक विजेता महिला निशानेबाज मनु आजकल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी हैं। मनु का लक्ष्य इन टूर्नामेंटों में बेहतर प्रदर्शन कर पेरिस ओलंपिक क्वालिफिकेशन चक्र के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना है। मनु का कहना है कि अभी उनका ध्यान अपना फॉर्म बनाये रखते हुए बेहतर प्रदर्शन करने पर है। मनु ने दृढ़ता से कहा, इस साल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट्स हमारे सामने हैं, और हम इन दोनों बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने कोच के साथ बैठकें की हैं और आगामी टूर्नामेंट्स तथा अपनी तैयारी की एक संपूर्ण और सुनियोजित रूपरेखा तैयार कर ली है। इससे ये साफ है कि उनकी रणनीति केवल तात्कालिक सफलता पर नहीं, बल्कि एक लंबी अवधि की योजना का हिस्सा है। उन्होंने पिछले साल 10 मीटर एयर पिस्टल में वर्ल्ड कप रजत पदक जीता और इस साल भी 25 मीटर पिस्टल में एशियन चैंपियनशिप में रजत हासिल किया। अब उनका लक्ष्य एक बार फिर अपनी पुरानी, शीर्ष स्तरीय लय हासिल करना है, जो उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक निर्विवाद मजबूत दावेदार बनाएगी। यह वापसी केवल उनके लिए नहीं, बल्कि भारतीय शूटिंग जगत के लिए भी प्रेरणा का स्रोत होगी। 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक का क्वालिफिकेशन चक्र भी इसी साल से शुरू हो रहा है, और मनु भाकर इस पर भी अपनी पैनी निगाहें जमाए हुए हैं। उनका मानना है कि एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे बड़े आयोजनों में किया गया दमदार प्रदर्शन न केवल उन्हें वर्तमान सत्र में सफलता दिलाएगा, बल्कि लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए भी एक मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित करेगा। खेल के साथ अपने व्यक्तिगत जुड़ाव को भी मनु ने साझा किया। उन्होंने 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स में शूटिंग की वापसी पर अपनी खुशी व्यक्त की। अपने खेल जीवन के अलावा, मनु ने अपने व्यक्तिगत जीवन में आए एक महत्वपूर्ण बदलाव का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया, मैं अब एक आध्यात्मिक व्यक्ति हूं। यह आध्यात्मिक यात्रा ओलंपिक के दौरान ही शुरू हुई थी, और अब मैं पूरी तरह से इस रास्ते पर आगे बढ़ रही हूं। यह नया दृष्टिकोण उन्हें मानसिक शांति और एकाग्रता प्रदान कर रहा है, जो एक उच्च-स्तरीय एथलीट के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

एफआईएच प्रो लीग के भारतीय पुरुष हॉकी टीम घोषित, हरमनप्रीत करेंगे कप्तानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारतीय हॉकी टीम आगामी एफआईएच प्रो लीग 2025-26 के यूरोपीय चरण में उतरेगी। हॉकी इंडिया ने इस लीग के लिए बुधवार को 24 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ही युवा प्रतिभाओं को भी शामिल किया गया है। जिससे टीम के प्रदर्शन को देखकर आगामी हॉकी विश्व कप की तैयारियों का भी आंकलन किया जा सके।

टीम का यूरोप दौरा बेल्जियम से शुरू होगा, जहां टीम 7 से 9 जून 2026 तक ब्रुसेल्स में एक तैयारी शिविर और एक अभ्यास मैच खेलेगी। इसके बाद, टीम नीदरलैंड्स के रॉटरडैम रवाना होगी, जहां 14 से 21 जून तक जर्मनी और मेजबान नीदरलैंड्स के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग के महत्वपूर्ण मुकाबले होंगे। यूरोपीय चरण के अंत में टीम इंग्लैंड पहुंचेगी यहां उसे 23 से 28 जून तक पाकिस्तान और इंग्लैंड से खेलना है।

टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह के साथ अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह और जुगराज सिंह जैसे अनुभवी खिलाड़ी रहेंगी। वहीं अमनदीप लाकड़ा जैसे युवा भी इस टीम में शामिल रहेंगे। मिडफील्ड में हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह और विवेक सागर प्रसाद जैसे खिलाड़ी टीम को गति और संतुलन प्रदान करेंगे। आक्रामण की कमान फॉरवर्ड मनदीप सिंह, सुखजीत सिंह, अभिषेक और सेल्वम कार्थी पर रहेगी। टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने टीम चयन पर सही बताते हुए कहा कि टीम अच्छी लय में है और यूरोप में होने वाले ये मुकाबले विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण साबित होंगे। उन्होंने आगे कहा, ट्रेनिंग शानदार चल रही है और टीम अच्छी स्थिति में है। जून में नीदरलैंड्स और इंग्लैंड में होने वाले एफआईएच प्रो लीग मुकाबले हमारे लिए एक बड़ी परीक्षा होंगे। इनसे हमें यह जानने में मदद मिलेगी कि विश्व कप की तैयारियों में हम वास्तव में कहां खड़े हैं और किन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है।

टीम इस प्रकार है

गोलकीपरः मोहित होन्नेनहल्ली शशिकुमार, सूरज करकेरा

डिफेंडर्सः हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), अमित रोहिदास, सुमित, संजय, यशदीप सिवाच, अमनदीप लाकड़ा, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह

मिडफील्डर्सः हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल, नीलकांत शर्मा, विवेक सागर प्रसाद, रबीचंद्र सिंह मोइरांगथेम

फॉरवर्ड्सः मनदीप सिंह, सुखजीत सिंह, अभिषेक, आदित्य अर्जुन लालगे, दिलप्रीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, सेल्वम कार्थी

भारतीय महिला हॉकी टीम ने शूटआउट में ऑस्ट्रेलिया को हराया

पर्थ । भारतीय महिला हॉकी टीम ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए आस्ट्रेलिया को चार मैचों की दोस्ताना श्रृंखला के दूसरे मैच में शूटआउट में 4-2 से हराकर 1-1 से बराबरी की। शानदार शुरूआत के बाद आस्ट्रेलिया ने दसवें मिनट में ओलिविया डोनेस के गोल के दम पर बढत बना ली। भारत ने कई मौके बनाये और पेनल्टी कॉर्नर अर्जित करके आस्ट्रेलिया को दबाव में रखा। भारत के लिए सुशीला चानू ने 46वें मिनट में बराबरी का गोल दागा। शूटआउट में भारत के लिए नवनीत कौर, इशिका चौधरी, अन्नु और रूतुजा पिसल ने गोल दागे। तीसरा मैच शुक्रवार को खेला जाएगा।

फ्रेंच ओपन के अगले दौर में पहुंचे सिनर और सबालेंका, मेदवेदेव बाहर हुए

पेरिस । यहां रौला गैरा में शुरु हुए फ्रेंच ओपन टेनिस में विश्व के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी इटली के जैनिक सिनर और महिला वर्ग में बेलारुस की आर्यका सबालेंका जीत के ही दूसरे दौर में पहुंच गये हैं। वहीं रुस के टेनिस स्टार डेनिल मेदवेदेव उलटफेर का शिकार बने हैं। पुरुष वर्ग में के नंबर-1 खिलाड़ी सिनर ने फ्रांस के वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी क्लेमेंट टैबुर को 6-1, 6-3, 6-4 से आसानी से मात दी। इस प्रभावशाली जीत के साथ, सिनर की लगातार जीत ने अपना लगातार 30 मैच जीता है। इससे वह वह अपने करियर के एकमात्र ग्रैंडस्लैम खिताब को जीतने की ओर बढ़ रहे हैं। वहीं रुस के मेदवेदेव को ऑस्ट्रेलिया के 97वीं रैंकिंग वाले एडम वाल्टन ने पांच सेट तक चले कड़े मुकाबले में 6-2, 1-6, 6-1, 1-6, 6-4 से हराकर सबको हैरान कर दिया। यह लगातार दूसरा साल है जब मेदवेदेव फ्रेंच ओपन के पहले दौर से बाहर हुए हैं। पुरुष वर्ग के अन्य मैचों में, यूनान के स्टार खिलाड़ी स्टेफानोस सितसिपास ने फ्रांस के अलेक्जेंडर मुलर को 6-2, 3-0 से हराया। एक अन्य मुकाबले में नौवीं वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर बुब्लिक को जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ ने 7-5, 6-7 (6), 6-4, 7-5 से हरा दिया। दूसरी ओर सबालेंका ने महिला एकल मुकाबले में स्पेन की जेसिका बुजास मानेरो को 6-4, 6-2 के सीधे सेटों में हराकर दूसरे दौर में जगह बनायी। सबालेंका ने मैच के दौरान अपना दबदबा बनाए रखा और उसने विरोधी खिलाड़ी को वापसी करने का कोई अवसर नहीं दिया। एक अन्य मुकबले में अमेरिका की कोको गॉफ ने टेलर टाउनसेंड को 6-4, 6-0 से हराया, जबकि चार बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका ने लॉरा सीगमंड को 6-3, 7-6 (3) से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

आरसीबी ने जीत से दिखाया कि नॉकआउट मैच में आपको इसी तरह के प्रदर्शन की जरूरत होती है :कुंबले

धर्मशाला (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने क्वालिफायर 1 में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ 92 रनों की जीत के साथ आईपीएल के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। जियो स्टार एक्सपर्ट अनिल कुंबले ने RCB की शानदार जीत का विश्लेषण किया और रजत पाटीदार की बेहतरीन कप्तानी पर बात की।

कुंबले ने RCB की जीत का विश्लेषण करते हुए कहा, 'टॉस हारने के बाद RCB ने बोर्ड पर 254 रनों का विशाल स्कोर खड़ा करके अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। किसी भी मैच में इतने रन बनाना मुश्किल होता है, लेकिन प्लेऑफ में ऐसा करना असली हिम्मत दिखाता है। पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी थी, लेकिन आरसीबी के बल्लेबाजों को फिर भी मैदान पर उतरकर अपना काम करना था। उन्होंने यह काम शानदार ढंग से किया, जिसमें रजत पाटीदार ने आगे बढ़कर कप्तानी की और विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल ने भी अच्छा योगदान दिया।'

कुंबले ने कहा, 'जब RCB गेंदबाजी करने उतरी, तो उन्होंने GT के ओपनर्स को जमने नहीं दिया। उन्होंने कसी हुई लाइन पर गेंदबाजी की, दबाव बनाए रखा, और साई सुदर्शन के दुर्भाग्यपूर्ण आउट होने से उन्हें शुरुआती सफलता मिल गई। उस विकेट ने जीत के दरवाज़े खोल दिए। वहां से RCB के गेंदबाजों ने मैच पर पूरी तरह से नियंत्रण कर लिया। यह शुरू से लेकर अंत तक एक बेहतरीन प्रदर्शन था। गेंदबाजी, बल्लेबाजी, फील्डिंग - उस रात RCBके लिए सब कुछ एकदम सही रहा। वे सिर्फ जीते ही नहीं; उन्होंने एक बयान दिया है। नॉकआउट मैच में आपको इसी तरह के प्रदर्शन की ज़रूरत होती है।'

रजत पाटीदार की पारी और कप्तानी पर कुंबले ने कहा, 'एक खिलाड़ी अपने साथियों का सम्मान तब कमाता है, जब वह बड़े मैच में अच्छा प्रदर्शन करता है। रजत पाटीदार ने ठीक यही किया है। यह पहला क्वालिफायर आरसीबी के लिए बहुत बड़ा मैच था। पहला क्वालिफायर जीतकर सीधे फाइनल में पहुँचने से आपको बहुत बड़ा फायदा मिलता है। तीन या चार दिन का आराम खिलाड़ियों को मानसिक और शारीरिक रूप से ठीक होने का मौका देता है।'

उन्होंने कहा, 'पहला क्वालिफायर जीतने का यही एक बड़ा फायदा है। रजत ने कप्तान के तौर पर शानदार काम किया है। लेकिन RCB की जो बात सबसे अलग है, वह यह है कि अलग-अलग मैचों में अलग-अलग खिलाड़ी आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेते हैं। हर मैच में, कोई नया खिलाड़ी 'मैन ऑफ द मैच' का अवॉर्ड जीतता है। पिछले सीजन में जब उन्होंने खिताब जीता था, तब भी ठीक यही हुआ था। जब हर कोई अपना योगदान देता है, तो आप एक चैंपियन टीम बन जाते हैं। जीटी के खिलाफ इस मैच में, हर गेंदबाज ने विकेट लिए। किसी एक या दो खिलाड़ियों पर ही पूरी तरह निर्भरता नहीं थी। बल्लेबाजी जोरदार रही, गेंदबाज़ी अनुशासित थी, और फील्डिंग भी चुस्त थी। यह उस टीम की पहचान है, जो बड़े मैच जीतना जानती है।'

यूनिटी कप फुटबॉल में 27 मई को भारत का मुकाबला जमैका से होगा

लंदन । भारतीय सीनियर पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल टीम आजकल यूनिटी कप 2026 में भाग लेने इंग्लैंड गयी हुई है। भारतीय टीम यहां अपना पहला मुकाबला भारतीय समयानुसार 27 मई की रात को दूसरे सेमीफाइनल में जमैका से खेलेगी। ये 24 साल बाद पहला अवसर है जब भारतीय टीम इंग्लैंड की धरती पर कोई अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलेगी। इससे पहले आखिरी बार भारतीय फुटबॉल टीम ने साल 2002 में इंग्लैंड में मैच खेला था। ऐसे में इस मैच को लेकर खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह है। फीफा रैंकिंग में अभी भारतीय टीम 136वें स्थान पर है, जबकि जमैका 71वें स्थान पर है। वहीं, पहले सेमीफाइनल में नाइजीरिया और जिम्बाब्वे की टीमें टकरायेंगी। नाइजीरिया की टीम फीफा रैंकिंग में 26वें स्थान पर एक मजबूत दावेदार है, जबकि जिम्बाब्वे 130वें नंबर पर मौजूद है। इस टूर्नामेंट का प्रारूप ऐसा है कि सेमीफाइनल में हारने वाली दोनों टीमें तीसरे स्थान के लिए भी प्ले-ऑफ मैच खेलेंगी, जिससे सभी टीमों को कम से कम दो अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का मौका मिलेगा। सभी मुकाबले लंदन के द वैली स्टेडियम में खेले जाएंगे। ऐसे में भारतीय टीम के लिए यह इंग्लैंड में अपनी क्षमताओं को साबित करने और अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। मुख्य कोच खालिद जमील की ये पहली परीक्षा होगी। इस टूर्नामेंट से पहले भारती टीम ने राष्ट्रीय कैंप में भी अभ्यास किया था।